ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अपने राजनीतिक जीवन में मैने ईमानदारी से काम किया: परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 29 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-241

भारत में दखलंदाजी कर रहा अमेरिका, मोदी-शाह साधे मौन

गुपकार गैंग, कांग्रेस और ओवैसी अमेरिकी ट्रैप में!

बांग्लादेश में षड्यंत्र पूर्वक सत्ता पलट करने के बाद अमेरिका ने भारत में दखलंदाजी काफी तेज कर दी है। इसके पहले अमेरिका ने भारत के आम चुनाव को नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रभावित करने की कोशिश की, लेकिन मोदी को सत्ता से दूर रखने का षडयंत्र काम नहीं आया। उसके बाद अमेरिकी दखलंदाजी कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। अब वह जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव को भाजपा विरोधी मोड़ देने में काफी सक्रिय हो गया है। अमेरिका के इस षड्यंत्र में जम्मू कश्मीर के गुपकार गैंग से लेकर कांग्रेस और दक्षिण में एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी तक शामिल हैं। इनकी कोशिश है कि जम्मू कश्मीर में फिर से ऐसी स्थिति बने कि यहां दोबारा अनुच्छेद 370 लागू हो जाए और जम्मू कश्मीर जहां था वहीं फिर से पहुंच जाए। अमेरिकी राजनयिक के वेश में अमेरिकी एजेंट नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं से लेकर कांग्रेस और एआईएमआईएम नेता से मिल रहे हैं और यहां तक कि दिल्ली बॉर्डर के पास प्रायोजित धरना पर बैठे किसानों से भी उनकी मुलाकात हुई। अमेरिका की इन संदेहास्पद गतिविधियों पर सख्ती से

जम्मू-कश्मीर का विधानसभा चुनाव टारगेट पर

रोक लगाने के बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या गृह मंत्री अमित शाह चुप बैठे हैं। आप जानते ही हैं कि पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) या गुपकार नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित जम्मू-कश्मीर में मुख्यधारा की सात राजनीतिक पार्टियों का गठबंधन है। गुपकार गैंग जम्मू-कश्मीर को पहले की तरह अनुच्छेद 370 लागू करने और विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहा है। गुपकार गैंग में नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस, सीपीआई (एम) पीपुल्स यूनाइटेड फ्रंट, पैंथर्स पार्टी और अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस शामिल है। गुपकार गैंग में कांग्रेस औपचारिक रूप से शामिल नहीं है, लेकिन वैचारिक रूप से कांग्रेस गुपकार गैंग में शामिल है और गैंग की सलाहकार भी है। श्रीनगर में एक गुपकार रोड है, जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला का आवास है।

शुभ-लाभ चिंता

अभी 26 अगस्त को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कई विषयों पर चर्चा करने के लिए टेलीफोन पर बातचीत की। इस बातचीत से कुछ घंटे पहले, अमेरिकी राजनयिकों ने जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं से मुलाकात की। हाल के दिनों में भारतीय विपक्षी नेताओं और अमेरिकी राजनयिकों के बीच की मुलाकातें पहले की तुलना में अधिक बार सुर्खियों में रही हैं, जिससे भारतीय लोकतंत्र में संभावित अमेरिकी हस्तक्षेप पर चिंता बढ़ गई है। ▶10पर

कोलकाता की घटना पर बोल पड़ीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

बस बहुत हो चुका, बेटियों और बहनों से अत्याचार

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की लेडी डॉक्टर के साथ में रेप-मर्डर मामले को लेकर पूरे देश में आक्रोश है। इस प्रसंग पर पहली बार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस घटना से निराश और डरी हुई हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि बेटियों के खिलाफ इस तरह के अपराध मंजूर नहीं है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, अब बस, बहुत हो गया। कोई भी सभ्य समाज अपनी बेटियों और बहनों पर इस तरह की अत्याचारों की अनुमति नहीं दे सकता है। राष्ट्रपति ने कहा, समाज को जागने और आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जो लोग महिलाओं को एक वस्तु के तौर पर देखते हैं, ऐसे कुंठाग्रस्त लोगों के खिलाफ आम नागरिकों को सतर्क और जागरूक होना होगा। अपनी बेटियों के लिए यह हमारा फर्ज है कि हम उनके डर से छुटकारा पाने के रास्ते में आने वाली परेशानी को दूर करें। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, निर्भया कांड के 12 साल में रेप की तमाम घटनाओं को समाज ने भुला दिया है।

देश का गुस्सा जायज है मैं भी बहुत गुस्से में हूं

इतिहास का सामना करने से डरने वाले समाज सामूहिक भूल की बीमारी का सहारा लेते हैं। अब समय आ गया है कि भारत इतिहास का सामने करे।

राष्ट्रपति ने कहा कि बलात्कार जैसे अपराध रोकने के लिए सख्त से सख्त कानून बने हैं और तमाम तरह के सोशल कैंपेन भी चलाए गए हैं। फिर भी कोई न कोई ऐसी घटना हमारे रास्ते में आ ही जाती है और हमें परेशान करती है। उन्होंने कहा, हमें खुद के भीतर झांकना होगा और कठिन सवाल भी पूछने होंगे। हमसे कहां पर गलती हुई है। इन गलतियों को किस तरह से दूर किया जा सकता है। हम इन सवालों का जवाब ढूंढें। आधी आबादी उतनी आजादी से नहीं जी पाएगी, जितनी आजादी से बाकी आबादी जीती है।

राष्ट्रपति ने महिला अपराधों पर तत्काल रोक लगाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि भारत महिलाओं के खिलाफ अपराधों की विकृति के प्रति जाग जाए और उस मानसिकता का मुकाबला करे जो महिलाओं को कम शक्तिशाली, कम सक्षम, कम बुद्धिमान के रूप में देखती है। कोई भी सभ्य समाज बेटियों और बहनों के खिलाफ इस तरह के अत्याचार की इजाजत नहीं दे सकता। ▶10पर

कोलकाता कांड के खिलाफ पूरे पश्चिम बंगाल में जनाक्रोश

बंगाल बंद सफल, ममता की धमकी विफल

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की ट्रेनी डॉक्टर से रेप के बाद हत्या को लेकर पूरे देश में आक्रोश है। इस घटना के विरोध में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए बड़ी संख्या में छात्र कल से लेकर आज तक सड़कों पर हैं। कल नबन्ना अभियान पर पुलिस बर्बरता के बाद आज पश्चिम बंगाल बंद का आह्वान किया गया था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि बुधवार को कोई बंद नहीं रहेगा, लेकिन बंगाल बंद का असर पूरे प्रदेश में दिखा। मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के ऑफिस नहीं पहुंचने पर उनके खिलाफ एक्शन लेने की धमकी दी थी, लेकिन अधिकांश दफ्तरों में सन्नाटा रहा। जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल तो जारी ही है।

बंद के दौरान कई जगह बवाल भाजपा नेता पर फायरिंग

बंद के कारण बंगाल में बस और ट्रेन सेवाएं प्रभावित रहीं। सुबह से ही बंद के आह्वान के कारण पश्चिम बंगाल में बसें और ट्रेन सेवाएं प्रभावित रहीं। इंडिगो, विस्तारा और स्पाइसजेट समेत प्रमुख एयरलाइनों की फ्लाइट भी बाधित रही। इन एयरलाइंस की तरफ से उड़ान बाधित होने की सूचना पहले ही जारी कर दी गई थी। प्रदर्शनकारी भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस के साथ छिटपुट झड़पें भी हुईं। बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को मार्च करने से पुलिस ने रोक दिया। कई जगहों से भारी हंगामे की खबर सामने आई हैं। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी को बंगाल बंद के दौरान श्यामबाजार 5 पॉइंट क्रॉसिंग पर हिरासत में लिया गया। ▶10पर

जम्मू कश्मीर चुनाव में पीडीपी और डीपीएपी को झटका

महबूबा मुफ्ती नहीं लड़ेंगी चुनाव

गुलाम नबी डीपीएपी के लिए नहीं करेंगे प्रचार

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 28 अगस्त।

कश्मीर में हो रहे विधानसभा चुनावों में आज पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अर्थात पीडीपी और डेमोक्रेटिक प्रगतिशील आजाद पार्टी अर्थात डीपीएपी को उस समय झटके लगे जब पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने चुनाव मैदान में उतरने से इन्कार कर दिया। तो दूसरी ओर डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने स्वास्थ्य कारणों से अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने मैदान में उतरने से इंकार कर दिया। राजनीतिक पंडितों ने इन दो अध्यक्षों द्वारा लिए गए फैसलों पर हैरानी जरूर प्रकट की है। डेमोक्रेटिक प्रगतिशील आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने बुधवार को स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए कहा कि वह विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार नहीं कर पाएंगे। ▶10पर

विदेशी मुद्रा अधिनियम (फेमा) का उल्लंघन

डीएमके सांसद पर ठोका 908 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने डीएमके सांसद एस जगतरक्षकण और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन से संबंधित मामले में 908 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। संघीय एजेंसी की तरफ से कहा गया कि सितंबर 2020 में जब्त की गई 89.19 करोड़ रुपए की संपत्ति को 26 अगस्त को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत जारी एक स्थगन आदेश के बाद जब्त कर लिया गया है। 76 वर्षीय जगतरक्षकण अरक्कोणम लोकसभा सीट का ▶10पर

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव का विचित्र नजारा

चुनाव मैदान में खूब उतर रहे अलगाववादी

जम्मू, 28 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में 10 साल के बाद हो रहे विधानसभा चुनावों में जो हैरान कर देने वाले राजनीति नजारे हैं उनमें अलगाववादी सरजन बरकती का नामांकन दाखिल करना भी शामिल है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव दिलचस्प होता जा रहा है। इस बार चुनाव में अलगाववादी नेता भी खुल कर मैदान में उतर रहे हैं। जेल में बंद कश्मीरी अलगावादी नेता और

सरजन बरकती का नामांकन भरा उसकी बेटी ने

मौलवी सरजन अहमद वागे ने मंगलवार को शोपियां जिले के जैनपोरा विधानसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र भर दिया। मौलवी सरजन अहमद वागे को सरजन बरकती के नाम से जाना जाता है।बरकती की बेटी सुगरा ने उनका नामांकन पत्र भरा है। जब सुगरा नामांकन पत्र भरने के लिए जा रही थी तो उससे पहले उन्होंने अपने गांव रेबन के लोगों से पिता को समर्थन देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि मेरे पिता को आपके समर्थन की बहुत जरूरत है। ▶10पर

जमात-ए-इस्लामी का उम्मीदवार उतरा चुनाव मैदान में

जम्मू, 28 अगस्त (ब्यूरो)।

कश्मीर में जमात-ए-इस्लामी ने अपने उम्मीदवार मैदान में उतार कर अन्य उम्मीदवारों के लिए चुनौती पैदा कर दी है। हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जमात-ए-इस्लामी के इस कदम का स्वागत किया है और कहा है कि इससे मुकाबला रोचक होगा। प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी जम्मू कश्मीर के कई पूर्व सदस्यों ने मंगलवार को केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल किया था। जेल में बंद अलगाववादी कार्यकर्ता सरजन बरकती की बेटी सुगरा बरकती ने भी अपने पिता की ओर से नामांकन पत्र दाखिल किया। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,820/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 87,195/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^{0}

न्यूनतम : 22^{0}

भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए कनाडा में जुट रहा फंड

देश में सक्रिय है पूंजी-अपराध-आतंक का गठबंधन

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई कनाडा में फंड जुटा रही है। इसके लिए खालिस्तानी संगठनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इतना ही नहीं पंजाब के वांछित गैंगस्टर भी इसमें मदद कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने गृह मंत्रालय को इस आशय की रिपोर्ट भेजी है। इसके अनुसार भारत विरोधी गतिविधियों के लिए कनाडा की धरती का इस्तेमाल किया जा रहा है। आतंकी फंडिंग के लिए हिंदू नामों से खुले बैंक खातों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए हिंदू लड़कियों को फंसा कर उनके बैंक खातों को आतंकी फंडिंग पाने का सरल जरिया बनाया जा रहा है।

गैंगस्टरों को आतंकवाद की लहर से जोड़कर भारत में धन उगाही और ड्रग्स के धंधे के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे होने वाली कमाई का एक बड़ा हिस्सा आतंकवाद पर खर्च किया जा रहा है। केंद्रीय एजेंसियों की रिपोर्ट में जिक्र है कि कनाडा में बैठे आतंकवादी धन एकत्रित कर न केवल पाकिस्तान भेज रहे हैं, बल्कि भारत में आतंक फैलाने

हिंदू महिलाओं के बैंक खातों से ऑपरेट हो रही आतंकी फंडिंग

पर खर्च कर रहे हैं। पिछले साल आईएसआई के कुछ एजेंट कनाडा के वैंकूवर में खालिस्तानी आतंकियों से मिले थे। इस मीटिंग में गुरपतवंत सिंह पन्नू समेत दूसरे खालिस्तानी आतंकी भी शामिल हुए थे।इसमें यह प्लान बनाया गया कि पैसे की आतंकी गतिविधियों के लिए फंडिंग वाया कनाडा की जाए। इसके बाद से अचानक लखबीर लंडा के नेटवर्क में तेजी आ गई। इसके बाद पंजाब में रंगदारी का धंधा तेज हो गया। कनाडा में पिछले सात माह में रंगदारी के मामले तेजी से बढ़े हैं। कनाडा के वैंकूवर में खासकर ट्रांसपोर्टरों को रंगदारी के लिए कॉल्स आने लगी हैं। एजेंसियों के मुताबिक कुछ समय में कनाडा में आईएसआई ने अपना आधार मजबूत कर लिया है।

हाल ही में कनाडा में पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के एजेंट के रूप में पहचाने जाने वाले एक व्यक्ति को अज्ञात लोगों ने आग लगाकर मार डाला। मारे गए व्यक्ति की पहचान राहत राव के रूप में हुई है। उसका कनाडा के सरी सेंट्रल इलाके में फॉरेक्स का कारोबार है। कहा जाता है कि राहत राव कनाडाई-पाकिस्तानी समुदाय से संबंध रखते थे। सरी वही इलाका है, जहां खालिस्तानी आतंकवादी हरजीत सिंह निज्जर की गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

आध्यात्मिक शक्ति को अनलॉक करें पर कार्यशाला

मानव की आध्यात्मिकता और शारीरिक स्वास्थ्य के बीच संबंध: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम के तहत श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, बेंगलूरु सेंट्रल, महावीर धर्मशाला, वीवी पुरम में चातुर्मासार्थ विराजित जिनशासन प्रभाविका श्री चैतन्यश्रीजी के सान्निध्य में इनर हीलिंग यानी आंतरिक उपचार, अपने स्वास्थ्य को बदलने के लिए अपनी आध्यात्मिक शक्ति को अनलॉक करें पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

साध्वी ने आगम वाणी एवं तत्व चर्चा द्वारा बताया कि मानव की आध्यात्मिकता और शारीरिक स्वास्थ्य के बीच संबंध है। इनमें भावनात्मक रुकावटों को दूर करने और आत्म-उपचार को बढ़ावा देने की तकनीकें भी है। साथ ही आंतरिक शांति और संतुलन विकसित करने के लिए माइंडफुलनेस अभ्यास की क्षमता भी।

उन्होंने पूछा क्या आप अक्सर खुद को पीड़ित महसूस करते हैं? क्या आप दूसरों को यह तय करने देते हैं कि आप क्या महसूस करते हैं? क्या आपको रिश्तों में सीमाएं तय करने में परेशानी होती है? जब आप वर्तमान में किसी परिस्थिति में परेशान होते हैं, तो क्या आपकी भावनाएं उस दिन के बारे में होती हैं, या आपके बचपन की घटनाओं से संबंधित होती हैं? क्या आप अक्सर उन अनुभवों को पुनः जीते हैं जो पहले ही घटित हो चुके हैं? क्या आप सभी के बीच दीवारें खड़ी करके सुरक्षित महसूस करते हैं? तो कहीं ना कहीं यह सब अस्वस्थता का कारण है। आज की जीवन शैली ओवर सीटिंग-ओवर ईटिंग, प्रतिकूल आसन में बैठना, अति निद्रा में लीन, अति जागरण, मल-मूत्र को रोकना, अति चलना, भोजन की प्रतिकूलता, मन में विकार उत्पन्न होना ये सब भी रोगी होने के कारण है। जिनसे हमें बचना है। इसलिए विगई का सेवन कम करे। कषायों पर नियंत्रण रखे। सकारात्मक विचारों में रहें। आठ कर्मों का विश्लेषण करते हुए उन्होंने कहा कि यह भी कर्म बंधन है, इसलिए सदा मैं स्वस्थ हूँ की अनुप्रेक्षा करें। साध्वीजी ने आगाह करते हुए कहा कि अपेक्षा की उपेक्षा होती है तब अहंकार उत्पन्न होता है। इसलिए अपेक्षाएं ना रखे। खुद को पहचाने, आत्म विश्लेषण करें। सादगी मय जीवन यापन आंतरिक सुरक्षा देगा। प्रारंभ नवकार मंत्र से हुआ। जीतो महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। जीतो महिला विंग महामंत्री सुमन वेदमुथा ने वंदन अर्ज किया। कार्यसमिति सदस्य मीना बडेरा, नीता गादिया, सूर्यकला सियाल, संगीता मुथा, अल्का लोढ़ा, सिंपल हिंगड़, पवन रांका, वसंता पोकरना, सारिका गुंदेचा आदि उपस्थित थे। श्री संघ के मंत्री महेंद्र मुणोत ने स्वागत-सत्कार किया। स्थानीय महिला मंडल सदस्य उपस्थित थे। जीतो महिला विंग पदाधिकारियों, सदस्यों ने श्रमण आरोग्यम फॉर्म साध्वी जी को भेंट की। साध्वी जी ने श्रमण आरोग्यम योजना की सराहना कर कहा जीतो संस्था मानव जाति हेतु अनेका अनेक आयामों पर सुदृढ़ता से कार्य कर रही है। सह-संयोजिका सुमन सिंघवी ने कुशल संचालन किया।

मूक प्राणियों के आशियाना कृपा एनिमल लविंग ट्रस्ट में सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी द्वारा मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वी वर्या श्री स्वर्णांजना श्रीजी की प्रेरणा से मंडल के रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों की कड़ी में कृपा लविंग एनिमल ट्रस्ट का दौरा किया गया।

मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि यहां सैंकड़ों बीमार, लावारिस श्वानों का आशियाना बनाया गया है। सेवा मंडल द्वारा परमात्म सेवा स्वरूप गायों के लिए कृपा लविंग एनिमल ट्रस्ट को हरा और सूखा चारा सुधारने हेतु मशीन प्रदान की गई।

महामंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि अरविन्द डोसी, मधु डोसी, महेन्द्र जैन एवं उनकी टीम ने जो कि यहां पर पशुओं की सेवा, इलाज, ऑपरेशन आदि का बहुत ही सुन्दर कार्य कर रही है, मंडल के सदस्यों का अभिनन्दन किया। श्वानों एवं अन्य पशुओं को दूध, दही चावल, हरा चारा प्रदान किया गया एवं इसी के साथ मंडल के सम्मानित सदस्य सुशीला देवी, बहादुर कुमार कांकरिया परिवार ब्यावर - बेंगलूरु निवासी द्वारा कृपा एनिमल ट्रस्ट को पक्षियों को दाना चुगने की जगह बनाने के लिए बड़ी राशि प्रदान करने की घोषणा की गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, जीवदया संयोजक भरत कोठारी, राजेन्द्र गुलेच्छा, मनीष मेहता, विकास पारख, संतोष डाकलिया, विकास बच्छावत, गिरीश बोहरा, महाबल गुलेच्छा, चन्द्रकला डाकलिया और कोमल डाकलिया के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अश्विनी सेमलानी के डीआरयूसीसी सदस्य और दिलीप जैन के भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महामंत्री बनने पर क्रांति युवा सेना ने उनका सम्मान किया। इस मौके पर जय क्रांति युवा सेना के अध्यक्ष विनोद चौहान, मदन मालवीय, देवीशिंह देवड़ा, कमल सेन, मूलसिंह राजपुरोहित समेत अन्य सदस्यों ने बधाई दी।

जीवन में विसर्जन करने का भाव रखो: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि जैन धर्म में समर्पण का विशेष महत्व है। समर्पण विनय का प्रतीक है। जब श्रावक में भक्ति का जागरण होता है तो समर्पण का भाव स्वत ही प्रकट होता है। जीवन में उतना ही अर्जन करो जितना आवश्यक हो बाकी का विसर्जन करने का भाव रखो। अगर घर छोड़ दिया, दरबार छोड़ दिया और तृष्णा नहीं छूटी तो यह जीवन व्यर्थ है। जीवन में अर्जन के साथ विसर्जन भी आवश्यक है। जीवन में यदि जोड़ते ही रहे और कुछ छोड़ा नहीं तो इस जीवन का कोई मतलब नहीं है। सिकंदर से भी ज्यादा जोड़ों, परंतु जब छोड़ने का समय आए तो महावीर की तरह ऐसा छोड़ों की तन पर एक धागा भी न रहे। समय आने पर छोड़ने का भी साहस रखो। परिग्रह के त्याग से आत्मा के परिणामों में निर्मलता आती है। जीवन में सुखी होना चाहते हो तो तृष्णा के झंझाल से निकलो। दुखों से बचना चाहते हो तो तृष्णा से बचने का प्रयास करो और संतोष को धारण करो। रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। नवकार महामंत्र जाप एवं आयंबिल की लड़ी गतिमान है।

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रमण संघ की महासति श्री शीलकंवरजी की 113वीं जन्म जयंती पर प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के सदस्यों ने शिवमोग्गा में चातुर्मास हेतु विराजमान साध्वी मंगलज्योतिजी के दर्शन वंदन का लाभ लिया। श्री संघ शिवमोग्गा के पूर्व अध्यक्ष हंसराज कवाड व संघ के सक्रिय सदस्य अशोक पालरेचा ने प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डॉं. जवरीलाल लूनावत, महेन्द्र धानेशा, महावीर ललवानी व केवलचंद मोदी का उनके निवास पर स्वागत व अभिनंदन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान परिषद् ने मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत केजी रोड स्थित पूज सिंधी पंचायत में कमलेश, भरत डूंगरवाल के सौजन्य से जरुरतमंद लोगों के लिए अन्नदान सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ पूज सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम कपाई ने भगवान राधा कृष्ण की प्रार्थना के साथ किया। लगभग 300 लोगों ने अन्नदानम का लाभ लिया। परिषद् की ओर से सह-मंत्री रणजीत राखेचा, कोषाध्यक्ष पंकज बैद एवं प्रतिभा राखेचा उपस्थित रहे।

संस्कृति विषय पर शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परम पूज्य सद्गुरु संत डॉक्टर स्वामी की उपस्थिति में हाल ही में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर, बेंगलूरु में बालक-बालिकाओं का शिविर आयोजित किया गया। जिसका विषय संस्कृति था। शिविर में पूरे वर्ष के भारतीय संस्कृति के 20 त्योहारों के बारे में बताया गया। वीडियो, गेम्स, बुक गतिविधि, ड्रामा, डांस और संत प्रवचन आदि के माध्यम से बच्चों को बहुत अच्छा ज्ञान मिला। इस शिविर के दौरान बच्चों ने अन्नकूट, झोली उत्सव, जन्माष्टमी, महाशिवरात्री, होली, रथयात्रा, गणेश चतुर्थी, हनुमान जयंती जैसे अन्य त्योहार मनाए गए। शिविर के दौरान रथयात्रा उत्सव के साथ साथ बच्चे राजाजीनगर में व्यसन मुक्ति रैली में भी जुड़े। इस शिविर के दौरान बच्चों को अनेक अद्भुत प्रेरणाएँ प्राप्त हुईं। शिविर में कुल 515 बालक- बालिकाओं ने भाग लिया। संत पूज्य डॉक्टर स्वामी जी ने माता पिता को पंचांग प्रणाम, रोज भगवान को प्रार्थना आदि आधुनिक साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग के बहु मूल्य नियम दिए।

संसार के जंजाल में नहीं उलझें: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांति नगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में राजेश मुनि जी ने सन्मार्ग के विषय पर अपने प्रवचन में कहा कि अनंत तीर्थंकर हो चुके, अनंत भगवान हो चुके, किसी ने भी गलत राह पर चलने की शिक्षा नहीं दी। जैसे गुलाब का फूल कांटों में भी प्रसन्न रहता है, ऐसे ही हमें भी इस संसार में जंजाल में न फंसकर, स्वयं को सुरक्षित रखते हुए, गुलाब की तरह हंसते हुए जिंदगी जीना चाहिए। दुनिया में हूं दुनिया का तलबगार नहीं हूं। बाजार से निकला हूं खरीदार नहीं हूं, जैसी पंक्तियों से उन्होंने निर्लिप्त भाव से जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ऐसा ही मार्ग हमें भगवान महावीर, प्रभु राम, वासुदेव श्री कृष्ण ने प्रदान किया है। श्री कृष्ण से पहले जितने भी वासुदेव हुए वह अर्ध चक्रवर्ती कहलाते थे। महापुरुषों ने सदैव सही मार्गदर्शन प्रदान किया है। उन्हीं की वाणी से सर्वोदय का सच्चा मार्ग हम सभी को आलोकित कर रहा है। अर्ध चक्रवर्ती वासुदेव श्री कृष्ण की सारी जिंदगी आततायियों को सन्मार्ग पर लाने में बीती। ऐसे कर्मयोगी श्री कृष्ण को दुनिया आज भी याद करती है। उन्होंने कहा कि धर्म ज्ञान का महान पर्व पर्युषण नजदीक आ रहा है। हमें संवत्सरी महापर्व की आराधना में जुट जाना है। ऋषभ मुनि ने गीतिका प्रस्तुत की। धर्मसभा में इंदिरा नगर, अलसूर वनारपेट, विल्सन गार्डन आदि इलाकों से श्रद्धालु उपस्थित थे। आशा लुणावत, आरती लुणावत, अंजू बेताला आदि तपस्वियों का स्वागत महिला मंडल से ममता बोरा एवं वंदना मरलेचा ने किया। मुकेश मुथा एवं प्रकाश खिंवेसरा ने अभिनंदन किया। संचालन संघ के चेयरमैन महावीर चंद मुथा ने किया।

अच्छा सामाजिक इंसान बनना बहुत ही कठिन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि सामाजिक और सामायिक दोनों के भावों में अन्तर होते हुए भी दोनों एक दूसरे से समान्तर रूप से जुड़े है। अच्छा सामाजिक इंसान बनना बहुत ही कठिन है। प्रत्येक मनुष्य जिस समाज में जी रहा है, वहां अपनी सभी प्रकार की सुरक्षा चाहता है। सामाजिक अराजकता बढ़ने से संवाद-प्रीति मैत्री और अहिंसा धर्म को सबसे ज्यादा चोट पहुंचती है। सामायिक में अहिंसा धर्म का ही तो पालन किया जाता है। अर्थ-धर्म-काम और मोक्ष ये चारों की सीमा ही सामाजिक सुरक्षा कहलाती है। सामाजिक में पशु धन, रिश्ते नाते, खान-पान, व्यवसाय और धर्म इन सभी का समावेश हो जाता है। सुरक्षा के बिना सामाजिकता में बिखराव होने लगता है। जहां भी मनुष्य जी रहा है, निर्बाध सुरक्षित जीवन चाहता है। चार दीवारी भी एक प्रकार की सुरक्षा ही है। समाज के प्रमुखों और धर्मगुरुओं दोनों की जिम्मेदारी है कि समाज में असुरक्षा न फैले अराजकता नहीं बढ़नी चाहिए। गुरुओं को सामायिक सीखाने से पहले न्याय नीति - सत्यवान तथा गुणवान बनने की प्रेरणा देनी चाहिए। विश्वसनीयता और अल्प कषाय से सामाजिक जीवन यशस्वी बनता है।

आध्यात्मिक ऊर्जा के केन्द्र है तीर्थस्थान: आचार्य अरिहंतसागरजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सीमंधर-शांतिसूरि जैन संघ, वी.वी. पुरम के तत्वावधान में आयोजित 40 दिवसीय श्री सम्मेत शिखर तप की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में बुधवार को सम्मेत शिखरजी तीर्थ के प्रति जागरूकता हेतु श्री संभवनाथ जैन भवन में आयोजित भावयात्रा के दौरान आचार्य श्री अरिहंत सागरसूरीश्वरजी ने कहा कि तीर्थस्थल आध्यात्मिक ऊर्जा के केंद्र होते हैं। व्यक्ति के भावों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने में उनकी क्षमता होने के कारण ही तीर्थयात्रा का महत्व दर्शाया गया है। अतः उनकी पवित्रता बनाए रखने का प्रत्येक श्रद्धालु का कर्तव्य बनता है। लेकिन अफसोस की बात है कि आज पर्यटन को बढ़ावा देने की आड में सरकार तीर्थस्थलों की पवित्रता के साथ खिलवाड कर रही है। संसार के प्रत्येक क्षेत्र की जिस प्रकार एक आचार-संहिता होती है उसी तरह तीर्थों के पवित्र वातावरण की सुरक्षा के लिए भी निश्चित की गई आचार-संहिता का पालन अनिवार्य होना चाहिए। अन्यथा वे तीर्थस्थान मिटकर पर्यटन स्थल बनकर रह जाएंगे।

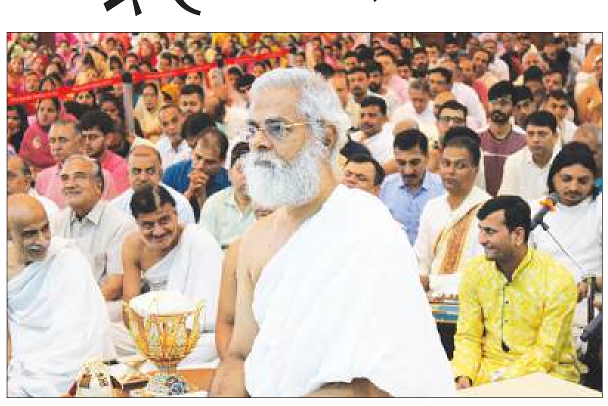

झारखंड राज्य में स्थित सम्मेत शिखरजी तीर्थ से चौबीस में से बीस-बीस तीर्थंकरों ने निर्वाण प्राप्त किया है। अतः उनके द्वारा की गई साधना से वहां स्थित मंदिर ही नहीं बल्कि पूरा पहाड़ पवित्र माना गया है जिसकी मालिकी परंपरा से जैन संघ के अधीन रही है। इस बात की पुष्टि हेतु मुगल काल में भी अकबर ने तीर्थों की मालिकी का सत्यापन करते हुए जैन संघ के नाम फरमान जारी किए थे जो आज भी मौजूद है। इसके बाद समय समय पर तत्कालीन शासकों ने भी तीर्थ की सुरक्षा में सहयोग दिया। अंग्रेजों के भारत आने के बाद तीर्थ पर गैर-धार्मिक प्रवृत्तियाँ शुरू हुई तो जैन संघ ने तब भी उसका विरोध किया और भविष्य में किसी प्रकार का विवाद न हो अत: एक बड़ी धनराशि का भुगतान कर पूरे पहाड को खरीदा। लेकिन आजादी के बाद बिहार सरकार ने कृषि सुधार अधिनियम के तहत पूरे पहाड़ को अपने कब्जे में ले लिया और तब से यह तीर्थ सरकारी हस्तक्षेप के कारण कानूनी विवाद में है। सरकारी हस्तक्षेप के कारण वहां मांसाहार, मदिरापान, पशु-बलि, पर्यटकों द्वारा फूहड नाच-गान आदि अनेक प्रवृत्तियाँ दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। नतीजन तीर्थयात्रा के पवित्र धार्मिक उद्देश्य से आने वाले श्रद्धालुओं को अनेक प्रकार की बाधाओं का सामना करना पड रहा है।

अपने राजनीतिक जीवन में मैने ईमानदारी से काम किया: परमेश्वर

मीडिया इस विषय पर अटकलें नहीं लगा सकता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री बनने की अफवाहों के बीच, गृह मंत्री और दलित समुदाय के प्रमुख नेता जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि वह कांग्रेस के अनुशासित सिपाही हैं और जब भी पार्टी ने उन्हें मौका दिया, उन्होंने ईमानदारी से काम किया। यह बयान उन अटकलों के बीच आया है, जिनमें कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कानूनी मुश्किलें बढ़ने पर उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। 23 अगस्त को दिल्ली में राहुल गांधी से परमेश्वर की मुलाकात के बाद इन अफवाहों को बल मिला है। हालांकि परमेश्वर ने अटकलों का खंडन करते हुए कहा मेरे मुख्यमंत्री बनने का सवाल ही नहीं उठता। ऐसा सवाल ही नहीं उठेगा और मैं ऐसे किसी सवाल का जवाब नहीं दूंगा। राहुल गांधी से अलग से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा राहुल गांधी ने मुझसे अलग से बात की थी और यह सच है। हालांकि, मीडिया इस विषय पर अटकलें नहीं लगा सकता। मैं भी कांग्रेस का

अनुशासित सिपाही हूं। पार्टी ने जब भी मुझे काम करने का मौका दिया, मैंने पूरी ईमानदारी से काम किया। राहुल गांधी ने मुझसे पार्टी के मामलों पर बात की है। इस तरह की कोई चर्चा नहीं हुई। गुरुवार को सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ अभियोजन पर लंबित अदालत के फैसले के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा हमें उम्मीद है कि अदालत किसी भी तरह से राज्यपाल के फैसले पर विचार नहीं करेगी क्योंकि कोई भी सबूत नहीं है। सीएम सिद्धरामैया की संलिप्तता को साबित करने के लिए उनके हस्ताक्षर, आदेश, संलिप्तता और पंजीकरण में उनका नाम नहीं होना जैसी कोई बात नहीं है। जब ऐसा मामला है, तो अदालत यह सब देखेगी और अपना फैसला सुनाएगी। हम सीएम सिद्धरामैया के साथ खड़े रहेंगे जैसा कि आलाकमान ने घोषणा की है। विकास की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। आलाकमान का मानना है कि एक बार अदालत का फैसला आने के बाद, भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा की जाएगी। 11 विधेयकों को वापस भेजने के लिए राज्यपाल के खिलाफ कांग्रेस सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बारे में पूछे जाने पर, परमेश्वर ने कहा कानूनी टीम राज्यपाल द्वारा 11 विधेयकों को वापस भेजने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की पुष्टि कर रही है। हमें इस बारे में देखना होगा। हम पहले राज्यपाल को उनके द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण के साथ विधेयक वापस भेजेंगे। अगर वह संतुष्ट नहीं हुए तो हमें इस मामले में राष्ट्रपति से भी संपर्क करना होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्यपाल कांग्रेस पार्टी की मांगों पर ध्यान देंगे, परमेश्वर ने कहा यह अलग बात है कि राज्यपाल कांग्रेस पार्टी की मांगों को मानेंगे या नहीं। आंदोलन आयोजित करने की आवश्यकता है। कल कोई यह कह सकता है कि अगर विधायकों को उनसे मिलकर स्थिति के बारे में जानकारी देनी होती, तो वे अलग निर्णय लेते। हम भी अवसर तलाशना चाहते हैं। भाजपा द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने की योजना के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा अगर वे राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की योजना बना रहे हैं, तो हमें भी राष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करना होगा। हाईकमान तय करेगा कि कांग्रेस पार्टी अकेले आंदोलन करेगी या इंडिया ब्लॉक के माध्यम से इसे आयोजित किया जाएगा। अगर भाजपा इसे राष्ट्रीय स्तर पर ले जाती है, तो हम भी निश्चित रूप से ऐसा करेंगे। कर्नाटक औद्योगिक विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा आरडीपीआर और आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे को भूमि आवंटन के मुद्दे पर परमेश्वर ने कहा राज्यपाल को शिकायत की जांच करने दें और अगर कानून के खिलाफ कुछ भी है, तो उन्हें उचित कार्रवाई करने दें। एक परियोजना के लिए भूमि आवंटन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। कोई भी व्यक्ति कंपनी, परियोजना रिपोर्ट और निवेश के साथ आने के बाद आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। भूमि आवंटित की जाएगी।

सड़कों के गड्ढों को उजागर करने के लिए लंबी कूद प्रतियोगिता आयोजित

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में मानसून के मौसम के चरम पर होने के कारण, भारी बारिश ने राज्य में घटिया गुणवत्ता वाली सड़क परियोजनाओं को उजागर कर दिया है। कुछ ही घंटों की बारिश में, पक्की सड़कें टूटकर बड़े-बड़े गड्ढे बन जाती हैं और जब बारिश के दौरान ये हिस्से पानी से भर जाते हैं, तो लोग, खास तौर पर दोपहिया वाहन पर यात्रा करने वाले लोग गड्ढों और गिरने पर ध्यान नहीं देते। ज्यादातर मामलों में, वे मामूली चोटों के साथ बच जाते हैं। लेकिन, कुछ मामलों में, वे संतुलन खो देते हैं और बड़े वाहनों के पहियों के नीचे आ जाते हैं, जिससे उनकी जान चली जाती है। यहाँ, उडुपी में, गड्ढों से भरी सड़कें मौत का जाल बन गई हैं और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारी सड़कों को ठीक करने के अपने कर्तव्य में विफल रहे हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं और हाल ही में संपन्न ओलंपिक से प्रेरणा लेते हुए, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उडुपी शहर में सड़कों की खराब स्थिति को उजागर करने के लिए एक रचनात्मक नाटक तैयार किया

है। यमराज (मृत्यु और न्याय के देवता), उनके सहायक चित्रगुप्त और कुछ भूतों की वेशभूषा में कार्यकर्ताओं ने कर्नाटक के तटीय शहर में गड्ढों को उजागर करने के लिए लंबी कूद प्रतियोगिताएं कीं। सड़क प्रशासन के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने का यह अनोखा इरादा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे वीडियो के साथ काम करता दिख रहा है। लोग पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से दुर्घटनाओं और मौतों को रोकने के लिए क्षतिग्रस्त सड़कों को डामर करने का काम करने के लिए कह रहे हैं।

चीनी फैक्ट्री पर ताला लगाने के बाद

नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए भाजपा विधायक ने दिया धरना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चीनी फैक्ट्री पर ताला लगाने के बाद नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए भाजपा विधायक बसन गौड़ा पाटिल यतनाल ने बेंगलूरु में पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय में पूरी रात धरना दिया। पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इथेनॉल उत्पादन लाइसेंस का नवीनीकरण न करने पर कलबुर्गी जिले के चिंचोली तालुक में बसनगौड़ा पाटिल यतनाल चीनी फैक्ट्री पर ताला लगा दिया था। यतनाल ने इस पर सवाल उठाते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने आरोप लगाया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी यह दिखावा कर रहे हैं कि अदालत का फैसला उनका नहीं है। कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम ने 15 साल से भी पहले चिंचोली में चीनी फैक्ट्री खोलने की योजना बनाई थी। यह एक बड़ा घोटाला था और सीबीआई जांच हो रही थी। हालांकि पुरानी फैक्ट्री को दोबारा शुरू करने के लिए 11 बार टेंडर बुलाए गए, लेकिन कोई आगे नहीं आया। किसानों के लाभ के लिए 38 करोड़

की लागत से टेंडर स्वीकार कर लिया और फैक्ट्री शुरू कर दी और इथेनॉल का उत्पादन कर रहे हैं। लेकिन कांग्रेस सरकार ने नफरत की राजनीति के लिए फैक्ट्री पर ताला लगा दिया है। तमिलनाडु में एक निजी कंपनी में नियमों के उल्लंघन के बावजूद करोड़ों के रिश्वत लेकर उन्हें व्यापार करने की इजाजत दी है। लेकिन हम पीड़ित हैं। उन्होंने शिकायत की कि फैक्ट्री पिछड़े जिले में बनी है और लोगों को लाभ हुआ है, लेकिन किसानों के गन्ना मिलिंग में दुर्भावनापूर्वक बाधा डाली जा रही है। मंगलवार देर रात विपक्ष के नेता आर अशोक ने वहां जाकर बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के प्रति अपना समर्थन जताया और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा अगर जल्द ही हाई कोर्ट के आदेश को मान्य नहीं किया गया तो हमारी पार्टी के सभी विधायक और जनप्रतिनिधि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय के सामने सरकार के खिलाफ धरना देंगे।

कांग्रेस ने जेडीएस-भाजपा से मंत्री केजे जॉर्ज से माफी मांगने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस ने मांग की है कि अगर जेडीएस-भाजपा पार्टियों को डीएसपी गणपति की हत्या के मामले में अपनी गलती का एहसास है तो उन्हें मंत्री केजे जॉर्ज से माफी मांगनी चाहिए। केपीसीसी मीडिया और संचार विभाग के अध्यक्ष रमेश बाबू ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट में दायर मामले को खारिज करने की पृष्ठभूमि में भाजपा-जेडीएस दलों को, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से मंत्री केजे जॉर्ज के व्यक्तित्व और नेतृत्व को धूमिल करने की कोशिश की थी, से माफी मांगनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में झूठ बोलकर किसी का चरित्र धूमिल करना अच्छी परंपरा नहीं है। उन्होंने कर्नाटक में सभ्य राजनेताओं को निशाना बनाकर झूठे मामले बनाने के लिए भाजपा और जेडीएस पार्टियों की आलोचना की। पिछली सिद्धरामैया सरकार

में गृह मंत्री रहे के.जे. जॉर्ज को डीएसपी गणपति की हत्या के मामले में फंसाया गया था। निजी कारणों से आत्महत्या के मामले में केजे जॉर्ज को फंसाने के लिए कई चालें चल चुके विपक्षी दलों ने गणपति की पत्नी के नाम पर मामले की दोबारा जांच की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में केस दायर किया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को खारिज कर दिया क्योंकि दोबारा जांच का कोई आधार नहीं था। यह प्रस्तावित किया गया है कि कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा दी गई क्लीन चिट को बरकरार रखा गया है। भाजपा ने कई मौकों पर अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता केजे जॉर्ज को निशाना बनाकर झूठे आरोप लगाए हैं। हालांकि केजे जॉर्ज ने रिकॉर्ड पर जवाब दिया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे थे, लेकिन भाजपा और जेडीएस पार्टियों ने शिकायत की कि पारदर्शी जांच के नाम पर उनके इस्तीफे के लिए मजबूर किया गया था। बाद में पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी दिवंगत गणपति के घर गए और जबरन उनकी पत्नी के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मामले की दोबारा जांच की मांग की। डीएसपी गणपति की पत्नी ने कहा कि कुछ मौकों पर कुमारस्वामी ने वादे के मुताबिक मामले को चलाने में उनकी मदद नहीं की। आखिरकार कोर्ट ने मामला खारिज कर दिया। डीएसपी गणपति के मामले में भाजपा और जेडीएस पार्टियों ने मंत्री जॉर्ज पर हत्या का आरोप लगाया और सदन के अंदर और बाहर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया और उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा के.जे. जॉर्ज, जिन्हें जांच से बरी कर दिया गया था, को सिद्धरामैया के मंत्रिमंडल में फिर से मंत्री के रूप में शामिल किया गया।

ट्राइबल बोर्ड मामला

जेल में बंद पूर्व मंत्री नागेंद्र, उनके सहयोगियों के घरों और दफ्तरों पर ईडी की छापेमारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने आदिवासी कल्याण बोर्ड में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में बुधवार को जेल में बंद पूर्व मंत्री बी नागेंद्र और उनके करीबी सहयोगियों के अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

सूत्रों ने पुष्टि की कि नागेंद्र और उनके करीबी रिश्तेदारों और सहयोगियों के घरों और दफ्तरों पर बेल्लारी, कोप्पल और रायचूर जिलों में छापेमारी की गई। ईडी मामले में आरोप पत्र दाखिल करने की तैयारी कर रहा है, इसलिए अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं और तलाशी अभियान चला रहे हैं।

हालांकि, इस संबंध में अभी आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। जुलाई में बेंगलूरु, बेल्लारी और रायचूर में नागेंद्र के घरों और

दफ्तरों पर एक साथ 18 जगहों पर छापेमारी की गई थी। ईडी का यह कदम इस पृष्ठभूमि में आश्चर्यजनक है कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के तहत विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अदालत में पेश किए गए दो आरोपपत्रों में नागेंद्र को क्लीन चिट दे दी है। एसआईटी ने आरोपपत्र में नागेंद्र और आदिवासी बोर्ड के अध्यक्ष तथा कांग्रेस विधायक बसनगौड़ा दद्दल का नाम नहीं लिखा है। बोर्ड के अकाउंट सुपरिंटेंडेंट चंद्रशेखरन की आत्महत्या के मामले में चार्जशीट दाखिल करने वाली एसआईटी ने भी नागेंद्र का नाम शामिल नहीं किया है। भाजपा ने एसआईटी और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए जांच को अनुचित बताया है। चंद्रशेखरन की आत्महत्या के बाद कथित अनियमितताएं सामने आई थीं। चंद्रशेखरन ने अपनी मौत की सूचना में किसी का नाम लिए बिना एक मौजूदा मंत्री की भूमिका का जिक्र किया था। एसआईटी की नागेंद्र और दद्दल से पूछताछ करने की जहमत नहीं उठाने के लिए आलोचना की गई थी। बाद में जांच में शामिल ईडी ने छापेमारी के बाद नागेंद्र को गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल तीन जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। एसआईटी का गठन 31 मई, 2024 को किया गया था और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ओर से 3 जून, 2024 को सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस बीच, ईडी अपनी स्वतंत्र जांच कर रहा है।

स्कूल की इमारत ढहने से चार छात्र घायल

इंजीनियर और प्रधानाध्यापक निलंबित

दक्षिण कन्नड़/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले में एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया, जब कडाबा तालुक के पेराबे गांव में कुंटूरू सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय की इमारत का एक हिस्सा ढह गया, जिससे चार छात्र घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब इमारत का एक हिस्सा ढह गया, लेकिन सौभाग्य से, अधिकांश छात्र उस समय प्रभावित क्षेत्र में मौजूद नहीं थे। सातवीं कक्षा के सभी घायल छात्रों की पहचान रश्मि, दीक्षा, फातिमा सुहाना और यशिता के रूप में हुई है। घटना के बाद, जिला पंचायत इंजीनियर संगप्पा हुक्केरी और स्कूल के प्रधानाध्यापक रमेश को दक्षिण कन्नड़ के डिप्टी कमिश्नर मुलाई मुहिलान के आदेश पर जिला अधिकारियों ने निलंबित कर दिया। यह हादसा उस समय हुआ जब स्कूल की इमारत के पीछे

एक रिटेनिंग वॉल के निर्माण के लिए खुदाई करने वाली मशीन का उपयोग करके खाई खोदी जा रही थी। खुदाई के कारण संरचनात्मक क्षति हुई, जिससे इमारत की छत सहित इमारत ढह गई। इमारत के अंदर दो छात्र फंस गए थे, लेकिन स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत बचा लिया। घायल छात्रों को इलाज के लिए पुत्तूर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुत्तूर के सहायक आयुक्त जुबिन महापात्रा और कडाबा के तहसीलदार प्रभाकर खजूरे ने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। 75 साल पुराने इस स्कूल में 1.5 लाख रुपये की बाढ़ क्षति परियोजना के तहत निर्माण कार्य चल रहा था। मंगलवार को पांचवीं और सातवीं कक्षा के छात्रों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कक्षाओं के पीछे रिटेनिंग वॉल के लिए खुदाई के साथ काम शुरू हुआ। ढही हुई इमारत लगभग 50 साल पुरानी थी और इसकी नींव भी ठीक से नहीं थी, जिसकी वजह से इमारत ढह गई। इमारत की जीर्ण-शीर्ण स्थिति के बारे में पता होने के बावजूद, निर्माण कार्य जल्दबाजी में शुरू किया गया, जिसकी स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने आलोचना की है। घटना के बारे में पता चलने पर स्थानीय निवासियों, अभिभावकों और स्थानीय प्रतिनिधियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने अधिकारियों पर ज्ञात जोखिमों के बावजूद निर्माण कार्य जारी रखने का आरोप लगाया, जिसके कारण यह दुखद घटना हुई। जिम्मेदार अधिकारियों के निलंबन की व्यापक मांग की गई। गिरने के समय, अधिकांश छात्र इमारत के बाहर थे, लेकिन चार छात्र पानी पीने और खुदाई के काम को उत्सुकता से देखने के लिए अंदर ही रहे, जब इमारत ढह गई। अगर सभी 177 छात्र अपनी कक्षाओं में होते, तो परिणाम भयावह हो सकते थे।

रेणुकास्वामी हत्या मामला

अभिनेता दर्शन समेत सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ी

अन्य जेलों में ट्रांसफर होंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक की एक कोर्ट ने बुधवार को रेनुकास्वामी हत्या मामले में आरोपियों की न्यायिक हिरासत नौ सितंबर तक बढ़ा दी। इन आरोपियों में अभिनेता दर्शन और उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा व अन्य शामिल हैं। दर्शन और पवित्रा सहित सभी 17 आरोपी बेंगलूरु और तुमकुरु की जेलों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मजिस्ट्रेट कोर्ट के सामने पेश हुए, क्योंकि बुधवार को उनकी न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी। पुलिस की रिमांड अपील पर न्यायिक हिरासत बढ़ाई गई है। 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने दर्शन को परप्पना अग्रहारा केंद्रीय जेल से बेल्लारी जेल में स्थानांतरिक करने की अनुमति दी। जेल के लॉन पर दर्शन और तीन अन्य लोगों की एक तस्वीर वायरल हो गई थी, जिसमें एक व्यक्ति आपराधिक रिकॉर्ड वाला भी था। यह तस्वीर रविवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई, जिससे विवाद पैदा हो गया। अदालत ने अन्य आरोपियों को राज्य की विभिन्न जेलों में स्थानांतरित करने की अनुमति दी है। तस्वीर में अभिनेता को आराम की मुद्रा में एक कुर्सी पर बैठे हुए देखा जा सकता है। उनके हाथ में एक सिगरेट और कॉफी मग है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर जेल से वीडियो कॉल पर किसी से बात करते हुए दर्शन का एक कथित वीडियो भी सामने आया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अन्य आरोपियों पवन, राघवेंद्र और नंदीश को मैसूरु जेल, जगदीश और लक्ष्मण को शिवमोग्गा जेल, धनराज को धारवाड़ जेल, विनय को विजयपुरा जेल, नागराज को कलबुर्गी, गुलबर्ग जेल और प्रदोश को बेलगावी जेल स्थानांतरित किया जाएगा। दर्शन को जेल में खास सुविधा देने के लिए सोमवार को परप्पना अग्रहारा जेल के मुख्य अधीक्षक सहित नौ जेल अधिकारियों को निलंबित किया गया। प्रारंभिक जांच के बाद यह कार्रवाई की गई। इसके साथ ही, दर्शन के खिलाफ जेल अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रेनुकास्वामी (33 वर्षीय) अभिनेता के फैन थे और उन्होंने पवित्रा गौड़ा को गंदे संदेश भेजे थे। जिससे गुस्से में आकर दर्शन ने कथित तौर पर रेनुकास्वामी की हत्या कर दी। रेनुकास्वामी का शव नौ जून को सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के पास एक नाली के पास पाया गया था। चित्रदुर्ग में दर्शन के फैन क्लब का एक सदस्य राघवेंद्र यह बहाना बनाकर रेनुकास्वामी को आर.आर.नगर में एक शेड में बुलाया कि अभिनेता उससे मिलना चाहते हैं। इसी शेड में कथित तौर पर पर उसकी हत्या की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, रेनुकास्वामी चित्रदुर्ग का रहने वाला था। कई चोटों के कारण उसकी मौत हुई। पुलिस सूत्रों ने कहा कि रेनुकास्वामी की हत्या के मामले में पवित्रा भी एक आरोपी हैं। उन्होंने दावा किया जांच में यह साबित हो गया है कि उन्होंने रेनुकास्वामी की हत्या के लिए उकसाया और साजिश रची और अपराध में शामिल हुई।

एक प्रभावशाली मंत्री के निर्देश पर अभिनेता दर्शन को जेल में शाही आतिथ्य मिला?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कथित तौर पर एक प्रभावशाली मंत्री के निर्देश पर, अभिनेता दर्शन को अग्रहारा सेंट्रल जेल में अधिकारियों द्वारा शाही आतिथ्य दिया गया। मालूम हो कि इस प्रभावशाली मंत्री ने मौखिक रूप से जेल अधिकारियों को दर्शन की अच्छी देखभाल करने की जानकारी दी थी। इस पृष्ठभूमि में, अब यह खुलासा हुआ है कि दर्शन को जेल अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा अधिक विशेषाधिकार दिए गए हैं। जेल के अंदर कैदियों और विचाराधीन कैदियों को कोई भी सामग्री देने के लिए जेल के उच्च अधिकारियों की अनुमति की आवश्यकता होती है। बिस्तर, सोफा जैसी कोई भी वस्तु उपलब्ध कराने के लिए अनुमति आवश्यक है। इन्हें केवल डॉक्टर द्वारा निर्धारित किए जाने पर ही दिया जाना चाहिए। अन्यथा विचाराधीन बंदियों को गाइडलाइन के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। दर्शन के शाही आतिथ्य की फोटो वायरल होते ही जेल अधिकारी और कर्मचारी समेत 9 लोगों का सिर कलम हो चुका है। चित्रदुर्गा रेणुकास्वामी हत्या मामला सामने आने के बाद जब कामाक्षीपाल्या पुलिस स्टेशन ने जांच की और अभिनेता दर्शन को गिरफ्तार किया, तो इस प्रभावशाली मंत्री ने दर्शन को इस मामले से बचाने की बहुत कोशिश की। सूत्रों के अनुसार मंत्री ने दर्शन को मामले से हटाने के लिए मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों पर दबाव डाला था। आखिरकार ये मंत्री मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के घर गए और उनसे गुहार लगाई। साथ ही लगातार मंत्री ने जेल अधिकारियों पर दबाव डाला और दर्शन को शाही दर्जा दिलाने में सफल रहे। इस मामले के सामने आने के बाद अब ये मंत्री मुश्किल में फंस गए हैं।

तटीय क्षेत्र में मानसून की तीव्रता में आई कमी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तटीय क्षेत्र में मानसून की बारिश की तीव्रता पिछले दो सप्ताह में कम हो गई है, अब बारिश जुड़वां जिलों के कुछ खास स्थानीय क्षेत्रों तक ही सीमित है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह इस साल मानसून के मौसम के खत्म होने का संकेत है। इस साल मानसून का मौसम काफी छोटा रहा है, कुछ इलाकों में बारिश हुई है जबकि कुछ इलाकों में धूप खिली है। कुछ गांवों में भारी बारिश हो सकती है जबकि दूसरे हिस्से में आसमान साफ रहेगा। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर बारिश का यह सिलसिला मौसम के मिजाज में आए महत्वपूर्ण बदलाव की वजह से हो रहा है। फिलहाल, मध्य प्रदेश और गुजरात में कम दबाव के सिस्टम की वजह से तटीय कर्नाटक में कम बारिश हो रही है। इसके अलावा, 28 अगस्त को अरब सागर में कम दबाव के संकेत मिलने से मानसून के और कमजोर होने की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञ साईशेखर के मुताबिक, इसके बाद बारिश छिटपुट हो जाएगी और मानसून पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। इस साल जून में कर्नाटक में मानसून ने प्रवेश किया, सोमालियाई लहरों के कारण 15 जुलाई तक बारिश हुई। उसके बाद से 15 अगस्त तक मानसून की बारिश जारी रही, लेकिन उसके बाद से केवल स्थानीय स्तर पर ही बारिश हुई है, जिसके साथ गरज के साथ बारिश हुई है। अगर इस साल मानसून सामान्य से पहले कमजोर पड़ता है, तो बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में चक्रवातों और कम दबाव वाली प्रणालियों के कारण कभी-कभार बारिश हो सकती है। ये बदलाव धूप और तापमान में भी बदलाव के रूप में दिखाई देते हैं। मौसम विशेषज्ञ बताते हैं कि अब मौसम हर 40 किलोमीटर पर बदल रहा है, जिसे स्थानीय प्रभाव के रूप में जाना जाता है। अधिक नमी वाले क्षेत्रों में बादल अधिक आसानी से बनते हैं, जिससे बारिश होती है, जबकि कम नमी वाले आस-पास के क्षेत्र शुष्क रहते हैं।

दूषित पानी के कारण उल्टी-दस्त से 11 लोग बीमार, दो की मौत

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के केआर पेट तालुक के संथेबचहल्ली में मरेनहल्ली में संदिग्ध जल संदूषण के कारण दो लोगों की मौत हो गई और उल्टी-दस्त की शिकायत करने वाले ग्यारह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब तक हासन के जिला अस्पताल और चन्नारायपटना के तालुक अस्पताल में 11 लोगों का इलाज किया गया है, जिनमें से पांच को छुट्टी दे दी गई है। हासन जिला अस्पताल में गहन चिकित्सा इकाई में दो लोगों का इलाज किया जा रहा है। लगभग पांच दिन पहले एक सौ वर्षीय महिला, जवरम्मा और उनकी रिश्तेदार कलम्मा (70) की मौत हो गई थी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनकी मौत दूषित पानी पीने के कारण हुई है।

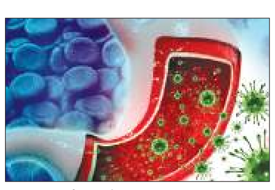

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मोहन, जिन्होंने बुधवार सुबह गांव का दौरा किया, ने कहा कि हालांकि संदेह है कि दूषित पानी उल्टी और दस्त का कारण है, लेकिन इसकी पुष्टि होना अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि पानी के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और रिपोर्ट आने के बाद ही सही कारण पता चलेगा।

अधिकारी ने कहा इस बीच, हम यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या उन्होंने बाहर से लाया हुआ खाना खाया था या किसी समारोह में शामिल हुए थे। सौ वर्षीय महिला को उल्टी की शिकायत थी, लेकिन उसे हृदय संबंधी समस्याएं भी थीं और उसकी मौत हृदय संबंधी समस्याओं के कारण हुई। अधिकारियों को संदेह है कि लोग वायरल डायरिया से पीड़ित हो सकते हैं, क्योंकि उनके परिवार के सदस्यों ने भी वही पानी पिया था, लेकिन उन्हें कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है।

सोगाने स्थित केंद्रीय कारागार की तलाशी

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। शिवमोग्गा पुलिस ने मंगलवार की रात को शिवमोग्गा के बाहरी इलाके में स्थित सोगाने स्थित केंद्रीय कारागार की तलाशी ली। यह छापेमारी बेंगलूरु स्थित केंद्रीय कारागार में फिल्म अभिनेता दर्शन और कुछ अन्य कैदियों को तरजीह दिए जाने के आरोपों के मद्देनजर की गई। पुलिस अधीक्षक जी.के. मिथुन कुमार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार भूमरेड्डी की अगुआई में 100 से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने छापेमारी की। कर्मचारियों ने जेल की सभी बैरकों में प्रतिबंधित वस्तुओं की तलाशी ली। तलाशी तीन घंटे से अधिक समय तक जारी रही। एसपी ने जेल कर्मचारियों को नियमों का सख्ती से पालन करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कैदियों को कोई भी प्रतिबंधित वस्तु न मिले।

एमएलसी के आवास पर पथराव की घटना के सिलसिले में दो गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एमएलसी इवान डिसूजा के आवास पर हाल ही में हुई पथराव की घटना के सिलसिले में, दक्षिण पुलिस स्टेशन ने एक प्राथमिकी दर्ज की थी और एसीपी सेंट्रल के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया था। टीम ने सीसीटीवी फुटेज की सावधानीपूर्वक समीक्षा की, वाहन के विवरण की पुष्टि की और अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी एकत्र की। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, दो व्यक्तियों, भरत उर्फ यक्षित (24) और दिनेश कुर्थामोगेरु (20) को गिरफ्तार किया गया। नारायण कोडी हाउस, बोलंतूर गांव, बंटवाल तालुक का भरत ड्राइवर के रूप में काम करता है और उसके खिलाफ पहले भी मारपीट के तीन मामले दर्ज हैं। बंटवाल तालुक के कोलनाडु गांव के पार्थिपडी हाउस का दिनेश कन्याना में वित्त संग्रह का काम करता है और उसके खिलाफ पहले भी मारपीट का एक मामला दर्ज है। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया और इवान डिसूजा द्वारा दिए गए बयानों से गुस्सा होने को अपना मकसद बताया। उन्होंने बताया कि फ्रिश क्राउन होटल में रात्रि 9:30 बजे के आसपास खाना खाने के बाद उन्होंने अचानक इवान डिसूजा के घर पर पत्थर फेंकने का निर्णय लिया। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल रिकॉर्ड के माध्यम से उनकी गतिविधियों के सत्यापन सहित आगे की जांच ने घटना में उनकी संलिप्तता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि की है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जांच जारी है और आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

घाटप्रभा नदी के कारण आ रही बाढ़ का करेंगे स्थायी समाधान: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि वह संबंधित विभाग के मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे और हर साल घाटप्रभा नदी की बाढ़ से होने वाले नुकसान के संबंध में तत्काल कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कृष्णा में उनसे मिले मुधोल तालुक के किसानों के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा की और कहा कि जल्द से जल्द सिंचाई मंत्री, राजस्व मंत्री और लोक निर्माण विभाग मंत्री के साथ बैठक की जाएगी और इस संबंध में उचित निर्णय लिया जाएगा। घाटप्रभा नदी की बाढ़ के कारण पिछले चार वर्षों के दौरान कुल 34639 हेक्टेयर फसल को नुकसान हुआ है। जिसमें 2019 में 15088 हेक्टेयर, 2021 में 7051 हेक्टेयर और 2024 में 12500 हेक्टेयर शामिल है। किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध किया कि उचित फसल मुआवजा और स्थायी मुआवजा प्रदान किया जाए।

सिंचित गन्ने की फसल के लिए केन्द्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार मुआवजे के रूप में प्रति हेक्टेयर 22,500 रुपये, जबकि अन्य फसलों के लिए 17000 तय है। इससे किसानों को किसी भी प्रकार का लाभ नहीं होगा। कर्नाटक कृषि विश्वविद्यालय में पहले से ही गन्ने की खेती की लागत 1.50 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर है। यह भी अवैज्ञानिक है। यह अन्य राज्यों की तुलना में न्यूनतम है जहां प्रति एकड़ गन्ने की फसल 1 लाख और अन्य फसलों के लिए 50 हजार रुपये का मुआवजा है। किसानों ने प्रार्थना पत्र दिया कि एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ के नियमों को ध्यान में रखे बिना सभी क्षतिग्रस्त खेतों का मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर उत्पाद शुल्क मंत्री आर. बी. थिम्मापुरा और अन्य उपस्थित थे।

राज्यपाल से मिला खागा प्रतिनिधिमंडल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। खागा ने राज्यपाल को कर्नाटक के वस्त्र एवं गारमेंट उद्योग से जुड़ी जानकारी विस्तृत में साझा की। राज्यपाल ने खागा प्रतिनिधिमंडल से भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को और अधिक बढ़ावा देने में सहयोग हेतु इससे संबंधित वस्त्रों के निर्माण पर जोर देने की बात कही। उन्होंने यहां पर अन्य राज्यों से आकर उद्योग जगत में कर्नाटक का नाम रोशन करने के लिए व्यापारियों की प्रशंसा की। उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ सामंजस्य और भाईचारे के साथ रहने व विभिन्न परिस्थितियों में उनका सहयोग करने के लिए व्यापारियों की प्रशंसा की। इस अवसर पर खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, सचिव कैलाश बालर, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, जो-गेश जैन व पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ कृष्ण जन्मोत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरटी नगर स्थित श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद, महिला मंडल द्वारा कृष्ण जन्मोत्सव बिहार भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। परिषद सचिव पंडित राजगुरु ने भगवान श्री कृष्णा का पूजन -अर्चन करवाया। अजय सिंह एवं श्रेया सिंह द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया, जिसमें भक्तों को भगवान कृष्णा का भजन -कीर्तन सुनाया गया। बच्चों द्वारा भगवान कृष्णा के स्वरूप की झांकियां प्रस्तुत की गई। भगवान को 56 प्रकार का भोग लगाया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रीतिभोज हुआ। इस कार्यक्रम में परिषद अध्यक्ष एस के उपाध्याय, संयोजक हरिश्चंद्र झा, उदय कुमार, राजेश्वर सिंह, राम लखन सिंह, हीरा झा, मिंटू दुबे, शीला देवी, कांति देवी, उषा झा, डेजी शर्मा, अमिता झा, सुचित्रा मिश्रा, निधि श्रीवास्तव, बिन्दु देवी, अपर्णा शर्मा, अर्पणा झा, डॉक्टर अर्चना झा इत्यादि गणमान्य लोक उपस्थित थे। राहुल कीर्ति इंटीरियर, दीपेश कुमार, रवि रंजन एवं श्रेया सिंह को सम्मानित किया गया।

कांग्रेस को है डीबीसी पर भरोसा: डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

एक और जमीन घोटाला सामने आया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जहां डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के भरोसे है, वहीं कांग्रेसी डीबीसी (डायरेक्ट बेनिफिट टू कांग्रेस) के भरोसे हैं। दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा भारत की डिजिटल राजधानी बेंगलूरु में ई-एक्शन (ई-नीलामी) क्यों नहीं हो रही है? डीबीटी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लागू किया था। वह ई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी वजह यह है कि उन्हें डीबीसी पर भरोसा है। इसी वजह से कर्नाटक सरकार ई-एक्शन (ई-एलाम) करने के लिए आगे नहीं आई। उन्होंने कहा कि मुडा घोटाला और वाल्मीकि निगम घोटाले के बाद कर्नाटक में एक और जमीन घोटाला सामने आया है। इस घोटाले के सामने आने के बाद सिद्धरामैया दिल्ली आए थे। मल्लिकार्जुन खड़गे बेंगलूरु के लिए रवाना हो गए थे। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि मैं यह आप पर छोड़ता हूं कि कौन किसकी रक्षा के लिए आगे बढ़ा और कौन किससे दूर चला गया। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद नए भ्रष्टाचार घोटाले सामने आए हैं। सबसे पहले, अनुसूचित जाति और जनजाति से संबंधित वाल्मीकि निगम के भ्रष्टाचार का पता चलता है। यहां सीधे तौर पर राहुल गांधी की सरकार है जो जातिगत सर्वे कराने पर जोर देती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत की केंद्र सरकार वो नहीं है। ये गाड़ियां वल्मीकि कॉर्पोरेशन के आदेश पर खरीदी गई थीं। सामान भी खरीदा गया। शुरुआत में इससे इनकार कर दिया गया था। बाद में मुख्यमंत्री ने खुद इस बात को स्वीकार किया। तब मैसूरु विकास प्राधिकरण (मुडा) प्लॉट घोटाला सामने आया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के परिवार ने शिकायत की थी और राज्यपाल ने मामले की जांच की अनुमति दी थी। हाईटेक पार्क में भूमि आवंटन किया जाए। 14 फरवरी 2024 को कर्नाटक सरकार के समाज कल्याण विभाग ने निर्धारित स्थान आवंटित करने के लिए पत्र लिखा था। लेकिन, उन्होंने विभाग को जगह न देकर किसी और को जगह आवंटित कर दी है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यहां कांग्रेस का कल्याण और परिवार का कल्याण महत्वपूर्ण है। इस जगह को लेकर सरकार के एक ताकतवर शख्स कांग्रेस अध्यक्ष और उनके परिवार का नाम सामने आया है। हम बेंगलूरु को देश की हाई-टेक राजधानी मानते हैं। इसे बुद्धिमानों की राजधानी भी कहा जा सकता है। यह एक नमूना क्षेत्र है।

जोशुआ प्रोजेक्ट के नाम पर ईसाई बनाने का धंधा

आदिवासी समाज को तेजी से बना रहे ईसाई

आदिवासियों की ही जमीन पर बन रहे हैं चर्च

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में हिंदू जनजातीय जनसंख्या को तेजी से ईसाई बनाने का षड्यंत्र चल रहा है। ईसाई बनने के कारण जनजातीय लोगों का आरक्षण का लाभ ना चला जाए, इसके लिए उन्हें क्रिप्टो क्रिश्चियन बनाया जा रहा है। चर्चों को भी गांव-गांव फैलाया जा रहा है। इन सबके लिए वैध-अवैध तरीकों का इस्तेमाल हो रहा है।

जोशुआ प्रोजेक्ट के तहत भारत में जोरशोर से उन जातियों और जनजातियों तक ईसाई मिशनरियां पहुंच रही हैं जो अब तक धर्मांतरित नहीं हुए हैं। उनका सबसे पहला निशाना देश की जनजातीय जनसंख्या बन रही है। इसके पीछे का कारण जनजातीय समाज का आर्थिक पिछड़ापन बड़ा कारण है। साथ ही इन समूहों में शिक्षा की कमी के कारण इन्हें बरगलाना भी आसान है। जनजातीय समुदाय को सिर्फ यह ईसाई मिशनरियां धर्मांतरित ही नहीं कर रहीं बल्कि उनके संसाधनों पर भी इनकी नजर है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओड़ीशा जैसे जनजातीय आबादी वाले राज्यों में जनजातीय लोगों को धर्मांतरित कर उनकी जमीन पर चर्च बनाए जा रहे हैं।

2011-12 में इन चारों राज्यों में लगभग 12,000 चर्च थे जो कि अब बढ़ कर 25,000 पार कर चुके हैं। यह सब उन इलाकों में हो रहा है जहां को बाहरी व्यक्ति जमीन तक नहीं ले सकता। लेकिन मिशनरियां लगातार अपना प्रभाव बढ़ा रही हैं। जनजातीय समाज के लोगों को आरक्षण का लाभ मिलता रहे, इसके लिए उन्हें धर्मान्तरित तो कराया जाता है, लेकिन उनके नाम में कोई परिवर्तन नहीं किया जाता। इन्हें क्रिप्टो क्रिश्चियन कहा जाता है। इसके अलावा उन्हें अपने मूल धर्म और मान्यताओं से नफरत करना भी सिखाया जाता है।

जनजातीय लोगों को ईसाईयत में लाकर वह सरना पेड़ काटने को कहा जाता है, जो उनके लिए पवित्र है। ईसाई धर्मांतरण का जोर इतना है कि पूरे-पूरे गांव ही धर्मांतरित हो चुके हैं। कुछ गांवों में मात्र एकाध हिंदू परिवार बचे हैं। जिन गांवों में ईसाई मिशनरी अपने काम में सफल हो रही हैं, उनके

बाहर क्रॉस लगा दिया गया है। बड़े पैमाने पर ईसाई बनाने के इस काम में जोशुआ प्रोजेक्ट बड़ी भूमिका निभा रहा है। अमेरिका से चलने वाला यह संगठन भारत की जातियों-जनजातियों और अन्य समूहों के आंकड़े इकट्ठा करके उनको ईसाई बनाने का प्रयास कर रहा है। जोशुआ प्रोजेक्ट ने भारत में 2000 से अधिक जातियों और समुदायों के आंकड़े इकट्ठा किए हैं।

जोशुआ प्रोजेक्ट आदिवासियों को ईसाई बनाने का मिशन है। यह संगठन अमेरिका से मिले निर्देश पर काम करता है। इसे 1995 में चालू किया गया था। जोशुआ प्रोजेक्ट की वेबसाइट बताती है कि यह बाइबल में दिए गए निर्देश पर काम करता है। जोशुआ का कहना है कि बाइबल के मैथ्यू 28:19 में उन्हें विश्व के अलग-अलग हिस्सों में लोगों को ईसाईयत का अनुयायी बना कर उनका बाप्तिस्मा बनाने का आदेश मिला है, जिस पर वह काम कर रहे हैं।

जोशुआ प्रोजेक्ट का मुख्य काम उन समूह के आंकड़े इकट्ठा करना है, जिनमें अभी तक ईसाईयत का प्रभाव नहीं हुआ है। जोशुआ प्रोजेक्ट को इसके लिए अमेरिका और कुछ अन्य देशों से पैसा आता है। जानकारों का यह भी कहना है कि कुछ गुप्त स्रोतों से भी धन मिल रहा है। हालांकि जोशुआ प्रोजेक्ट अपनी वेबसाइट पर ईसाईयत को बढ़ाने के लिए दान भी मांगता है। जोशुआ प्रोजेक्ट ने एक नक्शा बनाया है, जो बताता है कि देश के किस हिस्से में कितने लोग अभी ईसाईयत से वंचित हैं।

जोशुआ प्रोजेक्ट ने भारत की अलग-अलग जातियों और जनजातीय समूहों के आंकड़े इकट्ठा किए हैं। जोशुआ प्रोजेक्ट के पास देश की 2272 जातियों-जनजातियों के आंकड़े हैं।

जोशुआ प्रोजेक्ट अपने काम को पांच स्तर पर मापता है। जिन जातियों में ईसाईयत में धर्मांतरण नहीं हो पाया है, उन्हें जोशुआ अनरीचड के वर्ग में रखता है। इसके अलावा जिन जातियों-जनजातियों को में ईसाईयत को फैलाने में आंशिक सफलता मिली है, उन्हें मिनिमम रीच्ड वर्ग और उसके ऊपर सुपरफिशियली रीच्ड को रखा जाता है। इसके अलावा भी दो वर्ग हैं।

जोशुआ प्रोजेक्ट को लेकर बताया गया कि यह मिशन देशभर में हर जाति समूह को ईसाईयत में लाने के लिए एक एजेंट की नियुक्ति कर रहा है। यह एजेंट धर्मांतरण के साथ ही जगह-जगह नए चर्च बनाने का काम कर रहे हैं। को ऐसा ही एक एजेंट भी मिला है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जोशुआ प्रोजेक्ट इन एजेंटों को लम्बी ट्रेनिंग के बाद जमीन पर उतारता है। इनका मुख्य काम जगह-जगह जाकर आंकड़े इकट्ठा करना होना है। इन्हे जोशुआ प्रोजेक्ट की तरफ से लगभग 2000 की तनख्वाह भी मिलती है।

जोशुआ प्रोजेक्ट की वेबसाइट के अनुसार, उन्हें भारत में 2272 समूहों तक ईसाईयत को लेकर जाना है। जोशुआ प्रोजेक्ट बताता है कि वह इनमें से अभी 2041 जातियों तक नहीं पहुंच सका है। वहीं 103 जातियों में ईसाईयत का प्रभाव डालने में यह सफल रहा है।

इनमें एक छोटी संख्या में लोग ईसाईयत को मानने लगे हैं। वहीं 128 जाति समूह ऐसे हैं, जिनमे बड़े पैमाने पर ईसाईयत की घुसपैठ हो गई है। जोशुआ प्रोजेक्ट की वेबसाइट ने बताया है कि वह अब तक 143 करोड़ में से 6 करोड़ लोगों तक ईसाईयत को लेकर पहुंच चुके हैं।

जोशुआ प्रोजेक्ट का डाटा बताता है कि उसने कई जातियों में 10%-100% तक ईसाईयत में धर्मांतरण करवाया है। जिन जातियों में बड़ी संख्या में ईसाईयत में धर्मांतरण हुआ है, उनको अलग नाम दे दिया गया है। तेलंगाना के मडिगा और माला समुदाय में 21000 की आबादी को ईसाईयत में बदल कर उसे आदि क्रिश्चियन का नाम दिया गया है। बोडो समुदाय की 15.7 लाख आबादी में से लगभग 1.5 लाख आबादी को ईसाईयत में लाया गया गया है।

जोशुआ प्रोजेक्ट की इतनी बड़ी मशीनरी लगातार भारत में चल रही है। इसको खाद-पानी भी मिल रहा है। कई बार ऐसे ईसाई प्रचारक पकड़े गए हैं, जो ईसाईयत में लोगों को लाने के लिए उन्हें प्रलोभन दे रहे थे। ऐसा ही एक मामला हाल ही में मध्य प्रदेश में सामने आया था, जहां ईसाईयत में धर्मान्तरित होने पर लगभग 20 लाख रुपए तक का ऑफर दिया गया था। इसी तरह बरेली में भी ईसाई धर्म प्रचारकों द्वारा हिंदू नाबालिगों को निशाना बनाने की बात सामने आई थी। कई लोगों पर कार्रवाई के बाद भी यह नेटवर्क लगातार चलता रहता है।

हाईकोर्ट ने लगाई पंजाब सरकार को फटकार

मुआवजा लेकर जमीन नहीं देने वालों पर सख्त कार्रवाई का आदेश

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जमीन पर कब्जा न मिलने की वजह से नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के रुके प्रोजेक्टों को लेकर पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को कड़ी फटकार लगाई। हाईकोर्ट ने डीजीपी को आदेश दिया कि जो लोग मुआवजा लेने के बावजूद जमीन पर कब्जा लेने में बाधा बन रहे हैं उनके खिलाफ सख्ती से निपटने की व्यवस्था करें। हाईकोर्ट ने दो सप्ताह के भीतर कब्जा दिलाने से जुड़ी रिपोर्ट सौंपने का मुख्य सचिव को निर्देश दिया है।

एनएचएआई ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए भारतमाला परियोजना के तहत मेमदपुर (अंबाला)-बनूड़ (आईटी सिटी चौक)-खरड़ (चंडीगढ़) गलियारे के लिए भूमि के संबंध में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को चुनौती दी थी। बताया था कि भूमि न मिलने से दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे, लुधियाना रूपनगर से खरड़ हाईवे व लुधियाना-बठिंडा हाईवे का कार्य लंबित हैं। हाईकोर्ट ने गत वर्ष अक्तूबर में आदेश दिया था कि एनएचएआई संबंधित अधिकारी को अधूरी/लंबित परियोजनाओं की सूची उपलब्ध कराए और मुख्य सचिव सक्षम प्राधिकारी को एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश जारी करें।

इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि दो महीने के भीतर जमीन का कब्जा एनएचएआई को दिलाया जाए।

अब हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर एनएचएआई ने बताया है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद पंजाब में भूमि का कब्जा नहीं दिलाया जा रहा है। हाईकोर्ट को बताया गया कि 34193 करोड़ की लागत के 897 किलोमीटर दूरी वाले 26 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के लिए अभी तक 100 प्रतिशत भूमि का कब्जा नहीं मिला है। साथ ही 13190 करोड़ की लागत वाले 391 किलोमीटर के 10 राष्ट्रीय राजमार्ग प्रोजेक्ट के लिए अभी 80 प्रतिशत भूमि प्राप्त नहीं हुई है। भूमि की अनुपलब्धता के कारण कुछ अनुबंध रद्द भी करने पड़े हैं और इसके लिए ठेकेदार को ठेके की राशि का एक प्रतिशत भुगतान भी करना पड़ा है। इसके साथ ही बहुत से ऐसे मामले हैं जिनके लिए भूमि मुआवजा तय किया जा चुका है और सरकार को 4104 करोड़ रुपए जमा करवाने के बावजूद भूमि का कब्जा नहीं दिया गया है।

अब इस मामले में हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए डीजीपी को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया है कि किसानों से भूमि का कब्जा एनएचएआई को दिलाया जाए। यदि कोई इस काम में बाधक बनता है तो उससे निपटने के लिए आवश्यक संसाधन मुहैया करवाए जाएं।

केंद्र ने राज्यों को दिए अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधा परिसरों में नियमित गश्त शुरू करने के निर्देश

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधा परिसरों में नियमित सुरक्षा कर्मियों की गश्त शुरु करने और प्रमुख स्थानों पर भारतीय न्याय संहिता में चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा से संबंधित प्रावधान प्रदर्शित करने के निर्देश दिये हैं।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने बुधवार को सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ एक ऑनलाइन बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सभी राज्यों को सभी अस्पताल और स्वास्थ्य सुविधा परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था की तुरंत समीक्षा करनी चाहिए और इसे मजबूत करने के कदम उठाने चाहिए। बैठक की अध्यक्षता गृह सचिव और स्वास्थ्य सचिव ने संयुक्त रुप से की।

बैठक में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक अतुल गोयल तथा

संबंधित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह बैठक कल हुई राष्ट्रीय कार्यबल की बैठक के बाद बुलाई गई है। बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों ने स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए उठायें गये कदमों की जानकारी दी। बैठक में बताया गया है कि 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा के लिए कानूनी व्यवस्था है। अन्य राज्यों से चिकित्सा समुदाय के लिए कानून बनाने का अनुरोध किया गया।

बैठक में कहा गया कि परिसरों को सुरक्षित बनाने और चिकित्सा कर्मियों को अनुकूल परिवेश उपलब्ध कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। स्वास्थ्य सुविधा परिसरों में चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा से संबंधित दिशा निर्देश और भारतीय न्याय संहिता के संबंधित प्रावधानों को प्रदर्शित करना चाहिए। इन प्रावधानों में उल्लंघन पर दंड और जुर्माने का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। ये निर्देश अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में लिखे जाने चाहिए। सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज में मुख्य सुरक्षा अधिकारी की नियुक्ति की जानी चाहिए। सरकारी अस्पतालों में काम करने वाले अनुबंधित तथा अंशकालिक कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन किया जाना चाहिए। जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक को सरकारी जिला अस्पतालों और मेडिकल कालेजों में सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करना चाहिए। बैठक में कहा गया कि सुरक्षा कर्मियों का प्रशिक्षण लगातार जारी रहना चाहिए। रोगी को अस्पताल के विभिन्न हिस्सों में ले जाने के लिए सहायकों की संख्या बढाई जानी चाहिए। अस्पतालों में अस्पताल सुरक्षा समिति और हिंसा निरोधक समिति का गठन किया जाना चाहिए और इसमें वरिष्ठ चिकित्सकों और प्रशासनिक अधिकारियों को शामिल किया जाना चाहिए। यह समिति अस्पताल में सुरक्षा नीति बनाने और सुरक्षात्मक उपाय लागू करने के लिए जिम्मेदार होगी। अस्पताल के प्रमुख क्षेत्रों में आम जनता और रोगी के रिश्तेदारों के प्रवेश के लिए नियम बनायें जाने चाहिए और प्रवेश के लिए प्रवेश पत्र व्यवस्था लागू करनी चाहिए।

रात्रि पाली में काम करने वाले चिकित्सकों और नर्स तथा अन्य कर्मियों के लिए अस्पताल के विभिन्न विभागों में आवागमन को सुरक्षित बनाया जाना चाहिए और छात्रावास के रास्तों तथा अन्य क्षेत्रों में प्रकाश की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। रात्रि में अस्पताल के सभी भागों में नियमित गश्त की व्यवस्था की जानी चाहिए। अस्पतालों में 24 घंटे के लिए सुरक्षा नियंत्रण कक्ष बनाया जाना चाहिए और निकटतम थाना से संपर्क रखा जाना चाहिए। अस्पताल में यौन प्रताडना पर आंतरिक समिति का गठन किया जाना चाहिए। अस्पताल में सीसीटीवी की व्यवस्था की जानी चाहिए और उनके कामकाज की नियमित समीक्षा की जानी चाहिए।

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारों से जुड़े 12 नए स्मार्ट औद्योगिक शहरों का होगा विकास

इनमें तेलंगाना का जहीराबाद एवं आंध्र प्रदेश में ओरवाकल और कोप्पर्थी भी शामिल

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा परियोजनाओं से जुड़े विभिन्न राज्यों में चिह्नित जगहों पर 28,602 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 12 स्मार्ट औद्योगिक नोड/नगर विकास परियोजनाओं के विकास के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दी।

ये परियोजनाएं 10 राज्यों में फैले और रणनीतिक रूप से नियोजित छह प्रमुख गलियारों के साथ जुड़ी होगी। इनमें से 11 औद्योगिक नोड और गलियारे जहां स्थापित किए जाने हैं वे है औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड में खुरपिया, पंजाब में राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र में दिघी, केरल में पलक्कड़, उत्तर प्रदेश में आगरा और प्रयागराज, बिहार में गया, तेलंगाना में जहीराबाद, आंध्र प्रदेश में ओरवाकल और कोप्पर्थी और राजस्थान में जोधपुर-पाली में विकसित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल और सीसीईए के निर्णयों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण एवं रेल मंत्री अश्विनी वैषणव ने कहा कि वह एक राज्य में आदर्श चुनाव आचार संहिता के कारण एक परियोजना की घोषणा अभी नहीं कर रहे हैं। श्री वैष्णव ने कहा कि ये परियोजनाएं भारी निवेश आकर्षित करेंगी, इनसे देश की औद्योगिक वृद्धि तेज होगी, विनिर्माण गतिविधियां बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के पूरा होने पर

10 लाख प्रत्यक्ष और 30 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है।

श्री वैष्णव ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में तीनगुना गति से काम करने का निर्णय लिया है और पिछले तीन महीने में बुनियादी ढांचा विकास की दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी है। देश जल्द ही स्वर्णिम चतुर्भुज के आधार पर औद्योगिक स्मार्ट शहरों की एक भव्य श्रृंखला स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का प्रस्ताव पीएम गतिशिक्त पोर्टल की मदद से तय किया गया है जिनमें संबंधित राज्य सरकारों के प्रस्ताव भी शामिल हैं। इनमें प्लग-एन-प्ले और वॉक-टू-वर्क अवधारणाओं के साथ मांग से पहले विश्व स्तरीय ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में निवेश और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मजबूत, टिकाऊ बुनियादी ढांचा विकसित भारत के विजन के अनुरूप, ये परियोजनाएं निवेशकों के लिए उपलब्ध भूमि के साथ वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका को मजबूत करेंगी। सरकार द्वारा इन निर्णय के बारे में जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) को बड़े एंकर उद्योगों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) दोनों से निवेश की सुविधा प्रदान करके एक जीवंत औद्योगिक इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। ये औद्योगिक नोड 2030 तक दो लाख करोड़ डॉलर निर्यात प्राप्त करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगे, जो सरकार के आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी भारत के विजन को दर्शाता है।

पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप परियोजनाओं में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचा होगा, जो लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेगा। औद्योगिक शहरों को पूरे क्षेत्र के परिवर्तन के लिए विकास केन्द्र बनाने की परिकल्पना की गई है। श्री वैष्णव ने कहा कि ये परियोजनाए भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने में बुनियाद का काम करेंगीं।

उन्होंने कहा कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में भारत को एक मजबूत प्रतिस्पर्धी के रूप में स्थापित करके, एनआईसीडीपी आवंटन के लिए तत्काल उपलब्ध उन्नत विकसित भूमि प्रदान करेगा, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के लिए भारत में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करना आसान हो जाएगा। सरकार का कहना है कि ये औद्योगिक शहर गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय और टिकाऊ बुनियादी ढांचा प्रदान करके, सरकार का लक्ष्य ऐसे औद्योगिक शहर बनाना है जो न केवल आर्थिक गतिविधि के केंद्र हों, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के मॉडल भी हों।

पीएम जन-धन के 10 साल, 53 करोड़ खाते खोल किया कमाल: अनुराग

जन धन खातों में कुल जमा राशि दो लाख करोड़ को पार कर गई

शिमला, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रधानमंत्री जन धन योजना के 10 साल पूरे होने पर इस योजना को वित्तीय समावेशन की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम बताया है।

श्री ठाकुर ने कहा, एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत इस सोच के साथ करी कि भारत में हर व्यक्ति के पास अपना बैंक खाता हो जिस से प्रत्येक नागरिक बैंकिंग प्रणाली से जुड़ कर अपना जीवन सुगम बना सके। आज इस योजना के 10 साल पूरे होने पर इसकी लोकप्रियता ही इस योजना की सफलता का प्रमाण है। हांलाकि उस समय, कुछ लोगों ने इसे महज़ नौटंकी कहकर खारिज कर दिया था जबकि आज यह भारत के वित्तीय इतिहास में सबसे सफल पहलों में से एक है, जिसने वित्तीय समावेशन परिदृश्य को मौलिक रूप से नया आकार दिया है। पिछले दस वर्षों में 53 करोड़ से ज़्यादा बैंक खाते खोले गए हैं, यानी हर महीने औसतन 44 लाख नए खाते खोले गए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने पहली बार लाखों लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में शामिल किया है।

श्री ठाकुर ने कहा, जन धन खातों में कुल जमा राशि अब दो लाख करोड़ को पार कर गई है, जो लोगों का प्रधानमंत्री व उनकी योजना पर अटूट भरोसे को दर्शाता है। इन छोटी बचतों ने अनगिनत लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। ग्रामीण अर्ध शहरी भारत में इस योजना का प्रभाव विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहाँ 67 प्रतिशत खाते इन क्षेत्रों में हैं। इसने वंचितों को सशक्त बनाया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच अब दूर का सपना नहीं बल्कि सभी के लिए एक वास्तविकता है, चाहे उनकी सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। श्री ठाकुर ने कहा, वित्तीय समावेशन के इस बदलाव में महिलाएं सबसे आगे रही हैं ।

अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, तीन याचिकाएं दाखिल

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। 69000 शिक्षक भर्ती मामले में अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी पहले से कोर्ट पहुंचे हुए हैं। अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। अभ्यर्थियों ने हाल ही में आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दाखिल की है। उन्होंने इस मामले में अपना पक्ष सुनने के लिए अपील की है। दूसरी तरफ आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी लगातार ईको गार्डेन में धरने पर बैठे हैं। उन्होंने दो सितंबर को मुख्यमंत्री आवास के घेराव की घोषणा की है। अनारक्षित वर्ग की ओर से सुप्रीम कोर्ट में तीन याचिकाएं दाखिल की गई हैं। एक अभ्यर्थी की तरफ से तो दो चयनित अभ्यर्थी (शिक्षकों) की ओर से दाखिल की गई है। अभ्यर्थी विनय पांडेय ने बताया कि पूर्व में भी सुप्रीम कोर्ट ने एक ही भर्ती में दो बार आरक्षण न देने की बात कही है। हम इसे लेकर ही अपील कर रहे हैं कि एक ही भर्ती में कितने बार आाक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास होगा कि तीनों याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हो।

दूसरी तरफ 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी मंगलवार को भी ईको गार्डेन में धरने पर बैठे रहे। अभ्यर्थियों ने मांग की कि प्रदेश सरकार इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के आदेश का पालन करे। जिसके तहत सरकार को भर्ती की नई चयन सूची जारी करनी है। मगर अधिकारियों के ढीले रवैये के कारण अभी तक चयन सूची जारी नहीं की गई। इससे धरनारत आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों में बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के प्रति भारी आक्रोश है।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेन्द्र सिंह पटेल व विजय प्रताप यादव ने बताया कि दो सितंबर को ओबीसी, एससी अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री आवास घेरने व महाधरने का आह्वान किया है। वहीं विक्रम यादव, धनंजय गुप्ता व अन्नू पटेल ने बताया कि ओबीसी, एससी समाज के कई संगठनों ने भी उनका समर्थन किया है। इस मामले में नई सूची जारी होने तक उनका धरना, विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा।

69000 शिक्षक भर्ती के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी मंगलवार को महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा और संयुक्त निदेशक गणेश कुमार से मिले। विजय यादव के नेतृत्व में गए वीरेंद्र वीर, अमरेंद्र पटेल, यशवंत कुमार, कृष्ण चन्द्र व अवनीश कुमार ने बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों से हाईकोर्ट के फैसले को लागू करने की मांग की। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित केस के बारे में भी चर्चा की। विजय यादव ने बताया कि दोनों अधिकारियों से कुछ भी सकारात्मक जवाब नहीं मिला। न ही उनके पास कोई ठोस योजना है, जिससे वंचितों को नौकरी और जिनकी नौकरी लग चुकी है, उनकी नौकरी की सुरक्षा की जा सके।

69000 शिक्षक भर्ती में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा पूर्व में जारी की गई सूची रद्द करने के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अनारक्षित वर्ग के दो चयनित और एक अचयनित अभ्यर्थियों ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इससे पहले आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने इस मामले में कैविएट दाखिल कर रखी है।

बीते दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने आरक्षण नियमों का पालन न करने को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा जारी की गई चयन सूची रद्द कर दी थी और तीन महीने के भीतर नई सूची जारी करने का आदेश दिया था। इसके बाद से प्रदेश सरकार पर विपक्ष ने आरक्षण विरोधी होने के आरोप लगाए थे। इस पर योगी सरकार ने बयान जारी कर कहा था कि सरकार किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं होने देगी।

इसके पहले भी आरक्षित और अनारक्षित अभ्यर्थी हाईकोर्ट के आदेश को लेकर आमने सामने आ चुके हैं। 22 अगस्त को आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी बेसिक शिक्षा निदेशालय पर धरना दे रहे थे कि अनारक्षित अभ्यर्थी भी वहां पहुंच गए। दोनों पक्ष आमने-सामने धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। किसी विपरीत परिस्थिति से बचने के लिए पुलिस बीच में दीवार बनकर खड़ी रही। हालांकि, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा से वार्ता में आश्वासन के बाद अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों ने धरना समाप्त कर दिया था।

घर में करवाई कुरान ख्वानी फ्लैट को बना दिया मदरसा

गाजियाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में एक फ़्लैट के अंदर कुरानख्वानी किए जाने से विवाद खड़ा हो गया है। आसपास के लोगों ने आरोप लगाया है कि फ़्लैट के अंदर मदरसा बना दिया गया है। इस मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया वायरल हो रहा है जिसमें इस्लामी वेशभूषा में कई लोगों को एक जगह जमा देखा जा सकता है। एक सिक्योरिटी गार्ड की पिटाई भी की गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर के जांच शुरू कर दी है।

मामला गाजियाबाद जिले के थाना क्षेत्र क्रॉसिंग रिपब्लिक का है। चित्रवान सोसाइटी के एक फ़्लैट में स्थानीय लोगों का जमावड़ा होने लगा। लोगों का आरोप है कि सोसाइटी के एक मकान में मौलवियों को बुला कर बिना सरकारी अनुमति के मजहबी गतिविधियां करवाई जा रही हैं। कुछ ही देर में लोग उस फ्लैट के अंदर पहुंच गए जहां इस प्रकार की सूचना थी। अंदर इस्लामी वेशभूषा में कई लोग मौजूद थे जिसमें कुछ नाबालिग बच्चे भी थे।

इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वायरल वीडियो में फ़्लैट के अंदर मौजूद लोगों को चाय-नाश्ता लेते हुए देखा जा सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि फ्लैट को पूरी तरह से मदरसा बना दिया गया है। कुरानख्वानी के बाद जब वो लोग वापस लौट रहे थे तो उनको सोसाइटी के गार्ड ने रोक कर पूछताछ की। आरोप है कि इस बात पर वे भड़क गए और उन्होंने गार्ड की पिटाई कर दी। सिक्योरिटी गार्ड ने अपनी पिटाई करने वालों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर के जांच शुरू कर दी गई है। जिस महिला के फ्लैट में यह जमावड़ा लगा था उसकी मालकिन का कहना है कि उनकी बेटी लम्बे समय से बीमार थी। इसी बीमारी से निजात पाने के लिए उन्होंने घर में कुरान ख्वानी का कार्यक्रम रखा था। फिलहाल एसीपी वेबसिटी पूनम मिश्रा के मुताबिक पुलिस सभी पहलुओं की गहराई से छानबीन कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच में बाद आए निष्कर्ष से नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश डिजिटल मीडिया नीति मंजूर

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की तो उम्रकैद

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश डिजिटल मीडिया नीति-2024 को मंजूरी दे दी गई है। इसमें जहां सोशल मीडिया पर काम करने वाली एजेंसी व फर्म को विज्ञापन की व्यवस्था की गई है, वहीं अभद्र या राष्ट्र विरोधी पोस्ट डालने पर कानूनी कार्रवाई के प्रावधान भी किए गए हैं।

प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी, लाभकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी और उसके लाभ को लोगों तक डिजिटल व सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाने के लिए यह नीति लाई गई है। इसके तहत एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब पर प्रदेश सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित कंटेंट, वीडियो, ट्वीट, पोस्ट और रील को प्रदर्शित किए जाने के लिए इनसे संबंधित एजेंसी व फर्म को विज्ञापन देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे बड़ी संख्या में रोजगार मिल सकेगा।

इस नीति के तहत सूचीबद्ध होने के लिए एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब में से प्रत्येक को सब्सक्राइबर व फॉलोअर्स के आधार पर चार श्रेणियों में बांटा गया है। एक्स, फेसबुक व इंस्टाग्राम के एकाउंट होल्डर, संचालक, इन्फ्लूएंसर (प्रभाव रखने वाले) को भुगतान के लिए श्रेणीवार अधिकतम सीमा क्रमशः 5 लाख, 4 लाख, 3 लाख और 3 लाख रुपए प्रतिमाह निर्धारित की गई है। यू-ट्यूब पर वीडियो, शार्ट्स, पॉडकास्ट भुगतान के लिए श्रेणीवार अधिकतम सीमा क्रमशः 8 लाख, 7 लाख, 6 लाख और 4 लाख प्रतिमाह निर्धारित की गई है।

इस संबंध में नीति लाने के लिए लंबे समय से प्रयासरत निदेशक सूचना शिशिर (आईएएस) ने बताया कि पोस्ट किया गया कंटेंट अभद्र, अश्लील और राष्ट्र विरोधी नहीं होना चाहिए।

देश के 5 बड़े एयरपोर्ट्स पर होगा ब्रांड यूपी का प्रमोशन

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने अब यूपी को टूरिज्म के लिहाज से देश के मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन के तौर पर प्रोजेक्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के विभिन्न रेलवे स्टेशंस, बस टर्मिनल्स, एयरपोर्ट्स व मेजर फुटफॉल वाले डेस्टिनेशंस पर पहले से ही उत्तर प्रदेश के टूरिस्ट डेस्टिनेशंस को शोकेस किया ही जा रहा है, मगर अब इसे देश के अन्य बड़े एयरपोर्ट्स पर भी शोकेस करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सीएम योगी के विजन अनुसार, शुरुआत में अभी देश के 5 बड़े एयरपोर्ट्स पर ब्रांड यूपी के प्रमोशन की तैयारी की गई है जिसे आगे अन्य एयरपोर्ट्स पर भी सुविधा अनुसार बढ़ाया जा सकता है। योजना के अंतर्गत दिल्ली व मुंबई के इंटरनेशनल व डोमेस्टिक टर्मिनल्स के अराइवल व डिपार्चर सेक्शन समेत एयरपोर्ट के विभिन्न चिह्नित क्षेत्रों में बड़े डिस्प्ले बोर्ड्स के माध्यम से ब्रांड यूपी को प्रमोट किया जाएगा। यहां उत्तर प्रदेश के विभिन्न टूरिस्ट डेस्टिनेशंस और उत्तर प्रदेश के टूरिज्म परिदृश्य के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसी प्रकार, कोलकाता, कोयंबटूर व इंदौर के विभिन्न टर्मिनल्स पर भी ब्रांड यूपी के प्रमोशन को तरजीह दी जाएगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा इस प्रक्रिया की शुरुआत करते हुए इसे जल्द अमलीजामा पहनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध और विविध संस्कृति के साथ कई आयोजनों और त्यौहारों के लिए भी देश व दुनिया में प्रसिद्ध है। ऐसे में, ब्रांडिंग इनीशिएटिव्स के माध्यम से, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग जीवंत शहरों, आकर्षणों, प्रकृति, वन्य जीवन, एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशंस, भोजन, विरासत, धर्म और संस्कृति का प्रमोशन कर प्रदेश को भारत में एक पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग का राज्य की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूप से रोजगार सृजन में पर्यटन का योगदान राज्य के लिए अत्यधिक महत्व रखता है। यह प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर्यटन क्षेत्र के महत्व को अच्छे से समझती है और इसी कारण उसने पहले ही पर्यटन को प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। ऐसे में, सीएम योगी के विजन अनुसार इस क्षेत्र की अनंत संभावनाओं को पहचानकर राज्य को एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण बनाने के लिए रणनीतिक और संगठित प्रयास के तौर पर इस पहल को आगे बढ़ाया जा रहा है।

सीएम योगी के विजन अनुसार, दिल्ली के टी-3 डोमेस्टिक अराइवल व डोमेस्टिक डिपार्चर पर विभिन्न प्रकार के 6060 डिस्प्ले सिस्टम, टी-3 के इंटरनेशनल अराइवल व डिपार्चर पर विभिन्न प्रकार के 40 व 25 डिस्प्ले सिस्टम, दिल्ली के टी-2 डोमेस्टिक अराइवल व डिपार्चर पर 28 डिस्प्ले सिस्टम तथा टी1 के डोमेस्टिक डिपार्चर पर 32 डिस्प्ले सिस्टम का संचालन किया जाएगा। इसी प्रकार, कोलकाता के एयरपोर्ट पर डोमेस्टिक अराइवल टर्मिनल पर 15 डिस्प्ले सिस्टम तथा डिपार्चर समेत विभिन्न चिह्नित क्षेत्रों पर 58 स्क्रीन्स का संचालन किया जाएगा। कोयंबटूर के अराइवल, बैगेज क्लेम, डिपार्चर, एसएचए हॉल व फर्स्ट फ्लोर पर कुल 20 डिस्प्ले सिस्टम की स्थापना व संचालन का कार्य होगा। जबकि, इंदौर एयरपोर्ट के डिपार्चर व अराइवल, बस गेट व रेंटल एरिया में 36 डिस्प्ले स्क्रीन्स की स्थापना व संचालन होगा। इसी प्रकार, मुंबई के टी-2 के डोमेस्टिक व इंटरनेशनल अराइवल टर्मिनल पर 56, डोमेस्टिक डिपार्चर पर 58 तथा इंटरनेशनल डिपार्चर टर्मिनल्स पर 40 डिस्प्ले सिस्टम की स्थापना व संचालन प्रक्रिया के जरिए ब्रांड यूपी को प्रमोट किया जाएगा। इन सभी कार्यों को एजेंसी के माध्यम से पूरा किया जाएगा जिसकी नियुक्ति व कार्यावंटन की प्रक्रिया उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने शुरू कर दी है।

जाकिर ने जैकी बन कर हिंदू लड़की को फंसाया

बलात्कार के बाद मुसलमान बनने की दे रहा धमकी

शामली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शामली जिले से लव जेहाद का मामला सामने आया है। यहां एक मुस्लिम युवक ने नाम बदल कर हिंदू लड़की को अपने जाल में फंसा कर रेप किया। आरोपी का नाम जाकिर है जिसने पीड़िता का अश्लील वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल किया। बाद में जाकिर पीड़िता पर इस्लाम कबूल करने का भी दबाव बनाने लगा। इन्कार करने पर पीड़िता और उसके परिवार को जान से मार डालने की धमकी दी गई। इस करतूत में जाकिर की बहन, भाई और मां भी शामिल है। पुलिस ने केस दर्ज कर के जांच शुरू कर दी है।

यह घटना शामली जिले के थाना क्षेत्र झिंझाना की है। यहां शनिवार को पीड़िता ने शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में उसने बताया कि वो दिल्ली के शाहदरा इलाके में पढ़ाई करती है। कभी-कभार दिल्ली से घर आने के लिए पीड़िता ट्रेन पकड़ती थी। कुछ महीने पहले इसी ट्रेन में पीड़िता की मुलाकात बागपत के रहने वाले जाकिर अंसारी से हुई। शुरुआत में जाकिर ने खुद को हिंदू और अपना नाम जैकी बताया। मीठी-मीठी बातें करने के साथ जाकिर ने पीड़िता से सोशल मीडिया पर भी सम्पर्क साध लिया और कुछ ही दिनों में उसे अपने विश्वास में ले लिया। एक दिन जाकिर पढ़ाई के सिलसिले में बातचीत के बहाने पीड़िता के दिल्ली स्थित कमरे पर आ गया। वो अपने साथ खाने-पीने के सामान और कोल्डड्रिंक लाया था। आरोप है कि कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ था जिसे पीकर पीड़िता बेसुध हो गई। इसी मौके का फायदा उठा कर जाकिर अंसारी ने पीड़िता से रेप किया और इसकी तमाम वीडियो और फोटो बना डाली। कुछ दिनों बाद जाकिर ने फिर पीड़िता को मिलने के लिए बुलाया पर उसने मना कर दिया। तब आरोपित ने अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने का डर दिखा कर पीड़िता को ब्लैकमेल किया।

मजबूरन पीड़िता ने फिर से जाकिर को अपने कमरे पर आने दिया। तब जाकिर ने एक बार फिर पीड़िता से रेप किया। इसी दिन पीड़िता ने जैकी बने जाकिर के पहचान पत्र देखो तो उसे पहली बार पता चला कि वो मुस्लिम है। रेप के बाद जाकिर पीड़िता पर खुद से निकाह करने का दबाव बनाने लगा। डर के मारे पीड़िता उसकी हां में हां मिलती रही। एक-दो दिन बाद जाकिर फिर से पीड़िता के कमरे पर आ कर शारीरिक संबंध बनाने की जिद करने लगा। पीड़िता ने मजबूर हो कर उसका नंबर ब्लॉक कर दिया।

कुछ दिनों तक बात न हो पाने से भड़का जाकिर पीड़िता के कोचिंग सेंटर तक पहुंच गया। यहां उसने पीड़िता पर फिर से इस्लाम कबूल कर के खुद से निकाह करने का दबाव बनाया।

अपनी बात न मानने पर पीड़िता की तमाम अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने और आत्महत्या पर मजबूर कर देने की धमकी दी गई। जाकिर ने आगे कहा, उत्तर प्रदेश पुलिस मेरा कुछ भी नहीं बिगाड़ सकती। धमकी दे कर जाकिर वहां से चला गया। आरोप है कि जाकिर के जाने के बाद उसका भाई शाकिर और बहनें निखत व सोनी पीड़िता को कॉल व मैसेज करने लगीं। ये सभी पीड़िता पर इस्लाम कबूल करने का दबाव बनाने लगीं।

इनकार करने पर जाकिर का भाई और बहनें भी पीड़िता को जान से मार डालने की धमकी देने लगीं। धमकियों से डर कर पीड़िता पढ़ाई छोड़ कर शामली के झिंझाना स्थित अपने गांव वापस आ गई। इसके बावजूद जाकिर अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और किसी परिचित के साथ पीड़िता के गांव तक पहुंच गया।

गांव पहुंच कर जाकिर ने पीड़िता के एक परिजन का फोन बहाने से मांगा। उसने पीड़िता को फोन कर के कहा, आज तेरे घर के बाहर से तेरे ही भाई के नंबर से कॉल कर रहा हूं अगली बार इन्हें गोली मार कर तुझे उठा ले जाऊंगा। आखिरकार पीड़िता इन धमकियों से डर गई और परिजनों को सारी बात बता दी।

पीड़िता के परिजनों ने जाकिर को कॉल कर के समझाने की कोशिश की तो वो उलटे लड़की के ही घर वालों से पैसों की डिमांड करने लगा। आरोप है कि बागपत जिले की एक महिला नेत्री भी पीड़िता और उनके परिजनों को आरोपितों की तरफ से धमकी दे रही है।

आखिरकार पीड़िता ने परिजनों की सहमति से पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत में जाकिर अंसारी, उसकी बहनों और भाई के साथ धमकी दे रही नेत्री पर भी कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने इस शिकायत पर ऋखठ दर्ज कर ली है। आरोपितों पर भारतीय न्याय संहिता (इछड) की धारा 64 (2)ा, 351 (3), 308 (1) और 123 के साथ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म सम्परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस मामले में जांच व अन्य जरूरी कानूनी कार्रवाई कर रही है।

प्रदेश में अब 24 घंटे बिजली देने की तैयारी

कॉरपोरेशन ने शुरू किया तकनीकी परीक्षण

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 24 घंटे बिजली देने और रोस्टर खत्म करने की उपभोक्ता परिषद की मांग पर पावर कॉरपोरेशन ने नियामक आयोग में जवाब दाखिल कर दिया है। इसमें कहा है कि परिषद का प्रस्ताव स्वागत योग्य है। इस पर कॉरपोरेशन की ओर से तकनीकी एवं वाणिज्यिक पहलुओं पर विश्लेषण कर रहा है। प्रदेश में एक जुलाई से 24 घंटे बिजली आपूर्ति खत्म कर रोस्टर प्रणाली लागू कर दी गई है। इसके तहत ग्रामीण इलाके में 18 घंटे, नगर पंचायत में 21.30 घंटे और जिला मुख्यालय पर 24 घंटे का रोस्टर लागू कर दिया गया। उपभोक्ता परिषद ने इस आदेश के विरोध में नियामक आयोग में जनहित प्रस्ताव दाखिल करते हुए विरोध जताया। तीन जुलाई को दाखिल प्रस्ताव पर अब नियामक आयोग में कॉरपोरेशन ने जवाब

दाखिल किया है। इसमें कहा कि उपभोक्ताओं के हित में उन्हें 24 घंटे बिजली देने का परिषद का प्रस्ताव स्वागत योग्य है। परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि कॉरपोरेशन का जवाब संतोषजनक नहीं है। जल्द से जल्द रोस्टर खत्म कर 24 घंटे आपूर्ति शुरू की जाए।

पावर कार्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने सभी अभियंताओं को निर्देश दिया है कि बिजली चोरी रोकने के लिए अभियान चलाया जाए। जहां ज्यादा चोरी हो रही हैं, उन फीडरों को चिन्हित कर अगल से निगरानी की जाए। वह मंगलवार को लाइन हानियों की समीक्षा कर रहे थे। कार्पोरेशन अध्यक्ष डॉ. गोयल ने कहा कि जिन क्षेत्रों में सर्वाधिक लाइन हानियां हैं वहां चोरी की ज्यादा संभावना रहती है। इसलिए ऐसे इलाके में हर कनेक्शन की जांच की जाए। जांच के दौरान विजिलेंस टीम को भी साथ रखा जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि जहां बिलिंग कम है, वहां के अधीक्षण अभियंताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वितरण ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्तता में जहां कमी नहीं आई है, वहां जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाए। जिस इलाके में 70 फीसदी तक मीटर रीडिंग नहीं होगी, वहां के जेई से लेकर अधीक्षण अभियंता तक की तनख्वाह रोकी जाएगी। इस दौरान महमूदाबाद के अधिशाषी अभियंता जय प्रकाश को बेहतर कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनके क्षेत्र में एक भी ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है। इस दौरान कार्पोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार, सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

'जातिवाद' का अनर्गल अलाप

मिस इंडिया, बॉलीवुड, ओलंपिक खिलाड़ी एवं क्रिकेटर, उद्योगपति, मीडिया और न्यायपालिका आदि में आरक्षण लागू नहीं होता। इन क्षेत्रों का सरकार और आरक्षण से क्या लेना-देना है? वे अधिकतर गैर-सरकारी क्षेत्र हैं। नौकरशाही और सरकारी न्यायपालिका में आरक्षण कुछ हद तक लागू होता है। 'मिस इंडिया' सौंदर्य, फैशन और बौद्धिकता के संगम का खुला मंच है। यदि दलित, आदिवासी, पिछड़े ऐसी प्रतियोगिताओं में शामिल होना चाहते हैं, तो एक दिन 'मिस इंडिया' ही नहीं, 'मिस वर्ल्ड' और 'मिस यूनिवर्स' के ताज भी पहन सकती हैं। रीता फारिया पहली भारतीय और एशियाई महिला हैं, जिन्होंने 1966 में 'मिस वर्ल्ड' का खिताब जीता था। वह सवर्ण नहीं थीं, बल्कि घोर अल्पसंख्यक 'पारसी' समुदाय की थीं। इस समुदाय की आबादी आज भी एक लाख से कम है। किसी ने आज तक सवाल नहीं किया कि रीता ने ऐसी अभूतपूर्व और अंतरराष्ट्रीय सफलता कैसे अर्जित की? ओलंपिक पदक विजेता हॉकी टीम में अक्सर सिख और जाट समुदाय के खिलाड़ी ज्यादा खेलते हैं। वे अल्पसंख्यक और ओबीसी हैं। ओडिशा के आदिवासी खिलाडियों ने भी ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेली है। दुनिया उनके बेमिसाल खेल को जानती है। उन्हें दलित, ओबीसी, आदिवासी के आधार पर टीम में शामिल नहीं किया गया। वे सक्षम, बेजोड़ खिलाड़ी रहे हैं, लिहाजा भारत का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। बॉलीवुड रचनात्मक चेहरों का विशाल और व्यापक समंदर है। रचनात्मक प्रतिभा बड़ी दुर्लभ होती है। किसी को आरक्षण के जरिए अभिनेता, निर्देशक, गीतकार, संगीतकार, कैमरामैन आदि नहीं बनाया जा सकता। अलबत्ता लगातार अभ्यास और प्रशिक्षण से प्रतिभाएं निखर भी उठती हैं। एनएसडी और पूना फिल्म इंस्टीट्यूट इसके विरले उदाहरण हैं। बॉलीवुड के समंदर में दलित, पिछड़े, आदिवासी भी होंगे! राहुल गांधी कैसे दावा कर सकते हैं कि वहां इन जातियों के चेहरे नहीं हैं? मीडिया का हुनर और रचनात्मक कौशल भी भिन्न है। हर आदमी यह काम नहीं कर सकता। जोखिमों से खेलना पड़ता है और एक अच्छा लेखक भी बुनियादी कुशलता है। हम असंख्य दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को जानते हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय मीडिया में बुलंदियां छुई हैं। उनमें कुछ संपादक भी रहे हैं। उद्योगपति ऐसे क्षेत्र के प्रतिनिधि हैं, जिन्हें औद्योगिक साम्राज्य विरासत में मिले हैं और उन्होंने अपने ज्ञान, मार्केटिंग, मेहनत, निवेश से अपने साम्राज्य का विस्तार किया है। कइयों ने निजी प्रयास से औद्योगिक कंपनियां स्थापित की हैं। उद्योग निजी क्षेत्र है, जिसमें आबादी के अनुपात के आधार पर आरक्षण नहीं है और न ही दिया जा सकता है। दलित, पिछड़े, आदिवासी जो प्रगति कर चुके हैं और शहरों में अच्छी नौकरी करते हैं, वे शेयर बाजार में अच्छा-खासा निवेश करते हैं और लाखों रुपए कमा रहे हैं। राहुल गांधी की 'रिसर्च टीम' ने उन्हें ऐसे तथ्य नहीं बताए। सवाल है कि क्या किसी को आरक्षण के आधार पर उद्योगपति या किसान तक भी बनाया जा सकता है? कदापि नहीं। दरअसल कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर आजकल 'जातीय जनगणना' का जुनून सवार है। वे सिर्फ 70 फीसदी या 90 फीसदी आबादी की भागीदारी की बात कर सकते हैं। कांग्रेस ने तो करीब 55 साल देश पर शासन किया है। तब उसने 'जातीय भागीदारी' को सुनिश्चित क्यों नहीं किया? राहुल और अखिलेश से ही पूछ लिया जाए कि यदि देश में 'जातीय जनगणना' करवा ली जाए, तो आप उसे क्रियान्वित कैसे करेंगे? आजकल 'जातीय अनर्गल अलाप' करना खासकर उन दोनों की राजनीति है। यह सोच और नीति निजी क्षेत्र या निजी प्रतिभा, निजी निवेश और अनुसंधान पर लागू कैसे हो सकती है।

नौकरशाही और सरकारी न्यायपालिका में आरक्षण कुछ हद तक लागू होता है। 'मिस इंडिया' सौंदर्य, फैशन और बौद्धिकता के संगम का खुला मंच है। यदि दलित, आदिवासी, पिछड़े ऐसी प्रतियोगिताओं में शामिल होना चाहते हैं, तो एक दिन 'मिस इंडिया' ही नहीं, 'मिस वर्ल्ड' और 'मिस यूनिवर्स' के ताज भी पहन सकती हैं। रीता फारिया पहली भारतीय और एशियाई महिला हैं, जिन्होंने 1966 में 'मिस वर्ल्ड' का खिताब जीता था। वह सवर्ण नहीं थीं, बल्कि घोर अल्पसंख्यक 'पारसी' समुदाय की थीं। इस समुदाय की आबादी आज भी एक लाख से कम है। किसी ने आज तक सवाल नहीं किया कि रीता ने ऐसी अभूतपूर्व और अंतरराष्ट्रीय सफलता कैसे अर्जित की? ओलंपिक पदक विजेता हॉकी टीम में अक्सर सिख और जाट समुदाय के खिलाड़ी ज्यादा खेलते हैं। वे अल्पसंख्यक और ओबीसी हैं। ओडिशा के आदिवासी खिलाडियों ने भी ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेली है। दुनिया उनके बेमिसाल खेल को जानती है। उन्हें दलित, ओबीसी, आदिवासी के आधार पर टीम में शामिल नहीं किया गया। वे सक्षम, बेजोड़ खिलाड़ी रहे हैं, लिहाजा भारत का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं।

आरक्षण की उपेक्षा के लिए सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री नीति की आलोचना की

सस्ती एवं नकारात्मक राजनीति है लेटरल एंट्री का विरोध

ललित गर्ग

सरकारी अधिकारियों को सार्वजनिक कल्याण के लिए और अधिक काम एवं प्रभावी काम करने के लिए प्रेरित करके नियमित सरकारी अधिकारियों को पूरक कर सकते हैं, लेकिन लेटरल एंट्री की प्रणाली को अधिक समावेशी, पारदर्शी और असरदार बनाने के लिए एक निश्चित नीति के साथ आगे बढ़ने एवं इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सकारात्मक रवैया अपनाना देश विकास के लिये जरूरी प्रतीत होता है।

भारतीय नौकरशाही संरचना के प्रभावी एवं परिणामकारी प्रदर्शन को निश्चित रूप से लेटरल एंट्री प्रक्रिया के साथ पूरक किया जा सकता है। लेटरल एंट्री नई बाहरी प्रतिभाओं को लाकर, सरकारी अधिकारियों को सार्वजनिक कल्याण के लिए और अधिक काम एवं प्रभावी काम करने के लिए प्रेरित करके नियमित सरकारी अधिकारियों को पूरक कर सकते हैं, लेकिन लेटरल एंट्री की प्रणाली को अधिक समावेशी, पारदर्शी और असरदार बनाने के लिए एक निश्चित नीति के साथ आगे बढ़ने एवं इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सकारात्मक रवैया अपनाना देश विकास के लिये जरूरी प्रतीत होता है। इसके लिये वर्तमान नरेन्द्र मोदी सरकार ने जो कदम उठाया है, उस पर राजनीति करने करने की बजाय उसमें देशहित को सामने रखा जाना चाहिए। वैश्वीकरण ने शासन के काम को अत्यंत जटिल बना दिया है और यही वजह है कि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता और कौशल की मांग पहले से बहुत अधिक बढ़ गई है। अर्थव्यवस्था और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में थिंक-टैंकों की आवश्यकता के मद्देनजर तथा अन्य ऐसे विभागों में जहाँ विशिष्ट प्रकार की सेवाओं की आवश्यकता होती है, लेटरल एंट्री से संयुक्त सचिवों की नियुक्ति की जानी प्रासंगिक एवं उपयोगी कदम है।

संघ लोकसेवा आयोग ने केंद्र सरकार के 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव की भूमिकाओं के लिए प्रतिभाशाली, कार्यक्षम और दक्ष भारतीय नागरिकों से 45 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करके सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री (सीधी भर्ती) का स्वागतयोग्य एवं सराहनीय प्रयोग कर रहा है। भले ही इस मुद्दे को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों में विरोध के स्वर देखने को मिल रहे हैं। वैसे भी ऐसे राजनीतिक लोगों एवं दलों की आंखों में किरणें आंज दी जाये तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से एलर्जी है। विपक्षी दलों विशेषतः कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के आरक्षण की उपेक्षा के लिए सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री नीति की आलोचना की है। जबकि भारत में सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री का तात्पर्य सरकार के मध्य और वरिष्ठ प्रबंधन स्तर पर पेशेवरों एवं प्रतिभाशाली कर्मियों की भर्ती से है। जिसमें प्रतिभाशाली एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य विशिष्ट कौशल और

विशेषज्ञता लाना है जो पारंपरिक नौकरशाही ढांचे में उतनी प्रभावी प्रतीत नहीं हो रही है। कई संभावित और अच्छे प्रशासक हैं जो अपनी कम उम्र के दौरान सरकार द्वारा आयोजित परीक्षाओं में भाग नहीं लेते हैं। लेटरल एंट्री उन्हें शासन तंत्र का हिस्सा बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। नया भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत निर्मित करने में इन प्रतिभाओं का उपयोग होना राष्ट्र में एक नयी रोशनी का अवतरण हो सकता है।

देखा यह गया है कि जब भी ब्यूरोक्रेसी में सुधार की चर्चा होती है, तो इसका विरोध होने लगता है, जो विरोधाभासी एवं विडम्बनापूर्ण होने के साथ-साथ संकीर्ण राजनीति का द्योतक हैं। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों की ओर से जिस तरह लेटरल एंट्री पर आपत्ति जताई जा रही है, वह यही बताती है कि नकारात्मक राजनीति की जा रही है। यह आश्चर्जनक है कि ऐसे देश-विकास एवं राष्ट्र-निर्माण के निर्णयों एवं मुद्दों का विरोध करने की राजनीति की कमान राहुल गांधी अपने हाथ में लेते हुए दिख रहे हैं। कम से कम उन्हें तो इससे बचना चाहिए, क्योंकि राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि वित्त सचिव के रूप में मनमोहन सिंह की नियुक्ति लेटरल एंट्री ही थी और वह भी बिना किसी निर्धारित प्रक्रिया के। भारत में लेटरल एंट्री कोई नई बात नहीं है। पहले भी भारत में इसका फायदा उठाया जा चुका है। मुख्य आर्थिक सलाहकार की नियुक्ति लेटरल एंट्री से ही की जाती रही है। पूर्व आर्थिक सलाहकार मोंटेक सिंह अहलूवालिया, आधार की नींव रखने वाले नंदन नीलेकणि जैसी बड़ी हस्तियां इसी के जरिए प्रशासन में शामिल हुईं। यह व्यवस्था तदर्थ आधार पर की गई है, यह संस्थागत नहीं है। लेटरल एंट्री की व्यवस्था सिर्फ भारत में ही है। ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड और बेल्जियम जैसे पश्चिमी देशों में पहले से ही सभी क्षेत्रों के योग्य कर्मियों के लिए विशिष्ट सरकारी पदों को खोल दिया है। यह नौकरी के लिए बेहतरीन प्रतिभाओं को आकर्षित करने का एक बेहतर तरीका पाया गया है।

स्पष्ट है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने शासन के समय सुधार की दिशा में उठाए गए कदम का विरोध कर रही है। इसके विपरीत वर्तमान सरकार एक तय प्रक्रिया के तहत लेटरल एंट्री कर रही है। इसी कारण इसकी जिम्मेदारी संघ लोक सेवा आयोग को दी गई है। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों को यह भी पता होना चाहिए कि लेटरल एंट्री के जरिये जो नियुक्तियां की जा रही हैं, वे अस्थायी हैं। ये नियुक्तियां केवल तीन वर्ष के लिए हैं और उनमें अधिकतम दो वर्ष की वृद्धि की जा सकती है। प्रशासन में सुधार की हर पहल को आरक्षण से जोड़ना केवल यही नहीं बताता कि वोट बैंक की सस्ती राजनीति अनियंत्रित हो रही है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि आरक्षण को हर मर्ज की दवा मान लिया गया है। यह ठीक नहीं कि होनी को अनहोनी बनाने का प्रयत्न हो।

वैसे लेटरल एंट्री राष्ट्रहित का मुद्दा है। जिस पर 2002 की संविधान समीक्षा आयोग ने भी सिफ़ारिश वकालत की। मनमोहन सिंह के समय 2005 की द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर लेटरल एंट्री के लिए एक संस्थागत और पारदर्शी प्रक्रिया की सिफारिश की। स्पष्ट है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने शासन के समय सुधार की दिशा में उठाए गए कदम का विरोध कर रही है। नीति आयोग ने अपने तीन-वर्षीय कार्य एजेंडा में लेटरल एंट्री के विचार का समर्थन किया। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि लेटरल एंट्री से विशेष ज्ञान और प्रशासनिक कौशल को शामिल करके शासन में सुधार की क्षमता को विकसित किया जा सकता है। शासन में सचिवों का क्षेत्रीय समूह ने भी लेटरल एंट्री प्रणाली का समर्थन किया। यह तर्क दिया गया कि लेटरल एंट्री प्रासंगिक विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को पेश करके सार्वजनिक सेवाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाया सकता है और उसे उच्च परिणामकारी बनाया जा सकता है। विरोध के लिये विरोध करने की सोच एवं उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक नीति के द्वारा किसी का भी हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होती।

दृष्टि कोण

सजा बढ़ाने से नहीं रुकेंगी रेप की घटनाएं

मैं अपने भारत देश की बात कर रही हूं। हमारा मंत्र है : 'मातृवत परदारेषु'। हम मां को प्रथम आचार्य मानते हैं और प्रथम गुरु भी। वर्ष में दो बार कन्या पूजन करते हैं और रक्षाबंधन भी सांस्कृतिक त्योहार है। कोई भी शुभ कार्य करना हो तो पहले कन्या पूजन करते हैं। वैष्णो देवी के दरबार में सुबह-शाम की आरती के बाद किस प्रकार कंजकों अर्थात बच्चियों का पूजन होता है और देखने वाले कितनी श्रद्धा से देखते हैं, यह भी पूरा देश जानता है। फिर भी उसी भारत देश के राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो यह आंकड़े दे रहा है कि भारत में एक दिन में औसतन 87 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। अंग्रेजी में रेप कह देते हैंए शायद वास्तविकता को छिपाने के लिए। इसके साथ ही भारत की राजधानी दिल्ली में दिल्ली पुलिस द्वारा दी जानकारी के अनुसार एक दिन में पांच और छह के लगभग महिलाएं, बालिकाएं दरिंदगी का शिकार होती हैं। एनसीआरबी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्षों के मुकाबले रेप के मामलों में 13.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह स्वयं में ही लज्जाजनक समाचार है। व्यक्ति की नहीं, राष्ट्र के लिए भी शर्म की बात है। ताजा आंकड़ों के अनुसार राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के बाद दिल्ली में ऐसी घटनाएं सबसे ज्यादा होती हैं। केवल अगस्त के महीने में दक्षिण, पश्चिम, उत्तर-पश्चिम भारत के सभी भागों में भारत की बेटियां बलात्कार का शिकार हुईं। बंगाल के कलकत्ता में डाक्टर के साथ अस्पताल परिसर में ही जो दरिंदगी हुई, उसके लिए पूरे देश का डाक्टर आंदोलन कर रहा है, सुरक्षा की मांग कर रहा है। पीड़िता के लिए न्याय की बात कही जा रही है और इस हड़ताल के कारण देश के गरीब ही दुखी हुए। बेटी को न्याय मिले, सब चाहते हैं, पर गरीब के बच्चे अस्पताल की दहलीज से बिना इलाज करवाकर तड़पते वापस आ जाएं, यह कोई नहीं चाहता। मेरा एक प्रश्न है कि जो गुस्सा, जो विरोध प्रदर्शन, जो राजनीतिक दूषणबाजी बंगाल की डाक्टर के लिए हो रही है, उसके शोर में हमारे नेता, पक्ष और विपक्ष के सत्तापति उन दुर्घटनाओं को क्यों नहीं देख-सुन रहे जहां एक दर्जन से ज्यादा बेटियां इस कामवासना के अंधे पुरुषों की पशुवृत्ति का शिकार हुईं। कहीं यह कोई राजनीतिक हित की पूर्ति तो नहीं हो रही? यह तो एकदम ताजी घटना है कि ठाणा जिला महाराष्ट्र के एक स्कूल में स्कूल के ही कर्मचारियों ने दो बच्चियों के साथ यौन शोषण का अपराध किया। जैसे ही माता-पिता को पता चला, पुलिस भी हरकत में आई। अपराधी गिरफ्तार भी हो गया, लेकिन दो दिन पहले वहां ऐसा प्रदर्शन हुआ जिसमें स्कूल भवन भी तोड़ दिया गया, रेल ट्रैक जाम कर दिया, हजारों व्यक्ति क्रोध से उबलते हुए सडक़ों पर आए। पुलिस से टकराव भी हो गया। गुस्सा होना ही चाहिए। बेटियों के साथ इस पशुवृत्ति को रोकना ही होगा, पर आखिर कब तक यह सब होता रहेगा? इसी सप्ताह पंजाब की एक लडक़ी क्यों और कैसे उत्तराखंड के देहरादून में एक बस में शायद रात के समय पहुंची और बस के ड्राइवर, कंडक्टर आदि पांच पुरुषों की शिकार हुई। ऐसी जानकारी मिली है कि उसकी आयु से कई वर्ष बड़े वे बलात्कारी थे। उसके पिता की आयु से भी बड़े, बड़े भाई से भी बड़े। एक व्यक्ति तो 57 वर्ष की आयु का था और सबसे छोटा 34 वर्ष का। अब प्रश्न यह है कि क्या लडक़ी उन्हें अपनी वासनापूर्ति का साधन दिखाई देती है? उसको संरक्षण देने की बात, उसे उसके ठिकाने पहुंचाने की बात किसी के मन में नहीं आती? आखिर ऐसी अपराध वृत्ति देश के इन पुरुषों में क्यों पैदा हो गई? एक नहीं अनेक घटनाएं अगस्त की हैं। बैंगलोर के एडीशनल पुलिस कमिश्नर रमन गुप्ता ने भी बताया कि एक लडक़ी जो रात को घर लौट रही थी, वह किसी से लिफ्ट मांगने का अपराध कर बैठी और फिर लूटी गई। तमिलनाडु के एक स्कूल में नाबालिग छात्राओं के साथ यौन उत्पीडऩ किया गया। एक छात्रा के साथ यौन शोषण भी हुआ। यह सारा दुष्कर्म एक फर्जी एनसीसी कैंप के दौरान किया गया। पुलिस ने स्कूल के प्रिंसिपल समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया। तमिलनाडु के त्रिची में दस वर्षीय मासूम का यौन शोषण हुआ। राजस्थान के जोधपुर से तीन वर्षीय बच्ची से दरिंदगी का मामला सामने आया है। कूड़ा बीनने वाले परिवार की बच्ची उठाकर ले गए और अपनी हवस का शिकार बनाया। अभी ताजी घटना है। अमृतसर के एक होटल में लुधियाना से लाई गई बच्ची की भी यही किस्मत रही। यह ठीक है कि पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। गिरफ्तारी भी हो गई, पर जो चोट इन बेटियों को सहनी पड़ी, उसका उपचार कभी नहीं हो सकेगा। घटनाएं तो इस समय भी हो रही होंगी, जब यह संदेश लिखा जा रहा है देश को पहुंचाने के लिए, पर इसका हल क्या है? जो समर्थ लोग हैं, उन्हें अपना रंग-ढंग बदलना होगा। यहां फैशन मेले होते हैं।

कुछ अलग

जनों में जन, पशुजन

मैं अपने मुहल्ले की पल पल की अपने घर से लेटा ही खबर रखने का हुनर रखता हूं। मुहल्ले की ऐसी कोई हरकत नहीं जिसकी मुझे खबर न हो। इसलिए समझदार मुहल्ले वाले मुझे मुहल्ले का खबरूद्दीन भी कहते हैं। मुहल्ले को जिस खबर की जरा सी भी खबर नहीं होती, मुझे उसकी खबर से अधिक होती है। कल मुहल्ले में जैसे ही मास्साब ने इंट्री मारी और मरियल से मरियल कुत्ते भौंकने लगे तो मैं तुरंत जान गया कि मुहल्ले में कोई गलत आदमी प्रवेश कर गया है। अब पता नहीं कुत्ते ऐसा क्यों करते हैं कि जब भी मुहल्ले में गलत नियत का बंदा प्रवेश करता है कि मरियल से मरियल कुत्ता भी भौंकना शुरू कर देता है। अबके फिर कुत्तों का भौंकना सही निकला। देखा तो मास्टर जी कंधे पर झोला लटकाए सामने। राम सलाम के बाद मैंने मास्टर जी से पूछा, 'मास्साब! आज फिर स्कूल के बदले यहां?' उन्हें आता देख उनकी बिरादरी की कृपा से बारह पास बीवी ने सुबह की बची चाय उनके लिए कप में डाली। 'क्या करें भाई साहब! सरकार ने कंधे पर गणना का ऐसा झोला लटका दिया है कि...।' 'तो अबके किसकी गिनती आए हैं जनाब? लकड़बग्घों की?' 'नहीं भाई साहब! जबसे पशु आदमियों के साथ रहते सुधरने लगे हैं और आदमी पशुओं के साथ रहते पशु बनने लगे हैं, तबसे जन तो कोई सोसाइटी से लेकर सिविल सोसाइटी तक में रहे नहीं। अब तो जहां देखो, बस पशुजन ही पशुजन! इसलिए पशु विभाग को पशुजन की गणना करवानी पड़ रही है।' 'पशुजन बोले तो?' मैं अवाक। अब ये पशुजन कहां से आ गए किस्म किस्म के जनों के बीच? 'पशुजन बोले तो दो पैरों पर चलने वाला जंतु जिसका दिमाग उसकी खोपड़ी की बजाय उसके पैरों में होता है। जिसके सड़े दिमाग पर लाख पेस्टिसाइड डालने के बाद भी ऐसे वैसे कीड़े पड़ जाते हैं जो अड़ोस पड़ोस को नरक बना कर रख देते हैं।' उन्होंने अरस्तू होते कहा तो मेरे स्वस्थ दिमाग में सहसा कीड़े कुलबुलाने लगे, पर मैंने उन्हें जैसे कैसे दबाकर रखा। 'माफ करना! पूछना है तो गलत सा, पर आप बता सकते हैं कि आपके अड़ोस पड़ोस में मुहल्ले में कितने पशुजन हैं? असल में पड़ोसियों को अपने बारे में उतना सटीक पता नहीं होता जितना उनके पड़ोसियों को उनकी रग रग का होता है।' 'पशुजन बोले तो?' 'यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, आदर्श अड़ोस पड़ोस में कितने सांड हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, आदर्श अड़ोस पड़ोस में कितने गधे हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, अड़ोस पड़ोस में कितने टट्टू हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, अड़ोस पड़ोस में कितने कुत्ते वैगरह हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, अड़ोस पड़ोस में कितने सियार हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, अड़ोस पड़ोस में कितने भेड़िए हैं। यही कि आदमी होते हुए भी आपके घर में, अड़ोस पड़ोस में कितने...।' 'मतलब तुम ये गिनने आए हो कि आदमी होते हुए भी कितने पशु हैं?' 'जी!' अगर सबसे पहले अपने घर के पशुजन के बारे में बताएं तो कहते मास्साब ने अपना रजिस्टर खोला तो मैंने कहा, 'देखो बंधु! अब आपसे छिपाना क्या! सरकार के पास और कुछ सही हो या न, पर आंकड़े तो कम से कम सही होने चाहिए ताकि विकास अबाध गति से रुका रहे।' 'तो ऐसा करो, मेरा बेटा तो सांड है। सारा दिन बाजार में आवारा घूमता रहता है। कभी इसे सींग मारता तो कभी उसे। उसे कोई पूछने वाला नहीं। मैं भी नहीं। और बीवी! समझ नहीं आ रहा उसे किस पशुजन श्रेणी में रखूं? उसे पशुजन की हर श्रेणी में लिख लो। रही बात मेरी तो मुझे आप गधे की श्रेणी में रख सकते हैं।

देश दुनिया से

ओलंपिक पदक तालिका में सैन्य किरदार

भारतीय सेना के जवानों ने अंतरराष्ट्रीय खेलों तथा सबसे बड़े खेल महाकुंभ ओलंपिक में पदक जीतकर भारत का मान बढ़ाया है। सेना के खिलाडियों का जिक्र किए बिना भारत का खेल इतिहास अधूरा रहेगा। हिंदोस्तान की जिस महान शख्सियत की यौम-ए-पैदाइश को 29 अगस्त के दिन 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है, वह महान हॉकी खिलाड़ी 'मेजर ध्यान चंद' एक सैनिक थे। हाल ही में फ्रांस की राजधानी 'पेरिस' में 2024 ओलंपिक का समापन हुआ है।

जंग का मैदान हो या खेल का, कुश्ती का अखाड़ा हो या सियासत का, अपनी दास्तान-ए-सुजात के मजमून लिखने वाले भारतीय सेना के जवानों ने अंतरराष्ट्रीय खेलों तथा सबसे बड़े खेल महाकुंभ ओलंपिक में पदक जीतकर भारत का मान बढ़ाया है। सेना के खिलाडियों का जिक्र किए बिना भारत का खेल इतिहास अधूरा रहेगा। हिंदोस्तान की जिस महान शख्सियत की यौम-ए-पैदाइश को 29 अगस्त के दिन 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है, वह महान हॉकी खिलाड़ी 'मेजर ध्यान चंद' एक सैनिक थे। हाल ही में फ्रांस की राजधानी 'पेरिस' में 2024 ओलंपिक का समापन हुआ है। सौ वर्ष पूर्व सन्‌1924 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन भी पेरिस में ही हुआ था, जिसमें सेना के खिलाड़ी 'दलीप सिंह ग्रेवाल' ने लंबी कूद स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। ब्रिगेडियर दलीप सिंह तथा मेजर ध्यान चंद दोनों खिलाडियों का संबंध सेना की 'पंजाब रेजिमेंट' से था। भारतीय हॉकी ने ओलंपिक खेलों में आठ स्वर्ण, एक रजत व चार कांस्य सहित सर्वाधिक 13 पदक जीते हैं। सन्‌1928 के 'एम्सटर्डम' ओलंपिक में भारतीय हॉकी ने देश के लिए पहला 'स्वर्ण पदक' जीता था। 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक से लेकर 1980 के 'मॉस्को' ओलंपिक तक भारतीय हॉकी की गोल्डन गाथा में मेजर ध्यान चंद, कैप्टन रूप सिंह, ब्रिगेडियर हरचरण सिंह, कर्नल जसवंत गिल, मेजर शांता राम, कर्नल हरिपाल कौशिक, कैप्टन शंकर लक्ष्मण, ग्रुप कैप्टन रघबीर सिंह, सूबेदार हरदयाल सिंह, नंदी सिंह व वीजे पीटर जैसे सेना के दिग्गज ओलंपियन खिलाडियों का बेहद अहम योगदान था। एशियाई व कॉमनवेल्थ खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा तीन ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले मशहूर धावक कैप्टन 'मिल्खा सिंह' 'द फ्लाइंग सिख' ने भारतीय सेना 'ईएमई' में भर्ती होकर ही अपने खेल जीवन की शुरुआत की थी। सन्‌2004 के 'एथेंस' ओलंपिक में 'डबल ट्रैप स्पर्धा' में भारत के लिए एकमात्र पदक 'रजत' सेना के कर्नल 'राज्यवर्धन सिंह राठौर' 'ग्रेनेडियर्स' ने ही जीता था। हिमाचल प्रदेश के कैप्टन विजय कुमार 'डोगरा रेजिमेंट' ने 2012 के लंदन ओलंपिक में शूटिंग में 'रजत' पदक जीता था। 2020 के टोक्यो ओलंपिक में 'जैवलिन थ्रो' में 'स्वर्ण पदक' तथा 2024 पेरिस ओलंपिक में 'रजत पदक' विजेता 'नीरज चोपड़ा' को सेना ने सन्‌2016 में 'राजपूताना राइफल्स' में 'जेसीओ' रैंक में कमीशन देकर उनकी खेल प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालिया पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 एथलीटों में 24 खिलाड़ी सशस्त्र बलों के थे। तीन हजार मीटर स्टीपल चेज के फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सूबेदार 'अविनाश सावले' तथा बॉक्सर 'अमित पंघाल' 'महार रेजिमेंट' में सेवारत हैं। सेना की महिला खिलाड़ी 'जैस्मीन लाम्बोरिया' 'बाक्सिंग' 'सीएमपी' में हवलदार है। पहलवान 'रितिका हुड्डा' 'कुश्ती' भारतीय नौसेना में सेवारत हैं। भारतीय खेलों का वो भी एक दौर था जब एशियाई व कॉमनवेल्थ खेलों में पदक जीतने वाले कैप्टन उदय चंद, कैप्टन लीलाराम, कैप्टन मुख्तियार सिंह, सूबेदार देवी सिंह, विश्वनाथ सिंह तथा चंदगी राम जैसे सेना के दिग्गज पहलवानों ने ओलंपिक खेलों में कई देशों के पहलवानों को चुनौती पेश करके भारतीय कुश्ती का इकबाल बुलंद किया था। भावार्थ यह है कि दशकों पूर्व जब देश गुरबत से जूझ रहा था, खिलाड़ी खेल सुविधाओं से वंचित थे, उस वक्त मेजर ध्यान चंद व बलबीर सिंह सीनियर जैसे दिग्गज खिलाडियों ने ओलंपिक महाकुंभ में हॉकी की 'गोल्डन हैट्रिक' लगाकर विश्व खेल पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया था। वर्तमान में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाडियों को सशस्त्र बल, रेलवे तथा राज्य सरकारें भी रोजगार प्रदान कर रही हैं। सिंथेटिक ट्रैक व एस्ट्रोटर्फ जैसी आधुनिक खेल सुविधाएं मुहैया करवाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर के बेहतर व महंगे विदेशी कोच भी उपलब्ध हैं। खिलाडियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध 'खेल महासंघ' स्थापित किए गए हैं। खेल उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सन्‌1984 में 'भारतीय खेल प्राधिकरण' की स्थापना की गई है। केंद्र सरकार तथा राज्यों में खेल मंत्रालय मौजूद हैं। देश में कई निजी खेल अकादमियां खिलाडियों को प्रशिक्षित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। खेल प्रशिक्षण पर करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद विश्व की 18 प्रतिशत आबादी की हैसियत रखने वाले भारत का ओलंपिक महाकुंभ में खेल प्रदर्शन सम्मानजनक नहीं रहा है। गुरबत से जूझ रहे कीनिया, जमैका व इथोपिया जैसे देशों के खिलाडियों ने 'ट्रैक एंड फील्ड' स्पर्धाओं में अमरीका व ब्रिटेन जैसे देशों की बादशाहत को चुनौती दे डाली है। युद्ध से जूझ रहे इजरायल व यूक्रेन जैसे देशों के खिलाड़ी भी ओलंपिक में पदक जीत रहे हैं। एक सौ पचास करोड़ की आबादी वाले भारत में खेल प्रतिभाओं की खेल क्षमता में कमी नहीं है, लेकिन ओलंपिक जैसे वैश्विक खेल पटल पर तिरंगा फहराने के लिए खिलाडियों को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खेल प्रतिभाओं के खेल हुनर का सामना करना पड़ता है। चैंपियन बनने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी से पूरी शिद्दत, जुनून व जज्बे से जूझना पड़ता है। अतः कड़ी मेहनत, उच्च दर्जे के खेल प्रशिक्षण के साथ खिलाडियों को मानसिक तौर पर भी मजबूत होना पड़ेगा। शारीरिक फिटनेस के साथ प्रोत्साहन, प्रेरणा व इच्छाशक्ति बहुत मायने रखते हैं।

आप का नजरिया

यहां कानून साहसी नहीं

मुख्य संसदीय सचिव शहरी विकास एवं शिक्षा आशीष बुटेल में सियासी दम है कि वह अपने विभाग के ही प्रस्ताव को कूड़े की टोकरी में तब तक सुला सकते हैं, जब तक राजनीति ऐसे गढ़े मुर्दों को बाहर न निकाले। अभी दो दिन पहले के प्रस्ताव ने जन्म भी नहीं लिया कि पालमपुर के विधायक को अपने ही विभाग पर शक हो गया। विभाग पालमपुर नगर निगम की अगली सदी को सुनिश्चित करते हुए 76 राजस्व गांवों को नगर एवं ग्राम योजना कानून के तहत लाने की रूपरेखा बनाने लगा था। यह माननीय विधायक का वादा है कि उनकी सरहद में उन्हीं के विभाग का ऐसा प्रस्ताव पर नहीं मार सकता। यह इसलिए कि जनता योजना से डरती है, अपने विस्तार और विकास से नहीं। क्योंकि जनता रूठ न जाए, इसलिए कानून बनाने वाले भी इनके कार्यान्वयन से डरते हैं। शहरी विकास है क्या, अगर इस मानसिकता को पढ़ा जाए, तो हिमाचल का हर गांव अब एक शहर है। गांव की शहर बनने की अभिलाषा में पूरा हिमाचल धड़ाधड़ निर्माण कर रहा है। हर सडक़ पर निर्माण की प्रतिस्पर्धा ने छीन लिए प्रकृति के पैगाम-प्रकृति के आयाम, घाटियां लील कर हम चबूतरे हो गए, लेकिन छत से टकराती छत को सुकून का आशियाना न मिला। अगर नवनिर्माण के औचित्य में इनसानी जरूरतों का विश्लेषण किया जाए, तो मालूम होगा कि हम प्राकृतिक संसाधनों के प्रति कितने लापरवाह हैं। हम प्रदेश को अस्त-व्यस्त देखना चाहते हैं, इसलिए हमारी औकात ही नहीं कि नगर नियोजन को समझा जाए। हम शहर में रेंगना चाहते हैं, गांव में भौकाल को जगाना चाहते हैं। जाहिर है 76 राजस्व गांवों के पंचायत चुनाव बुटेल जी की सियासत में माथापच्ची बढ़ा दें या वह अनुमति दे भी दें, तो विपक्ष के हारे हुए प्रत्याशी को सहानुभूति दर्शाने का यही सुराग मिल जाए। उनके लिए पर्यटक गांव बसाना आसान हो सकता है, इसलिए कृषि विश्वविद्यालय से वह 120 हेक्टेयर जमीन ले सकते हैं। हमारे विकास के रथ अब ऐसे घोड़ों पर सवार हैं जो घास नहीं, घोषणा खाते हैं। लिहाजा कानून से बड़ी घोषणा होनी चाहिए। सरकार कोई भी हो, कानून कभी बड़ा नहीं होता है, होती है तो घोषणा ही महान। इसलिए 76 गांवों का भविष्य टीसीपी कानून तय नहीं कर पाएगा, लेकिन इसके दायरे को निरस्त करने की घोषणा सहज स्वीकृत हो जाएगी। कुछ ऐसी ही घोषणाएं कानून के पर्दे हटाने के लिए काफी हैं। हम घोषणाओं में सफर करने का समाज बन चुके हैं। हम वर्षों से वन महोत्सव मना रहे हैं, लेकिन बरसात के बाद वसंत को मालूम नहीं कि बहार आई किन पौधों पर। हम पार्किंग सुविधाओं की घोषणाओं पर पालमपुर को मुकर्रर करते हैं, लेकिन वाहनों के कीड़े सडक़ों पर डटे हैं। यहां कानून साहसी नहीं, बल्कि उसके सामने निडर होकर खड़े रहने वाला साहसी है। अगर ऐसा न होता तो पहाड़ यूं ही कटते नहीं, खड्डें रेत को तरसती नहीं और घर की नींव तक पहुंचे माफिया के सामने हम बिकते नहीं। हमारी घोषणाएं नए भवन, नई इमारतें और नए कार्यालय खोल सकती हैं, लेकिन सेल्फी प्वाइंट पर उगी घास हम नहीं उखाड़ सकते। लावारिस गोवंश अगर डीसी कार्यालयों तक पहुंच कर भी आवारा घोषित नहीं, तो कमाल का सुशासन हमारी आंखों के सामने दौड़ता है। वन वे ट्रैफिक रूल को तोडऩे वालों के साहस को दुहाई दें या बढ़ते पुलिस जिलों के मुखियाओं को सलाम कर दें।

पीएम शहबाज शरीफ बोले- देश में खत्म करेंगे आतंकवाद सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 25 आतंकवादी ढेर, 11 घायल

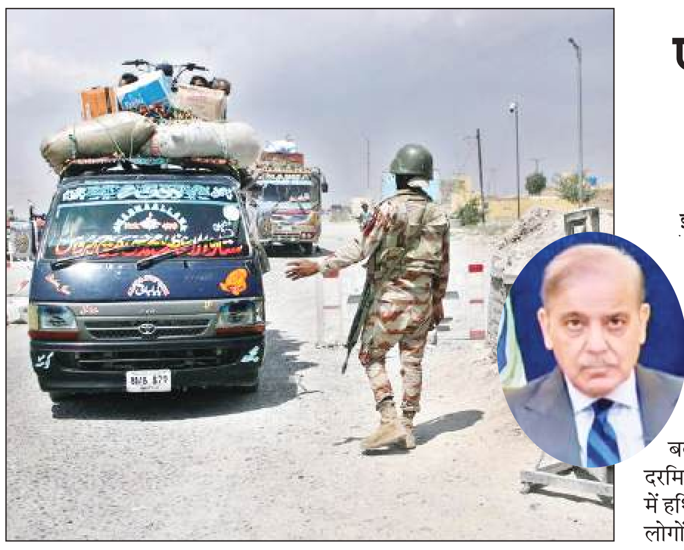

इस्लामाबाद/पेशावर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में हुए आतंकवादी हमलों की मंगलवार को कड़ी निंदा की। उन्होंने दोहराया कि देश से आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए उनकी सरकार कटिबद्ध है। बलूचिस्तान प्रांत में रविवार की दरमियानी रात को दो अलग-अलग हमलों में हथियारबंद हमलावरों ने कम से कम 37 लोगों की हत्या कर दी।

सरकारी रेडियो पाकिस्तान की खबर के मुताबिक बलूचिस्तान में हुई हिंसा के एक दिन बाद मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शरीफ ने आतंकवादी घटनाओं की कड़ी निंदा की जिनमें सुरक्षाकर्मियों सहित बेगुनाह पाकिस्तानियों की मौत हुई है। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के लोगों और सशस्त्र बलों के कर्मियों द्वारा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दी गई कुर्बानी बेकार नहीं जाएगी। उन्होंने कहा, ' पूरा राष्ट्र आतंकवाद के खात्मे के लिए कटिबद्ध है।'

प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा कि सभी उपलब्ध संसाधन सशस्त्र बलों को आतंकवाद को खत्म करने के लिए दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को समाप्त करने का समय आ गया है। शरीफ ने कहा कि उन लोगों से बातचीत के रास्ते खुले हैं जो पाकिस्तान और इसके संविधान में विश्वास करते हैं लेकिन दुश्मनों और आतंकवादियों से कोई बातचीत नहीं होगी।आतंकवादी घटनाओं का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि यह बात अब छिपी नहीं है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादी अफगानिस्तान से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं और आतंकवादी हमलों के पीछे उनका हाथ है। प्रधानमंत्री शरीफ ने एकता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि इस तरह की घृणित साजिशों का उद्देश्य केवल देश की प्रगति, बलूचिस्तान में चल रही चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के तहत चल रही परियोजनाओं में बाधा डालना तथा पाकिस्तान और चीन के बीच मजबूत दोस्ती को कमजोर करना है। इस बीच, पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने मंगलवार को बलूचिस्तान का दौरा किया। उन्होंने आतंकवाद से निपटने में सूबाई सरकार की कोशिशों के प्रति एकजुटता प्रकट की। वहीं, पाकिस्तान की सेना ने यह जानकारी दी कि अशांत कबायली जिले खैबर में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उसके दो सहयोगी समूहों के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए व्यापक अभियान में एक शीर्ष आतंकवादी कमांडर समेत 25 आतंकवादी मारे गए जबकि 11 अन्य घायल हो गए।

न्यूज ब्रीफ

इस्लामाबाद पीएम मोदी को शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित करेगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि इस्लामाबाद निश्चित रूप से भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित करेगा। सनद रहे यह सम्मेलन इस साल पड़ोसी मुल्क में अक्टूबर में होना है। पाकिस्तान इसका मेजबान है। वह इस समय सम्मेलन की तैयारियों में जुटा हुआ है। जियो न्यूज के अनुसार, आसिफ ने मंगलवार को एक निजी समाचार चैनल से बात करते हुए यह बयान उन अटकलों के बीच दिया कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी एससीओ बैठक में शामिल नहीं होंगे। रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान एससीओ शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री को आमंत्रित करेगा, तो उन्होंने कहा, 卐हां, निश्चित रूप से इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।卐 आसिफ ने याद दिलाया कि भारत ने जुलाई 2023 में क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी करते समय तत्कालीन विदेशमंत्री बिलावल-भुट्टो जरदारी को आमंत्रित किया था।

नेपाल में भारतीय पर्यटक बस दुर्घटना में लापता एक व्यक्ति का अब तक कोई सुराग नहीं

काठमांडू। पृथ्वी राजमार्ग के अंतर्गत अबुखैरेनी के ऐनापहारा में मार्स्यांगडी नदी में पिछले शुक्रवार को हुई भारतीय पर्यटक बस दुर्घटना के पांच दिनों बाद तक एक लापता व्यक्ति का पता नहीं चल पाया है। पोखरा से काठमांडू की तरफ जा रही भारतीय पर्यटक बस के नदी में गिर जाने से 27 यात्रियों की मौत हो गई थी जबकि 16 लोग घायल हो गए थे। इसी बस में सवार गोकर्ण संदीप सरोदे दुर्घटना के बाद से अब तक लापता हैं। तनहुं जिला पुलिस के डीएसपी दीपक राय ने बताया कि लगातार ढूंढने के बाद भी अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। डीएसपी राय के मुताबिक दुर्घटना के बाद सभी शवों और घायलों के मिल जाने के बाद बाकी बचे गोकर्ण संदीप सरोदे के बस के नीचे फंसे होने की आशंका जताई गई थी लेकिन बीते दिन ही बस को निकालने के बाद भी वहां कोई शव बरामद नहीं हो पाया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना स्थल से कई किमी दूर तक ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है। इस दुर्घटना में अब तक लापता रहे गोकर्ण संदीप सरोदे के माता पिता दोनों ही इसी दुर्घटना में मारे जा चुके हैं। दुर्घटना में मारे गए सभी के शवों को भारत पहुंचा दिया गया है और घायल 16 यात्रियों में से दो दिन पहले 7 लोगों को डिस्चार्ज कर दिया गया है जबकि 6 लोगों के डिस्चार्ज होने की जानकारी दी गई है।

जुकरबर्ग ने कहा, व्हाइट हाउस ने कोविड महामारी के दौरान फेसबुक पर डाला था दबाव

वाशिंगटन। मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कहा कि बाइडन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने महामारी के दौरान फेसबुक पर कोविड-19 से जुड़ी कुछ सामग्री को सेंसर करने के लिए दबाव डाला था। उन्होंने कहा कि यदि सोशल मीडिया कंपनी को फिर से ऐसी मांगों का सामना करना पड़ा तो वह इसका विरोध करेगी। सदन की न्यायापालिका से जुड़ी समिति के रिपब्लिकन अध्यक्ष, प्रतिनिधि जिम जॉर्डन को लिखे एक पत्र में जकरबर्ग ने आरोप लगाया कि व्हाइट हाउस के अफसरों समेत अधिकारियों ने फेसबुक पर कई महीनों तक हास्य और व्यंग्य सहित कुछ कोविड-19 सामग्री को हटाने के लिए बार-बार दबाव डाला। उन्होंने पत्र में कहा कि जब कंपनी सहमत नहीं हुई तो अधिकारियों ने काफी निराशा व्यक्त की। जुकरबर्ग ने 26 अगस्त को लिखे पत्र में कहा, मेरा मानना है कि सरकार का दबाव गलत था और मुझे खेद है कि हम इस बारे में अधिक मुखर नहीं थे। यह पत्र समिति के फेसबुक पेज और 'एक्स' पर उसके अकाउंट पर पोस्ट किया गया।

रूस-युक्रेन युद्ध जारी : एक-दूसरे पर कर रहे ताबड़तोड़ हमले

यूक्रेन ने कुर्स्क में करीब 500 वर्ग मील पर किया नियंत्रण, रूस ने बमबारी से किया पलटवार

कीव, 28 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन के सैनिकों ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में लगभग 1,300 वर्ग किलोमीटर (500 वर्ग मील) क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है। यूक्रेन की सेना के प्रमुख ने यह जानकारी दी। वहीं रूस ने मंगलवार को दूसरे दिन भी यूक्रेन पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। सोमवार को रूस ने 200 से अधिक मिसाइलों और ड्रोन से यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया था। इसमें आठ लोगों की मौत हुई थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सहयोगी पश्चिमी देशों से लंबी-दूरी तक मार करने में सक्षम हथियार देने की मांग की है। यूक्रेन ने कहा कि उसने मंगलवार को रूस के 10 मिसाइलों में से पांच को और 81 ड्रोन में से 60 को मार गिराया। हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सहयोगी पश्चिमी देशों से लंबी-दूरी तक मार करने में सक्षम हथियार देने की मांग की है और उनके रूस के अंदर हमले करने अनुमति भी मांगी।

जनरल ऑलेक्जेंडर सिर्स्की ने कहा कि यूक्रेन ने अपने अभियान में 594 रूसी लोगों को पकड़ लिया है। यह अभियान छह अगस्त से शुरू हुआ था। उनके दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

सिर्स्की ने कुर्स्क क्षेत्र की स्थिति को लेकर कहा, ''कुर्स्क क्षेत्र में हमारा अभियान जारी है और दुश्मन देश हमारे आक्रामक सैन्य समूह को घेरने का प्रयास कर रहा है और उनकी जवाबी कार्रवाई की योजना भी है।''

हमलों में पांच लोगों के मारे जाने और 16 अन्य के घायल होने की सूचना है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमलों में 81 ड्रोन, क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल शामिल थी। उन्होंने कहा कि चार लोग मारे गए, लेकिन जापोरीज्जिया क्षेत्र के गवर्नर ने बाद में कहा कि हमलों में पांचवें व्यक्ति की भी मौत हो गई।

जेलेंस्की ने 'एक्स' पर कहा, ''हम निसंदेह इस और अन्य सभी हमलों के लिए रूस को जवाब देंगे। मानवता के खिलाफ अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जा सकता।''

रूसी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि कुर्स्क में यूक्रेन को भारी नुकसान हुआ है। लगभग 6,600 सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं और 70 से अधिक टैंक और कई बख्तरबंद वाहन नष्ट हो गए हैं। इन आंकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।

इस बीच, रूस में अधिकारियों ने बताया कि कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन की चार मिसाइल को मार गिराया गया। क्षेत्र में लड़ाई ने वहां परमाणु ऊर्जा संयंत्र को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी मंगलवार को संयंत्र का निरीक्षण करने पहुंचे, लेकिन उन्होंने तत्काल कोई सार्वजनिक आकलन नहीं दिया।

यूक्रेन की लाइफ लाइन पर रूस ने की बमबारी, ठंड में बिगड़ सकते हैं हालात

यूक्रेन में सर्दी बर्फीली और ठंडी होती है, जिसमें तापमान शून्य से काफी नीचे चला जाता है। दिसंबर से मार्च तक चलने वाले सर्दियों के महीनों के दौरान, देश का औसत तापमान 23 डिग्री फ़ारेनहाइट और 36 डिग्री फ़ारेनहाइट के बीच रहता है। कुछ क्षेत्रों में जहां अंतर्राष्ट्रीय बचाव समिति काम करतीं है, तापमान नियमित रूप से -5 डिग्री फ़ारेनहाइट तक गिर जाता है। ऐसे में यदि बिजली व्यस्था ध्वस्त हो जाए तो हीटर चलना असंभव हो जाएगा और लोगों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। रूस ऐसे ही ठिकानों पर बमबारी कर रहा है जहां बिजली का सिस्टम ध्वस्त हो जाए। जाहिर है जब यूक्रेन में इतनी कड़ाके की ठंड होती है तो लोगों को गर्म रहने के लिए बिजली की आवश्यकता होगी। ऐसे में रूस द्वारा बिजली घरों को निशाना बनाने का मतलब है ठंड में लोगों को परेशान करना। अगर ज्यादा दिनों तक लगातार ऐसे हमले होते रहे तो लोगों की कंपाने वाली ठंड में जान भी जा सकती है। हो यह भी सकता है कि रूस द्वारा इस तरह के हमले करना उनके प्लान में भी शामिल हो।मंगलवार को कीव ने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर लगभग 200 मिसाइलें और ड्रोन दागे, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और देश भर में बिजली सुविधाओं पर हमला हुआ, जबकि पड़ोसी नाटो सदस्य पोलैंड ने बताया कि ड्रोन संभवतः उसके हवाई क्षेत्र में घुस आया था। अधिकारियों ने कहा कि कीव के कुछ हिस्सों सहित कई क्षेत्रों में बिजली कटौती और पानी की आपूर्ति बाधित होने की सूचना मिली है, क्योंकि यह हमला - रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के ढाई साल बाद - कम से कम 10 क्षेत्रों में बिजली या अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किया गया। रूस-यूक्रेन एक दूसरे पर ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं। एक तरफ रूस यूक्रेन पर लगातार हमला कर रहा है। वहीं दूसरी ओर यूक्रेन इन हमलों का करारा जवाब दे रहा है।

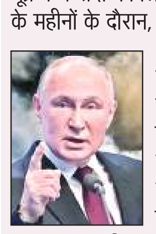

तख्ता पलट के बाद बिखर रहा बांग्लादेश

बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त समेत चारों कमिश्नर कभी भी दे सकते हैं इस्तीफा

ढाका, 28 अगस्त (एजेंसियां)। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश का चुनाव आयोग संकट में है। मुख्य चुनाव आयुक्त और चारों चुनाव आयुक्त किसी भी समय इस्तीफा देने को तैयार हैं। उन्हें डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की हरी झंडी का इंतजार है।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, आयोग के इन आला अधिकारियों ने सरकार के शीर्ष अधिकारियों से मिलने की कोशिश की। इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) काजी हबीबुल अवल ने एक राष्ट्रीय दैनिक में कॉलम लिखकर सरकार तक अपनी स्थिति पहुंचाने की कोशिश की है। पांच अगस्त को शेख हसीना के इस्तीफे के बाद सीईसी अवल, कमिश्नर ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) अहसान हबीब, एमडी आलमगीर, बेगम रशीदा सुल्ताना कार्यालय में मौजूद थे। आयुक्त अनीसुर रहमान उस दिन आफिस नहीं आए।

आयोग के इन आला अफसरों ने 12 अगस्त को एक आपातकालीन बैठक कर इस्तीफे के मुद्दे पर चर्चा की। इस बैठक में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार से संपर्क करने पर भी निर्णय हुआ। सीईसी खुद डॉ. यूनुस से मिलना चाहते थे। उल्लेखनीय है कि छह अगस्त को अग्रगांव में चुनाव आयोग के भवन के मुख्य द्वार पर एक बैनर लटका दिया गया था। इस पर इस्तीफा देने की मांग की गई थी। ताजा हाल यह है कि आयुक्तों में अहसान हबीब नियमित रूप से काम कर रहे हैं। अन्य कभी-कभार ही कार्यालय आते हैं।

अंतरिम सरकार के गठन के तुरंत बाद मुख्य न्यायाधीश और अटॉर्नी जनरल सहित अपीलीय प्रभाग के पांच न्यायाधीशों ने इस्तीफा दे दिया। संवैधानिक संस्थाओं में चुनाव आयोग, लोक सेवा आयोग (पीएससी), नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने अभी तक इस्तीफा नहीं दिया है। वैधानिक निकायों में विधि आयोग के अध्यक्ष और विभिन्न सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने इस्तीफा दे दिया है।

ट्रंप की पार्टी के दो सौ से अधिक कर्मचारियों ने किया कमला हैरिस को समर्थन

वाशिंगटनू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा झटका लगा है। उनकी ही पार्टी से जुड़े 200 से अधिक कर्मचारियों ने डेमोक्रेटिक कैंडिडेट कमला हैरिस के समर्थन का ऐलान कर दिया है। इसके लिए उन्होंने एक खुली चिट्ठी जारी की है। अमेरिका के लोगों से कहा कि अगर ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो यह काफी अस्थिर स्थिति देश के लिए होगी। लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में काफी अस्थिरता का सामना करने पड़ेगा। बता दें कि चुनाव के दिन के करीब आते ही राजनीतिक गलियारे के दूसरे पक्ष से समर्थन प्राप्त करना ट्रंप और हैरिस दोनों के लिए एक रणनीति बन गई है। मेसा, एरिज़ोना के मेयर जॉन जाइल्स, इलिनोइस के पूर्व प्रतिनिधि एडम किंजिंगर और ट्रंप की पूर्व प्रेस सचिव स्टेफ़नी ग्रिशम सहित कई रिपब्लिकन ने पिछले हफ्ते शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में कमला हैरिस के पक्ष में बात की थी।

पहली बार लिखे गए एक खुले पत्र में पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश, पूर्व एरिज़ोना सीनेटर जॉन मैककेन और यूटा सीनेटर मिट रोमनी के लिए काम करने वाले 238 लोगों ने उदारवादी रिपब्लिकन और रूढ़िवादी इंडिपेंडेंट लोगों से कमला हैरिस और उनके साथी मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज़ का समर्थन करने के लिए उनका साथ देने का आह्वान किया है। रिपब्लिकन ने लिखा कि इस बात में कोई शंका नहीं है कि हमारे पास उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और गवर्नर वाल्ज से हमारी बहुत सारी ईमानदार, वैचारिक असहमतियां हैं। हालांकि हमें जो विकल्प दिया गया है वह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हस्ताक्षर करने वालों में जॉर्ज डब्ल्यू बुश और मैककेन अभियान के पूर्व छात्र रीड गैलेन भी शामिल हैं। जिन्होंने ट्रंप विरोधी समूह द लिंकन प्रोजेक्ट की स्थापना की थी। इसमें ओलिविया ट्रॉय भी शामिल हैं जो कि जॉर्ज डब्ल्यू. बुश की पूर्व कर्मचारी और ट्रंप के उपराष्ट्रपति माइक पेंस की सलाहकार हैं।हस्ताक्षर करने वालों ने चेतावनी देते हुए कहा, डोनाल्ड ट्रंप के अराजक नेतृत्व के एक और चार साल अमेरिका को नुकसान पहुंचाएगा। हमारी पवित्र संस्थाओं को कमजोर करेगा। एक बयान में ट्रंप अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने पत्र को हास्यास्पद कहा। उन्होंने कहा कि कोई नहीं जानता कि ये लोग कौन हैं।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने विपक्ष पर लगाया आर्थिक तख्तापलट का आरोप

माले, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने विपक्ष पर आर्थिक तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगाया है। मुइज्जू ने कहा कि उनकी सरकार गिराने की साजिश रचने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दिनों मालदीव के सरकारी बैंक ऑफ मालदीव ने एमवीआर अकाउंट से जुड़े नए डेबिट कार्ड से विदेशी लेनदेन पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही स्टैंडर्ड और गोल्ड क्रेडिट कार्ड की मासिक लिमिट घटाकर 100 डॉलर कर दी। हालांकि, इस फैसले को कुछ घंटे के बाद ही वापस ले लिया गया।

मुइज्जू ने सत्तारूढ़ पीपुल्स नेशनल कांग्रेस की बैठक में कहा कि उन्हें जैसे ही स्थिति का पता चला, उन्होंने अपने मंत्रियों के साथ मिलकर बैंक के मुद्दे का समाधान खोजने के लिए काम किया। बैंक का फैसला उनकी सलाह के खिलाफ था। बैंक ऑफ मालदीव के फैसले का ऐलान उनके आदेश के बावजूद किया गया। अब इसकी जांच की जा रही है।

विपक्षी नेता इस्माइल ने कहा- गड़बड़ी सरकार के अंदर ही है

मुइज्जू ने कहा कि कुछ चुनिंदा लोगों ने रणनीति के तहत आर्थिक तख्तापलट करने की कोशिश की है। थोड़ा सोच-विचार करने के बाद पूरा मामला समझ में आ जाएगा। यह बिना किसी संदेह के तख्तापलट की कोशिश थी। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने यह सवाल उठाया है कि सरकार के नियंत्रण वाले बैंक ने ऐसा फैसला क्यों लिया? लेकिन वह यह नहीं जानते कि बीएमएल के निदेशक बोर्ड में सरकार का बहुमत नहीं है। मौजूदा समय में केवल चार सरकारी निदेशक हैं। बाकी पांच निदेशक सरकार से जुड़े नहीं हैं इसलिए हमारे पास बहुमत नहीं है। हमने दो डायरेक्टर्स नॉमिनेट किए हैं. लेकिन उनकी नियुक्ति में अभी कुछ समय लगेगा।

इस बीच मुख्य विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के चेयरमैन फैयाज इस्माइल ने कहा कि इन घटनाक्रमों से पता चलता है कि मुइज्जू सरकार के भीतर ही तख्तापलट का प्रयास हो रहा था। बाहरी ताकतों की इसमें कोई भूमिका नजर नहीं आती। हालांकि, उन्होंने मुइज्जू के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि गड़बड़ी सरकार के अंदर ही है। अंदर ही अंदर कुछ हो रहा है। अगले कुछ दिनों में हमें तख्तापलट देखने को मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि जब किसी देश का मुखिया ही यह आरोप लगाए कि जिस बैंक पर उनका नियंत्रण हैं, उसने विपक्ष के साथ मिलकर तख्तापलट की साजिश रची है, तो यह बैंक ऑफ मालदीव के खिलाफ बड़ा आरोप है।

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने की पाकिस्तान के उच्चायुक्त से मुलाकात

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर हुई विस्तृत बातचीत

ढाका, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने मंगलवार को पाकिस्तान के उच्चायुक्त सैयद अहमद मारोफ से मुलाकात की।

उच्चायुक्त मारोफ ने बताया कि बांग्लादेश में आई बाढ़ के कारण होने वाली तबाही से पाकिस्तान की सरकार ने चिंता जताने के साथ ही राहत सामाग्री की एक सूची साझा की जो जरूरतमंद लोगों को देने के लिए तैयार है। जिसे एक इशारे पर बेहद कम समय में वितरित किए जा सकता है। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान राहत उपायों में सहायता के लिए तैयार है।

उच्चायुक्त ने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग को मजबूत करने की गहरी इच्छा व्यक्त करते हुए बहुपक्षीय वार्ता की। उन्होंने कहा कि हमारे दो लोगों को जोड़ने वाले बिरादरी के मजबूत बंधन साझा इतिहास, सामान्य विश्वास, सांस्कृतिक समानताएं और हितों को परिवर्तित करने में गहराई से निहित हैं।

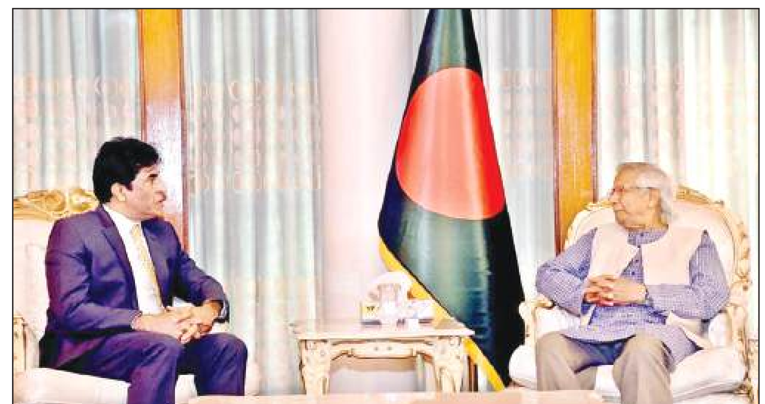

उच्चायुक्त ने सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए दोनो देशों के बीच के संपर्कों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान द्वारा समर्थित आर्थिक और व्यापार संबंधों पर मुख्य ध्यान केंद्रित किया गया। जिसके तहत वीजा प्रक्रिया में आसानी और पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने पर भी चर्चा करने के साथ आपसी व्यापार को बढ़ाने और लोगों को आपस में जोड़ने की वकालत की जो दोनों देशों के लिए पारस्परिक रूप से फायदेमंद है। छात्रों, युवाओं, व्यवसाय और सांस्कृतिक आदान -प्रदान से संबंधित सहयोगों के विभिन्न मार्गों पर भी चर्चा की गई।

आपसी हितों की दिशा में काम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की

मुख्य सलाहकार ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग विशेष रूप से सार्क और दक्षिण एशिया के लोगों को जोड़ने और उनके जीवन को बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को साझा किया। उन्होंने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों और सार्क पर विचारों की आम सहमति को बढ़ावा देने में सराहना की और आपसी हितों की दिशा में काम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सिंकफील्ड कप : आठवें राउंड में गुकेश ने गिरी से ड्रा खेला, प्रज्ञानानंद ने कारुआना को बराबरी पर रोका

सेंट लुईस, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश और आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड शतरंज टूर के तहत सिंकफील्ड कप में आठवीं बार ड्रा खेला। विश्व चैम्पियनशिप के चैलेंजर गुकेश ने हॉलैंड के अनीश गिरी के साथ मात्र 23 चालों में मैच ड्रा किया, जबकि प्रज्ञानानंद ने भी यही किया और स्थानीय पसंदीदा फैबियानो कारूआना के साथ 28 चालों में मैच ड्रा किया।

आठवें राउंड में सभी गेम ड्रॉ पर समाप्त होने के साथ, फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने एक राउंड शेष रहते हुए ग्रैंड शतरंज टूर जीत लिया और अपने सफल प्रदर्शन के बाद 100,000 अमेरिकी डॉलर के हकदार बन गए। आठवें राउंड में, फिरोजा ने सबसे लंबा गेम खेला जो रूसी इयान नेपोमनियाचची के खिलाफ 80 चालों के बाद शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हुआ। दस खिलाड़ियों के डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में दिन के दो अन्य खेलों में, उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चीन के डिंग लिरेन के साथ अंक बांटे और फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव ने संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्ले सो के साथ ड्रॉ खेला। अलीरेजा ने आठ बाजियों में अपने अजेय अंक 5.5 तक पहुंचा दिए हैं और कारुआना ही एकमात्र खिलाड़ी है जो अंक तालिका में उनसे आगे निकल सकते है, बशर्ते अलीरेजा प्रज्ञानानंद के खिलाफ अपना अंतिम मुकाबला हार जाए और अमेरिकी खिलाड़ी गिरी को हरा दें। तीसरे स्थान पर अभी भी पांच खिलाड़ी चार-चार अंक लेकर हैं। वे खिलाड़ी गुकेश, प्रज्ञानानंद, वचियर-लाग्रेव सो और अब्दुसत्तोरोव हैं।

यूपी टी-20 लीग : रिंकू ने आक्रामक पारी खेलकर मेरठ मेवरिक्स को जीत दिलायी

लखनऊ । रिंकू सिंह की आक्रामक पारी से मेरठ मेवरिक्स टीम ने यूपी टी-20 लीग में कानपुर सुपरस्टार्स को हरा दिया। इस मैच में 153 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हुए एक समय मेरठ ने 54 रन पर पर ही अपने शीर्ष बल्लेबाज खो दिये थे। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे रिंकू ने चौके , छक्के लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। रिंकू ने लगातार दूसरे मैच में नाबाद पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई। इस बल्लेबाज ने 35 गेंद खेलकर नाबाद 48 रन बनाए।

न्यूज ब्रीफ

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट से हराया 3-0 से सीरीज जीती

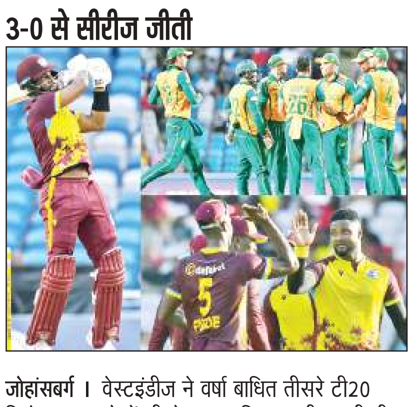

जोहांसबर्ग । वेस्टइंडीज ने वर्षा बाधित तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में भी मेजबान दक्षिण अफ्रीका की टीम को आठ विकेट से हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। तीसरे और अंतिम मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 13 ओवर में 4 विकेट पर 118 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले संशोधित लक्ष्य 116 रन को वेस्टइंडीज ने 9.2 ओवर में ही दो विकेट पर हासिल कर लिया। इस प्रकार तीन मैचों की इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीकी टीम एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई। बारिश की वजह से तीसरे टी20 मुकाबले में 13-13 ओवर ही खेले गये। ऐसे में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ने ट्रिस्टन स्टब्स के 40 रनों की सहायता से 4 विकेट पर 118 रन बनाए। डकवर्थ लुईस नियम के मुताबिक वेस्टइंडीज के सामने जीत के लिए 116 रन का संशोधित रखा गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए शाई होप ने 24 गेंद पर 42 रनों की आक्रामक पारी खेली। वहीं निकोलस पूरन ने 13 गेंद पर 35 रन बनाकर मैच पर कब्जा जमा लिया। अंत में शिमरोन हेटमायर ने तेजी से 31 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

हीथर नाइट की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी इंग्लैंड, ईसीबी ने घोषित की 15 सदस्यीय टीम

लंदन । हीथर नाइट की कप्तानी में इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले टी20 विश्वकप में उतरेगी। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने विश्वकप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में द हंड्रेड प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी अवसर मिला है। टीम में शामिल स्पिनर लिंसे स्मिथ, तेज गेंदबाज लॉरेन बेल, ऑलराउंडर डेनी गिब्सन और कीपर-बल्लेबाज बेस हीथ ने द हंड्रेड में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर जगह बनायी है। हैरानी की बात है कि अनुभवी सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट को 164 रन बनाने के बाद भी टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा तेज गेंदबाज केट क्रॉस और युवा तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर को भी टीम में अवसर नहीं मिला है। इंग्लैंड टीम को विश्वकप में बांग्लादेश, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। कप्तान हीथर नाइट इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, विश्व कप हमेशा एक खिलाड़ी के लिए विशेष आयोजन होते हैं और मैं यूएई में जाने के लिए चुनी गई टीम से बहुत उत्साहित हूं। वहीं मुख्य कोच जॉन लुईस ने कहा, मुझे लगता है कि चुने गए 15 खिलाड़ी सभी मामलों में बेहतर हैं और हमें एक अच्छी टीम मिली है।

हरमनप्रीत को टी20 विश्वकप जीतने का भरोसा

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि इस बार उनकी टीम का लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना रहेगा। टी20 विश्वकप अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा।

हरमनप्रीत का मानना है कि यूएई के हालात उनकी टीम के लिए लाभप्रद रहेंगे। हरमनप्रीत ने कहा, 'जब भी हम विश्व कप जैसे किसी आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं तो हमारा लक्ष्य बेहमतर प्रदर्शन करना रहता है। साथ ही कहा कि हमने पूर्व में भी हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है और उम्मीद करते हैं कि इस बार भी हम अंतिम बाधा को पार करने में सफल रहेंगे और खिताबी जीत हासिल करेंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि टूर्नामेंट के आयोजन स्थल में बदलाव से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि यूएई के मैदान भारत के जैसे ही हैं। उन्होंने कहा, 'हमने यूएई में काफी क्रिकेट नहीं खेला है पर यूएई की परिस्थितियों हमारे यहां के समान ही नजर आती हैं। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम 2020 टी20 विश्व कप के फाइनल में हार गयी थी पर इस बार वह कोई गलती नहीं करना चाहतीं। उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे कि वहां के हालात कैसे होते हैं, हम जितनी जल्द हो हालात से तालमेल बैठाने के पूरे प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि हालात चाहे जैसे भी हों टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के प्रयास करेगी। उन्होंने कहा, 'एक टीम के रूप में, हम अपनी असफलताओं से ही सीखते हैं ।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

हॉकी इंडिया ने किया 18 सदस्यीय पुरुष टीम का ऐलान, इन्हें मिला गोलकीपिंग का जिम्मा

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

आठ से 17 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए हॉकी इंडिया ने बुधवार को 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपना प्रभाव छोड़ने के लिए तैयार है। आठ से 17 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए हॉकी इंडिया ने बुधवार को 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे।

कृष्ण बहादुर पाठक बने मुख्य गोलकीपर

भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के संन्यास के बाद आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृष्ण बहादुर पाठक को भारतीय हॉकी टीम का मुख्य गोलकीपर बनाया गया है। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया था। पेरिस ओलंपिक में भारत के स्टैंडबाय गोलकीपर रहे पाठक अब मुख्य गोलकीपर होंगे, जबकि सूरज करकेरा रिजर्व गोलकीपर रहेंगे।

अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को उपकप्तान बनाया गया है। नियमित उपकप्तान हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह को आराम दिया गया है। भारत के उदीयमान ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह जूनियर के लिए भी यह सुनहरा मौका होगा। वह प्रो लीग में अपनी प्रतिभा की बानगी दे चुके हैं। अराइजीत सिंह हुंडल टीम में तीसरे ड्रैग फ्लिकर होंगे।

डिफेंस का जिम्मा जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित पर होगा। वहीं मिडफील्ड में राजकुमार पाल, नीलाकांत शर्मा, मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में अभिषेक, सुखजीत सिंह, हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह रहेंगे।

चीन के खिलाफ मैच से अभियान की शुरुआत करेगा भारत

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम के 10 सदस्य इस टीम में हैं। भारतीय टीम आठ सितंबर को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद जापान (नौ सितंबर), मलेशिया (11 सितंबर), कोरिया (12 सितंबर) और पाकिस्तान (14 सितंबर) से खेलना है। सेमीफाइनल 16 सितंबर को और फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम इस प्रकार है...

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित

मिडफील्डर: राजकुमार पाल, नीलाकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील

फॉरवर्ड : अभिषेक, सुखजीत सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह।

आईसीसी के नए चेयरमैन बने जय शाह

चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर पीसीबी की मांग से निपटना होगा

मुंबइ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जय शाह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नए चेयरमैन बन गये हैं पर उनके लिए राह आसान नहीं रहेगी। जय शाह को एक दिसंबर से आईसीसी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालनी होगी।

इसके बाद उनके सामने सबसे कठिन चुनौती अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन रहेगी। उनके आईसीसी प्रमुख रहते हुए पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने की मांग करेगी। वहीं पाक के राजनीतिक हालातों को देखते हुए भारतीय टीम के पाक जाने की कोई संभावना नहीं है।

अगर भारत सुरक्षा कारणों से अपनी टीम पाक भेजने से इंकार करता है और बाकी टीमें वहां आने को तैयार हैं, तो फिर यह मामला आईसीसी के पास जाएगा। ऐसे में पीसीबी आईसीसी से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शिकायत करेगा। तब शाह को तटस्थ रहते हुए इस पर अपना फैसला देना होगा जो आसान नहीं रहेगा।

जय शाह बीसीसीआई सचिव के साथ-साथ एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चेयरमैन भी रहे हैं। एसीसी चेयरमैन रहते हुए उन्होंने एशिया कप 2023 की मेजबानी के लिए हाइब्रिड मॉडल का समर्थन किया था।

इसके चलते पाक को अपनी मेजबानी के कुछ मैच श्रीलंका की सह मेजबानी में कराने पड़े थे। अब यह देखना होगा कि जय शाह आईसीसी चेयरमैन के तौर पर इस बार हालातों का किस प्रकार सामना करते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल में ही होने की संभावना है। इस मॉडल के तहत टूर्नामेंट का मेजबान पाकिस्तान ही रहेगा पर भारतीय टीम के मैच किसी अन्य स्थल पर होंगे।

उरुग्वे के डिफेंडर जुआन इजक्विएर्डो की मैच के दौरान गिरने से मौत

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। उरुग्वे फुटबॉल क्लब नैशनल के डिफेंडर जुआन इजक्विएर्डो, जो पिछले सप्ताह अनियमित हृदयगति के कारण मैदान पर गिर पड़े थे, की मृत्यु हो गई है। वह 27 वर्ष के थे। उरुग्वे क्लब ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

22 अगस्त को साओ पाउलो के खिलाफ नैशनल के मैच के दौरान अनियमित दिल की धड़कन के बाद इजक्विएर्डो अस्पताल में अपनी ज़िंदगी के लिए संघर्ष कर रहे थे। यह घटना खेल के 84वें मिनट में हुई, जब इजक्विएर्डो अन्य खिलाड़ियों से संपर्क किए बिना ही बेहोश हो गए। चिकित्सा कर्मी उनकी सहायता के लिए दौड़े, उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में ले जाने से पहले मैदान पर ही तत्काल उपचार दिया गया।

डॉक्टरों के बेहतरीन प्रयासों के बावजूद, इजक्विएर्डो की हालत अगले कुछ दिनों में बिगड़ती चली गई, जिसके कारण उनकी मृत्यु हो गई।

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में नैशनल ने इस खबर की पुष्टि की। क्लब ने पोस्ट किया, क्लब नैशनल अपने प्रिय खिलाड़ी जुआन इजक्विएर्डो के मृत्यु की घोषणा करते हुए बहुत दुख और सदमे में है। हम उनके परिवार, दोस्तों, सहकर्मियों और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। नैशनल के सभी लोग उनके अपूर्णीय नुकसान के लिए शोक में हैं। इस घटना के बाद उरुग्वे के फुटबॉल अधिकारियों ने सप्ताहांत में सभी प्रथम और द्वितीय श्रेणी के मैच स्थगित कर दिए।

इंटर मियामी के स्ट्राइकर और उरुग्वे के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लुइस सुआरेज़ ने इस खबर पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा, दर्द, दुख, इसे बयां करना मुश्किल है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। मैं उनके परिवार और दोस्तों के लिए ढेर सारी शक्ति की कामना करता हूँ।

नैशनल के प्रतिद्वंद्वी साओ पाउलो ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। ब्राज़ीलियाई क्लब के प्रवक्ता ने इसे फुटबॉल के लिए दुखद दिन बताया।

अमेरिकी ओपन : जोकोविच ने 89वीं जीत के साथ ही फेडरर की बराबरी की, गॉफ भी अगले दौर में पहुंची

न्यूयॉर्क, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सर्बियाई टेनिस स्टार और ओलंपिक स्वर्ण विजेता नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन टेनिस में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने पुरुष एकल के पहले दौर के मैच में मोल्दोवा के क्वालीफायर राडू अल्बोट को 6-2, 6-2, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाने के साथ ही अपना 89वां मैच जीत कर स्विटजरलैंड के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। वहीं महिला एकल में जीत के साथ ही अमेरिका की कोको गॉफ दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। कोको ने पहले दौर के मैच में वरवरा ग्रेचेवा को असानी से 6-2, 6-0 से हराया। गॉफ पिछले कुछ समय से जीत के लिए संघर्ष कर रही थी पर यहां उन्होंने शुरू से लेकर अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी।

जोकोविच का अगला मुकाबला सर्बिया के उनके हमवतन लास्लो जेरे से होगा जिन्होंने एक अन्य मैच में जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-7 (7), 6-1, 6-7 (7), 6-4, 6-2 से हराया। अमेरिका के ही बेन शेल्टन ने पुरुष एकल में अपने से अधिक वरीयता वाले डोमिनिक थिएम को 6-4, 6-2, 6-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। थिएम ने इस मैच के साथ ही खेल को अलविदा कह दिया। उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस सत्र के बाद वह संन्यास ले लेंगे। पुरुष वर्ग में जिस वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा वह 15वें वरीय होल्गर रूण थे, जिन्हें अमेरिका के ब्रैंडन नकाशिमा ने 6-2, 6-1, 6-4 से हराया। पुरुष वर्ग में अलेक्जेंडर ज्वेरेव, एंड्री रुबलेव, कैस्पर रूड, वह ग्रिगोर दिमित्रोव भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं।

वहीं महिला एकल में स्लोएन स्टीफंस को क्लारा ब्यूरेल से 0-6, 7-5, 7-5 से हार झेलनी पड़ी।

इसके अलावा झेंग क्विनवेन, डोना वेकिच, डारिया कसाटकिना और मैडिसन कीज़ भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गयीं।

टी20 महिला विश्व कप

भारत का पहला मुकाबला वेस्टइंडीज से, अभ्यास मैच 28 सितंबर से शुरु होंगे

दुबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 महिला विश्व के लिए अभ्यास मैचों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें भारतीय टीम वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से दुबई में दो अभ्यास मैच खेलेगी।

भारतीय टीम का पहला अभ्यास मैच 29 सितंबर को वेस्टइंडीज जबकि एक अक्टूबर को वह दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। महिला टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली सभी 10 टीमों को दो-दो अभ्यास मैच खेलने को मिलेंगे।

पहला अभ्यास मुकाबला 28 सितंबर को पाकिस्तान और स्कॉटलैंड और श्रीलंका व बांग्लादेश के बीच होगा। वहीं गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 29 सितंबर को इंग्लैंड से खेलेगी। इसके बाद उसका सामना एक अक्टूबर को दुबई में वेस्टइंडीज से होगा। अभ्यास मैच 20 ओवर के होंगे और इसमें प्रत्येक टीम अपने सभी 15 खिलाड़ियों को मुकाबले में उतार सकेगी।।

किसी भी ग्रुप की दो टीम अभ्यास मैच के दौरान एक दूसरे से नहीं खेलेंगी। इसमें भारत को ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है जबकि।

ग्रुप बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और बांग्लादेश की टीमें रहेंगी। विश्वकप के मुख्य मुकाबले तीन अक्टूबर से शुरु होंगे।

अभ्यास मुकाबलों का कार्यक्रम इस प्रकार है :

- 28 सितंबर : पाकिस्तान बनाम स्कॉटलैंड (सेवेंस, दुबई)
- 28 सितंबर : श्रीलंका बनाम बांग्लादेश (आईसीसीए 1, दुबई)
- 29 सितंबर : न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका (सेवेंस, दुबई)
- 29 सितंबर : भारत बनाम वेस्टइंडीज (आईसीसीए 2, दुबई)
- 29 सितंबर : ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड (आईसीसीए 1, दुबई)
- 30 सितंबर : श्रीलंका बनाम स्कॉटलैंड (सेवेंस, दुबई)
- 30 सितंबर : बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान (आईसीसीए 2, दुबई)
- एक अक्टूबर : वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया (सेवेंस, दुबई)
- एक अक्टूबर: इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड (आईसीसीए 2, दुबई)
- एक अक्टूबर: दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत (आईसीसीए 1, दुबई)।

जन–धन योजना ने गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में शामिल किया :सीतारमण

नई दिल्ली,28 अगस्त (एजेंसियां) ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश पहल है। सीतारमण ने कहा कि ये योजना गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में लाती है और हाशिए पर मौजूद समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सीतारमण ने देश में वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन-प्रधानमंत्री जन-धन योजना के सफलतापूर्वक एक दशक (दस वर्ष) पूरा होने के अवसर पर जारी एक बयान में ये बात कही। उन्होंने कहा कि पीएमजेडीवाई की शुरुआत के बाद से अबतक 53.14 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को बैंकिंग सुविधा मिली है।

वित्त मंत्री ने कहा कि पीएमजेडीवाई लाभार्थियों के खातों में कुल जमा राशि 2,31,236 करोड़ रुपये है। पीएमजेडीवाई खाते मार्च, 2015 में 15.67 करोड़ से 3.6 गुना बढ़कर 14 अगस्त, 2024 तक 53.14 करोड़ हो गए हैं। उन्होंने कहा कि करीब 55.6 फीसदी जन-धन खाताधारक महिलाएं हैं, जबकि करीब 66.6 फीसदी जन-धन खाते ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में हैं। वहीं, पीएमजेडीवाई खाताधारकों को 36.14 करोड़ रुपे कार्ड जारी किए गए हैं, जो 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि इस योजना से जन-धन, मोबाइल एवं आधार को लिंक करते हुए सहमति आधारित पाइपलाइन वित्तीय समावेशन परिवेश का एक सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है जिसने सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को पात्र लाभार्थियों के खाते में त्वरित, निर्बाध एवं पारदर्शी तरीके से हस्तांतरित करने में सक्षम बनाया है और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया है। उन्होंने इस योजना के दस वर्ष पूरा होने की पूर्व संध्या पर कहा था कि सरकार की योजना चालू वित्त वर्ष में 3 करोड़ और अकाउंट खोलने की है।

पीएमजेडीवाई के दस वर्ष पूरा होने पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि ये योजना न केवल मिशन मोड में शासन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि अगर सरकार लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हो तो वह क्या नहीं हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक के दौरान प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत किए गए प्रयासों ने प्रभावी तौर पर परिवर्तनकारी एवं दिशात्मक बदलाव किए हैं। इससे बैंक एवं वित्तीय संस्थान समाज के अंतिम व्यक्ति यानी सबसे गरीब व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में समर्थ हुए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गुपकार गैंग...

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातचीत में रूस-यूक्रेन युद्ध के अलावा बांग्लादेश की स्थितियों पर भी चर्चा हुई और वहां की कानून-व्यवस्था की बहाली और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मसला उल्लेखनीय रूप से चर्चा में आया। लेकिन अमेरिका ने बाइडेन-मोदी वार्ता की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का का मुद्दा गायब कर दिया। जबकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने बातचीत के बाद इस बात की आधिकारिक तौर पर पुष्टि की थी। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी की बातचीत की प्रेस रिलीज में बताया गया कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति बायडेन को अपनी हालिया पोलैंड और यूक्रेन यात्रा के विषय में जानकारी दी। इसमें बताया गया कि पीएम मोदी ने ने यूक्रेन-रूस संघर्ष का बातचीत से हल हो, इसके लिए अपना पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने जल्द शांति बहाली की आशा जताई है। प्रेस रिलीज में बताया गया कि दोनों नेताओं ने बांग्लादेश में बिगड़े हालातों पर चिंता जताई है। दोनों नेताओं ने यहां कानून का राज दुबारा कायम करने और अल्पसंख्यकों विशेष कर हिंदुओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने पर जोर दिया है। जब अमेरिकी पक्ष ने अपनी प्रेस रिलीज जारी की तो इसमें अपने रणनीतिक हित वाले मुद्दे ही रखे। पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा और यूक्रेन-रूस संघर्ष के शांतिपूर्ण हल का जिक्र तो किया, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मसला गायब कर दिया।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक मामलों के मंत्री-सलाहकार ग्राहम मेयर और फर्स्ट सेक्रेटरी गैरी एप्पलगार्थ सहित संयुक्त राज्य अमेरिका के राजनयिकों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। यह मुलाकात अब्दुल्ला के श्रीनगर में गुपकार रोड स्थित आवास पर हुई। बैठक के दौरान नेताओं और राजनयिकों ने जम्मू-कश्मीर और सामान्य रूप से क्षेत्र से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के लिए ट्रैवल एडवाइजरी पर फिर से विचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की ओर से सांसद और वरिष्ठ एनसी नेता रूहुल्लाह मेहदी भी बैठक में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि अब्दुल्ला ने अमेरिकी राजनयिकों को अपने परिवारों के साथ कश्मीर आने के लिए आमंत्रित किया। ऊपर ऊपर से अमेरिकी राजनयिकों की कश्मीर यात्रा दोस्ताना दिख सकती है, लेकिन ध्यान दिया जाना चाहिए कि केवल अगस्त महीने में ही अमेरिकी राजनयिकों ने पर्दे के पीछे कई भारतीय नेताओं से मुलाकात की है। इसी दरम्यान अमेरिकी राजनयिक जेनिफर लार्सन की कई भारतीय विपक्षी नेताओं के साथ बैठकें हुई हैं। लार्सन हैदराबाद में अमेरिकी मिशन की प्रभारी अमेरिकी महावाणिज्यदूत हैं। उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से भी मुलाकात की। उन्होंने स्वीकार भी किया कि असदुद्दीन ओवैसी से उनकी मुलाकात हुई और लार्सन ने ओवैसी के आतिथ्य की खूब प्रशंसा की। लार्सन ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से भी मुलाकात की। रेखांकित करने की बात यह है कि इस अमेरिकी राजनयिक ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से भी मुलाकात की और काफी देर तक बैठक की।लार्सन ने जुलाई में भी एआईएमआईएम प्रमुख और तेलंगाना के मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। कुतुब शाही हेरिटेज पार्क के पूरा होने के समारोह में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पर्यटन और संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी और प्रिंस रहीम आगा खान के साथ अमेरिकी राजनयिक जेनिफर लार्सन खूब अंतरंग होती दिखाई पड़ीं।अमेरिकी राजनयिकों और भारतीय विपक्षी नेताओं के बीच हाल ही में हुई बैठकों को लेकर विशेषज्ञ इस बात की चिंता जता रहे हैं कि अमेरिका भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने की कोशिश कर रहा है और यह आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के संदर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश में पहले अमेरिकी दखल के समान ही एक समानता देखी जा सकती है, जहां रिपोर्ट बताती है कि शेख हसीना की सरकार को गिराने में यूएसएआईडी और अन्य विदेशी हित शामिल रहे हैं।शेख हसीना के खिलाफ प्रतिरोध आंदोलनों को अमेरिका द्वारा समर्थन दिए जाने के तथ्य सामने आए हैं, जिसके कारण बांग्लादेश में तनाव और अशांति बढ़ी है। ये कार्रवाइयां अमेरिका द्वारा बार-बार किए जाने वाले आचरण का संकेत हैं, जहां वह संप्रभु राज्यों की स्थानीय राजनीति को प्रभावित करने के लिए अपनी कूटनीतिक ताकत का इस्तेमाल करता है। इस पृष्ठभूमि के मद्देनजर, अमेरिकी राजनयिकों और भारतीय विपक्ष के बीच इस तरह की बातचीत कुछ लोगों के लिए संदेहास्पद हैं, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर की संवेदनशील स्थिति को देखते हुए, जहां कोई भी बाहरी ताकत क्षेत्र की राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

बस बहुत हो...

देश को इस पर गुस्सा जाहिर करना ही चाहिए और मैं भी इससे गुस्से में हूं। राष्ट्रपति ने इस मसले पर महिला सुरक्षा: बस बहुत हुआ शीर्षक से एक भावप्रवण लेख भी लिखा है।मुर्मू ने कहा, जब कोलकाता में छात्र, डॉक्टर और नागरिक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, अपराधी खुलेआम घूम रहे थे। उन्होंने कहा कि पीड़ितों में किंडरगार्टन की लड़कियां भी शामिल हैं। रक्षा बंधन पर स्कूली बच्चों के एक समूह के साथ अपनी हाल की मुलाकात को याद करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मुझसे मासूमियत से पूछा कि क्या उन्हें आश्वासन दिया जा सकता है कि भविष्य में निर्भया जैसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी। साल 2012 की घटना के बाद आक्रोशित राष्ट्र ने कई योजनाएं बनाईं और रणनीतियां बनाईं और कुछ बदलाव किए। तब से 12 वर्षों में, इसी तरह की अनगिनत त्रासदियां हुई हैं, हालांकि उनमें से केवल कुछ ने ही देश का ध्यान आकर्षित किया है। राष्ट्रपति ने कहा, क्या हमने सबक सीखे? जैसे-जैसे सामाजिक विरोध कम होते गए, ये घटनाएं सामाजिक स्मृति के गहरे और दुर्गम कोने में दब गईं, जिन्हें केवल तभी याद किया जाता है जब कोई और जघन्य अपराध होता है।राष्ट्रपति ने कहा, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में हालिया वृद्धि और इस बीमारी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए हमें ईमानदारी से आत्मावलोकन करना होगा। कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और उसकी हत्या की जघन्य घटना ने राष्ट्र को सकते में डाल दिया है। जब मैंने यह खबर सुनी तो मैं बुरी तरह स्तब्ध और व्यथित हो गई। सबसे अधिक हताश करने वाली बात यह है कि ये केवल एक अकेला मामला नहीं है; यह महिलाओं के खिलाफ अपराधों की कड़ी का एक हिस्सा है। पिछले साल महिला दिवस के अवसर पर मैंने एक लेख में महिला सशक्तीकरण के बारे में अपने विचार और उम्मीदें साझा की थीं। महिलाओं को सशक्त बनाने में हमारी पिछली उपलब्धियों के कारण मैं आशावादी हूं। मैं खुद को भारत में महिला सशक्तीकरण की उस शानदार यात्रा का एक उदाहरण मानती हूं। लेकिन जब मैं देश के किसी भी हिस्से में महिलाओं के खिलाफ क्रूरता के बारे में सुनती हूं तो मुझे बहुत दुख होता है।

राष्ट्रपति ने कहा, मेरा यह दृढ़ मत है कि हमें इस तरह के अपराधों की स्मृतियों पर भूल का परदा नहीं पड़ने देना चाहिए। आइए, इस विकृति से व्यापक तरीके से निपटें ताकि इसे शुरू में ही रोका जा सके। हम ऐसा तभी कर सकते हैं जब हम पीड़ितों की यादों का सम्मान करें और उन्हें याद करने की एक सामाजिक संस्कृति विकसित करें ताकि हमें अतीत की अपनी विफलताएं याद रहें तथा हम भविष्य में और अधिक सतर्क रहें।

अपनी बेटियों के प्रति यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके भय से मुक्ति पाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करें। तभी हम सब मिलकर अगले रक्षाबंधन पर उन बच्चों के मासूम सवालों का दृढ़ता से उत्तर दे सकेंगे। आइये! हम सब मिलकर कहें कि बस, बहुत हो चुका!

बंगाल बंद सफल...

उनके साथ भाजपा के कुछ अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस हिरासत में उन्होंने कहा कि इससे कुछ नहीं होगा। पुलिस जितने ज्यादा लोगों को हिरासत में लेगी उतने की ज्यादा लोग विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। लोग इस कोलकाता मामले को लेकर भारी गुस्से में हैं। लॉकेट चटर्जी ने कहा कि पुलिस लोगों को हिरासत में ले सकती है लेकिन उनके गुस्से को कम नहीं कर सकती हैं।

भाजपा ने बंगाल बंद के दौरान भाटपाड़ा में फायरिंग का आरोप लगाया है। स्थानीय नेता प्रियांगु पांडे के वाहन पर फायरिंग की गई है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि टीएमसी के गुंडे ने भाजपा नेता के वाहन पर फायरिंग की। इस घटना में उनकी कार के ड्राइवर को गोली लगी है। उन्होंने कहा कि लोगों का बंगाल बंद को भारी समर्थन मिल रहा है। भाजपा नेता रूपा गांगुली ने कहा, टीएमसी के लोग कह रहे हैं कि लोग बंद का पालन नहीं कर रहे हैं जबकि बसें खाली जा रही हैं। इसका मतलब है कि लोग बंद का पालन कर रहे हैं। क्या आपने मुझे किसी को बंद का पालन करने के लिए मजबूर करते देखा? पुलिस इन दिनों बहुत बुरा व्यवहार कर रही है, क्या उन्हें शर्म नहीं आती? पश्चिम बंगाल में भाजपा के 12 घंटे के बंगाल बंद के बीच, अधिकांश कार्यालयों में उपस्थिति कम रही और कई व्यवसायों ने घर से काम करने की घोषणा की। 12 घंटे के बंद के कारण बुधवार को पश्चिम बंगाल में दैनिक जीवन प्रभावित रहा। राज्य की राजधानी कोलकाता में अन्य दिनों की तरह सड़कों पर चहल-पहल नहीं दिखी। बसें, ऑटो-रिक्शा और टैक्सियां बहुत कम संख्या में चल रही थीं। निजी वाहनों की संख्या भी काफी कम थी।बंगाल के उत्तर दिनाजपुर में भाजपा के बंगाल बंद के दौरान आगजनी की खबर है। वहीं, मुर्शिदाबाद में भाजपा समर्थकों ने एक शख्स की पिटाई कर दी, जिसे लेकर वहां बड़ा बवाल हुआ। इस दौरान हावड़ा में कई जगह बस ड्राइवरों को हेलमेट पहनकर बस चलाते देखा गया। ऐसे ही एक ड्राइवर ने बताया कि आज बंद है इस वजह से वह सुरक्षा के लिहाज से हेलमेट पहनकर काम कर रहे हैं।भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने ममता बनर्जी के बयान को लेकर गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि वह बेशर्मी से देश विरोधी टिप्पणी करती हैं। ममता बनर्जी कहती हैं कि याद रखें, अगर बंगाल जलता है, तो असम, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली भी जलेंगे। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जांच को गुमराह करने, आरोपियों को बचाने और सबूत नष्ट करने की कोशिश के बाद अब डॉक्टरों को धमकाने की एक नई रणनीति देखी जा सकती है। सीएम ने एक पीसी किया और कहा, मैं नहीं चाहती कि एफआईआर दर्ज हो और उनका (डॉक्टरों का) करियर बर्बाद हो जाए और उन्हें पासपोर्ट और वीजा मिलने में परेशानी हो। भाजपा साफ तौर पर कहना चाहती है कि ममता बनर्जी ने सीधे डॉक्टरों को धमकी दी है।

महबूबा मुफ्ती...

एक बयान में आजाद ने कहा कि 25 अगस्त की रात को श्रीनगर में उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ। अगली सुबह मैंने जल्द से जल्द दिल्ली के लिए फ्लाइट ली और एम्स अस्पताल में भर्ती हो गया। यहां मैं दो दिन तक भर्ती रहा, जबकि डॉक्टरों ने उन्हें आश्वासन दिया कि अभी कोई खतरा नहीं है।याद रहे जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और एक प्रमुख राष्ट्रीय नेता गुलाम नबी आज़ाद ने दशकों तक जम्मू कश्मीर की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने व्यापक अनुभव और राजनीतिक कौशल के लिए जाने जाने वाले, अभियान से उनकी अनुपस्थिति वर्तमान जम्मू कश्मीर चुनावों में उनकी पार्टी के लिए एक बड़ा झटका होने की उम्मीद है। और इसी प्रकार का झटका पीडीपी नेताओं को भी लगा है क्योंकि इस विधानसभा चुनाव में पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती चुनाव नहीं लड़ेंगी। महबूबा ने कहा अगर वह मुख्यमंत्री बन भी जाती हैं तो भी वह केंद्र शासित प्रदेश में अपनी पार्टी के एजेंडे को पूरा नहीं कर पाएंगी। उधर, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती इस चुनाव में शिरकत करेंगी।

उन्होंने कहा कि मैं भाजपा के साथ सरकार की मुख्यमंत्री रही हूं, जिसने (2016 में) 12,000 लोगों के खिलाफ एफआईआर वापस ले ली थी। क्या हम अब ऐसा कर सकते हैं? मैंने (पीएम) मोदी के साथ सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में अलगाववादियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करने के लिए एक पत्र लिखा था। क्या आप आज ऐसा कर सकते हैं? मैंने जमीन पर संघर्ष विराम (लागू) करवाया। क्या आप आज ऐसा कर सकते हैं? यदि आप मुख्यमंत्री के रूप में एफआईआर वापस नहीं ले सकते हैं, तो ऐसे पद का क्या किया जा सकता है? पीडीपी अध्यक्ष से पूछा गया कि क्या उनके चुनाव लड़ने के विचार में कोई बदलाव आया है, जब उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश होने तक चुनाव में भाग नहीं लेने के अपने रुख पर यू-टर्न ले लिया।

इतना जरूर है कि महबूबा मुफ्ती खानदान की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मंगलवार को तीसरी पीढ़ी भी मैदान में उतर आई। इल्तिजा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने दक्षिण कश्मीर में सिरीगुफवारा-बिजबिहाड़ा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन जमा कराया है।

डीएमके सांसद ...

प्रतिनिधित्व करते हैं। ईडी ने कहा कि सांसद, तमिलनाडु के एक व्यवसायी, उनके परिवार के सदस्यों और संबंधित भारतीय इकाई के खिलाफ फेमा जांच शुरू की गई थी। इस जांच के बाद, सांसद और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद विभिन्न चल और अचल संपत्तियों के लिए फेमा की धारा 37 ए के तहत 11 सितंबर, 2020 को जब्ती आदेश पारित हुआ। ईडी ने कहा, फेमा की धारा 37ए के तहत जब्त की गई 89.19 करोड़ रुपए की संपत्ति को भी जब्त करने का आदेश दिया गया है और 26 अगस्त 2024 के न्यायिक निर्णय आदेश के तहत 908 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

चुनाव मैदान में ...

शायद बाबा यह देख भी रहे होंगे। उन्हें दुख होगा कि उनके मासूम बच्चे बिल्कुल अकेले हैं। नारे लगाने बाद में सुगरा रो पड़ीं।जानकारी के लिए कुछ महीने पहले जेल में बंद अलगाववादी नेता इंजीनियर राशिद ने बारामुल्ला में लोकसभा चुनाव लड़ा था और यहां पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन को करारी शिकस्त दी थी और जीत हासिल की थी। इसी को देखते हुए बरकती का परिवार भी आस लगाए हुए है कि शायद लोगों की सहानुभूति उसके पक्ष में होगी। राशिद के बेटे अबरार की तरह ही बरकती की बेटी भी लोगों से उनकी रिहाई के लिए उनका समर्थन मांग रही है।40 साल से ज्यादा की उम्र के बरकती 2016 में कुलगाम और शोपियां जिलों में हिज्बुल मुजाहिदीन कमांडर बुरहान वानी की हत्या के बाद हुए विरोध प्रदर्शन में अहम शख्स थे। यह विरोध प्रदर्शन तीन महीने से भी ज्यादा टाइम तक चला था। पिछले साल उन्हें एक फंड जुटाने वाले कार्यक्रम से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया था। कुछ महीने के बाद उनकी पत्नी को भी इसी मामले में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।एनआईए ने अगस्त 2023 में बरकती को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने कहा कि यह मामला क्राउड फंडिग के जरिये फंड जुटाने के अभियान में बरकती से जुड़ा हुआ है। इसकी वजह से करोड़ों रुपए जमा किए गए। बाद में इन पैसों का गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। घाटी में घर-घर फेमस होने से पहले बरकती उममत-ए-इस्लामी से जुड़े थे। यह काजी निसार के द्वारा बनाया गया एक धार्मिक संगठन है। अब इसे उनके बेटे काजिर यासिर चला रहे हैं। नारे लगाने के अपने अनोखे अंदाज के लिए जाने जाने वाले बरकती 2016 के विरोध प्रदर्शन के बाद में फेमस हो गए और उन्हें फ्रीडम चाचा के तौर पर जाना जाने लगा। उनके नेतृत्व में कुलगाम और शोपियां में ज्यादातर रैलियां निकलीं। पुलिस ने कहा कि उनके खिलाफ 2016 में रैलियां को लेकर 30 केस दर्ज किए गए।पुलिस ने कई मौकों पर फ्रीडम चाचा को गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह से बच निकला। उसे अक्टूबर 2016 में गिरफ्तार कर लिया गया और उस पर पीएसए के तहत केस दर्ज किया गया। दो साल बाद ही उसे छोड़ दिया गया, लेकिन बाद में फिर से उसे गिरफ्तार कर लिया गया और दोबारा पीएसए का केस दर्ज किया गया। फिर उसे नवंबर 2022 में रिहा कर दिया गया।

जमात-ए-इस्लामी का ...

हालांकि जमात केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के कारण चुनाव में भाग नहीं ले सकती, लेकिन प्रतिबंध हटने पर लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव में भाग लेने में इसने रुचि दिखाई थी।

जमात-ए-इस्लामी ने 1987 के बाद किसी भी चुनाव में भाग नहीं लिया है और 1993 से 2003 तक अलगाववादी गठबंधन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस का हिस्सा रही है, जिसने चुनाव बहिष्कार की वकालत की थी। जमात-ए-इस्लामी के पूर्व सदस्य तलत मजीद ने पुलवामा निर्वाचन क्षेत्र से स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। मजीद ने पत्रकारों के साथ बात करते हुए कहा कि वर्ष 2008 से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य पर विचार करने के बाद उन्हें अतीत की कुछ कठोरता से दूर रहने की जरूरत महसूस हुई। उन्होंने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए मुझे लगा कि राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने का समय आ गया है। मैं 2014 से ही अपने विचार खुलकर व्यक्त करता रहा हूं और आज भी मैं उसी एजेंडे को आगे बढ़ा रहा हूं।मजीद ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में जमात और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस जैसे संगठनों की भूमिका है। उन्होंने कहा कि जब हम कश्मीर के हालात की बात करते हैं तो हम वैश्विक स्तर पर स्थिति को नजरअंदाज नहीं कर सकते। कश्मीरियों के तौर पर हमें वर्तमान में जीना चाहिए और (बेहतर) भविष्य की ओर देखना चाहिए। जमात-ए-इस्लामी के एक अन्य पूर्व नेता सयार अहमद रेशी भी कुलगाम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। रेशी ने लोगों से अपने विवेक के अनुसार मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को आशीर्वाद देना या अपमानित करना अल्लाह पर निर्भर करता है। लेकिन मैं लोगों से अपने विवेक के अनुसार मतदान करने की अपील करूंगा। वे कहते हैं कि हम सुधारों के लिए एक ऐतिहासिक आंदोलन शुरू करेंगे। रेशी ने स्वीकार किया कि युवाओं को खेलों से जोड़कर हिंसा से दूर किया गया है, लेकिन उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि युवाओं को बल्ले दिए गए हैं, लेकिन इससे उनका पेट नहीं भरेगा। बेरोजगारी है और हत्याएं हो रही हैं। बुजुर्गों को 1,000 से 2,000 रुपए की मामूली वृद्धावस्था पेंशन के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। हम सामाजिक न्याय के लिए काम करेंगे।याद रहे 2016 में हिजबुल मुजाहिदीन कमांडर बुरहान वानी की हत्या के बाद भड़के उपद्रव के दौरान सुर्खियों में आए सरजन बरकती शोपियां जिले से चुनाव लड़ेंगे। उनकी बेटी सुगरा बरकती ने अपने पिता की ओर से नामांकन पत्र दाखिल किया, जो आतंकवाद के आरोप में जेल में हैं। जम्मू कश्मीर में 2019 में अनुच्छेद 370 के हटने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव हो रहे हैं।

देश में सक्रिय...

एजेंसियों के मुताबिक, आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल संगठन का हेडक्वार्टर मुख्य तौर पर पाकिस्तान में है, लेकिन धन एकत्रित करने के लिए मुख्य तौर पर यूरोप और नॉर्थ अमेरिका व कनाडा उनका सेंटर है।पंजाब पुलिस ज्वाइंट कमिश्नर संदीप शर्मा बताते हैं कि कनाडा में बैठकर भारत में रंगदारी के लिए लखबीर सिंह उर्फ लांडा, गोल्डी बराड़, चरणजीत सिंह उर्फ रिंकू रंधावा, अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला, रमनदीप सिंह उर्फ रमन जज, गुरपिंदर सिंह उर्फ बाबा के नाम प्रमुख हैं। पंजाब से करोड़ों रुपए हर साल रंगदारी के रूप में कनाडा बैठे इन आतंकियों व गैंगस्टरों के नाम पर वसूले जा रहे हैं। इनको आगे कनाडा ट्रांसफर कर वहां पर भारत विरोधी गतिविधियों के लिए खर्च किया जा रहा है। पुलिस इनके गुर्गों को लगातार पकड़ भी रही है।

खुफिया एजेंसियों ने यह भी खुलासा किया है कि आतंकी फंडिंग का सरलता से फायदा उठाने के लिए हिंदू लड़कियों के नाम के बैंक खातों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे आसानी से उन पर संदेह नहीं उठे। नर्सिंग की छात्रा बसंती को फंसा कर उसे मुस्लिम बनाने के बाद उसका बैंक खाता आतंकी फंडिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था, इसका खुलासा होने के बाद खुफिया एजेंसियां अलर्ट हुई हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस ने पिछले दिनों देश के कई राज्यों में छापा मार कर 14 आतंकियों को गिरफ्तार किया था। ये सभी आतंकी संगठन अलकायदा के लिए काम करते थे। पूछताछ में इस नेटवर्क के कई खतरनाक मंसूबों का खुलासा हुआ है। ये लोग यमन में अमेरिकी सेना द्वारा मार गिराए गए एक आतंकी के वीडियो अक्सर सुनते थे। इसी के साथ इन्होंने मुंबई से अहमदाबाद तक रेकी की थी और फर्जी नामों से बैंकों के खाते खोले थे। पकड़े गए आतंकियों का नेटवर्क पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भी पाया गया है।

दिल्ली के आईएसआई मॉड्यूल को रिज़वान अली और शाहनवाज आलम खड़ा कर रहा था। इन दोनों की मुलाकात शाहीनबाग में हुई थी। ये दोनों मिल कर उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र में भी अपना नेटवर्क बना रहे थे। 12 वीं पास 29 वर्षीय रिज़वान अली बम बनाने में एक्सपर्ट है जबकि माइनिंग इंजीनियरिंग से बीटेक डिग्रीधारी 31 साल का शाहनवाज आलम आईईडी का विशेषज्ञ है। रिज़वान दिल्ली के दरियागंज जबकि शाहनवाज आलम झारखंड के हजारीबाग का निवासी है।

कुछ दिनों पहले रिज़वान और शाहनवाज ने बसंती नाम की हिंदू लड़की को इस्लाम कबूल करवाया था। वह नर्सिंग की छात्रा है। मूल रूप से छत्तीसगढ़ की रहने वाली बसंती 2016 में राजस्थान के कोटा से मेडिकल का कोर्स कर रही थी। यहां उसकी दोस्ती एक मुस्लिम लड़की से हुई जिसका एडमिशन कुछ दिनों बाद अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में हो गया था। यहीं पर उसने बसंती को भी बुला लिया। साल 2017 में बसंती का भी एडमिशन एएमयू के नर्सिंग कोर्स में हो गया। यहीं पर बसंती ने इस्लाम कबूल कर लिया जिसे उसने सबसे छिपा कर रखा। 2018 में बसंती दिल्ली आई और यहां वो खुद को खुदीजा मरियम बताने लगी। दिल्ली में बसंती हैरिश फारुक नाम के युवक के पेइंग गेस्ट हाउस में रुकी। यहीं पर बसंती की जान पहचान रिज़वान से हुई। रिज़वान ने बसंती का परिचय शाहनवाज से करवाया। मार्च 2021 में शाहनवाज और बसंती उर्फ खुदीजा मरियम का निकाह हो गया।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, बसंती उर्फ़ मरियम से निकाह करने की वजह बैंक का वो खाता खोलना था जिसे ऑपरेट शाहनवाज करता था। कई बार पैसे जुटाने के लिए शाहनवाज और रिज़वान ने मिल कर लूटपाट भी की थी। मरियम को ले कर शाहनवाज कुछ दिनों तक दिल्ली के बटला हाउस इलाके में रहता था। रिज़वान और शाहनवाज को हैरिश फारूक ने पीडीएफ उइल में जेहाद के लिए भड़काने वाले साहित्य और बम बनाने की तकनीकी दी। इसी तकनीकी से दोनों ने बम बनाया और दिल्ली में यमुना नदी के किनारे उसकी टेस्टिंग भी की। यह टेस्टिंग अगस्त 2021 में की गई थी जो फेल रही थी। इसके एक माह बाद रिज़वान और शाहनवाज उत्तराखंड के हल्द्वानी गए। यहां इन्होंने बम की दोबारा टेस्टिंग की जो सफल रही। यहां से दोनों दिल्ली लौट आए। बड़ा धमाका करने के लिए रिज़वान और शहनवाज ने राजस्थान-हरियाणा के बॉर्डर पर नूंह इलाके में एक और ब्लास्ट की टेस्टिंग की थी।

जब रिज़वान और शाहनवाज बम बनाने में माहिर हो गए तो उन्होंने ब्लास्ट के लिए टारगेट खोजने शुरू कर दिए। इसी खोजबीन में उन्होंने मुंबई के कई हिस्सों की रेकी की। यहां पर उन्होंने नरीमन पॉइंट के उन हिस्सों को चिह्नित किया था जहां यहूदी रहते थे। दोनों ने कोलाबा और नरीमन पॉइंट की रेकी के साथ वहां से फोटो और वीडियो भी लिए। यहीं पर बने नेवी ऑफिस के कई कैमरों को देख कर दोनों आरोपियों ने वहां धमाका करने का प्लान बदल दिया था। मुंबई के बाद जनवरी 2023 में दोनों शाहनवाज और रिज़वान ब्लास्ट का टारगेट खोजने गुजरात गए। यहां उन्होंने अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा जैसे कई शहरों की रेकी की। इस दौरान इन दोनों ने हिंदू संगठनों के कार्यालयों सहित कोर्ट-कचहरी तक की वीडियोग्राफी की। इन दोनों के मन में गोधरा का बदला लेने की भी सनक सवार थी।दिल्ली का आईएसआईएस मॉड्यूल टेलीग्राम के जरिए अपने पाकिस्तानी आकाओं और अफगानिस्तान के कट्टरपंथियों से जुड़ा हुआ था। इन्हे पाकिस्तानी हैंडलर अबू सुलेमान ऑपरेट कर रहा था। रेकी किए गए फोटो और वीडियो रिज़वान और शाहनवाज अपने पाकिस्तानी आकाओं को भेजा करते थे। आखिरकार इस नेटवर्क ने पुणे के एक सुनसान इलाके में अपना ठिकाना बनाया। यहीं पर ट्रेनिंग सेंटर बनाने की तैयारी की गई थी। यहां बम के लिए मेहंदी जैसे कोडवर्ड भी रखे गए। फिलहाल दिल्ली पुलिस इस सभी आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट लगाने की तैयारी कर रही है।

कल मनाई जाएगी बछ बारस

पुत्र की दीर्घायु के लिए महिलाएं करेंगी बछ बारस

बछ बारस 30 अगस्त 2024 को मनाया जाएगा। इस दिन गौमाता की बछड़े सहित पूजा की जाती है। माताएं अपने पुत्रों को तिलक लगाकर तलाई फोड़ने के बाद लड्डू का प्रसाद देती है यानि पुत्रवान महिलाये अपने पुत्र की मंगल कामना के लिए व्रत रखती है और पूजा करती है। इस दिन गेंहू से बने हुए पकवान और चाकू से कटी हुई सब्जी नही खाये जाते हैं। बाजरे या ज्वार का सोगरा और अंकुरित अनाज की कढ़ी व सूखी सब्जी बनाई जाती है। महिलाओं द्वारा सुबह गौमाता की विधिवत पूजा अर्चना करने के बाद घरों या सामूहिक रूप से बनी मिट्टी व गोबर से बनी तलैया को अच्छी तरह सजाकर उसमें कच्चा दूध और पानी भरकर उसकी कुमकुम, मौली, धूप दीप प्रज्वलित कर पूजा करते हैं और बछ बारस की कहानी सुनी जाती है। महिलाओं द्वारा सुबह गौमाता की विधिवत पूजा अर्चना करने के बाद घरों या सामूहिक रूप से बनी मिट्टी व गोबर से बनी तलैया को अच्छी तरह सजाकर उसमें कच्चा दूध और पानी भरकर उसकी कुंकुम, मौली, धूप दीप प्रज्वलित कर पूजा करते हैं और बछ बारस की कहानी सुनी जाती है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि बछ बारस प्रतिवर्ष जन्माष्टमी के चार दिन पश्चात भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की द्वादशी के दिन 30 अगस्त को मनाया जाता है इसलिए इस गोवत्स द्वादशी भी कहते है। भगवान कृष्ण के गाय और बछड़ो से बड़ा प्रेम था इसलिए इस त्यौहार को मनाया जाता है और ऐसा माना जाता है की बछ बारस के दिन गाय और बछड़ो की पूजा करने से भगवान कृष्ण सहित गाय में निवास करने वाले सैकड़ो देवताओ का आशीर्वाद मिलता है जिससे घर में खुशहाली और सम्पन्नता आती है। बछबारस का पर्व राजस्थानी महिलाओं में ज्यादा लोकप्रिय है।

पूजन की सामग्री और पूजा विधि

पूजा के लिए भैंस का दूध और दही , भीगा हुआ चना और मोठ ले। मोठ-बाजरे में घी और चीनी मिलाये।गाय के रोली का टीका लगाकर चावल के स्थान पर बाजरा लगाये। बायने के लिए एक कटोरी में भीगा हुआ चना , मोठ ,बाजरा और रुपया रखे। इस दिन बछड़े वाले गाय की पूजा की जाती है यदि गाय की पूजा नही कर सकते तो एक पाटे पर मिटटी से बछबारस बनाते है और उसके बीच में एक गोल मिटटी की बावडी बनाते है। फिर उसको थोडा दूध दही से भर देते है। फिर सब चीजे चढाकर पूजा करते है। इसके बाद रोली ,दक्षिण चढाते है। स्वयम को तिलक निकालते है। हाथ में मोठ और बाजरे के दाने को लेकर कहानी सुनाते है। बछबारस के चित्र की पूजा भी की जा सकती है।

बछ बारस की कहानी

बहुत समय पहले की बात है एक गाँव में एक साहूकार अपने सात बेटो और पोतो के साथ रहता था। उस साहूकार ने गाँव में एक तालाब बनवाया था लेकिन बारह सालो तक वो तालाब नही भरा था। तालाब नही भरने का कारण पूछने के लिए उसने पंडितो को बुलाया। पंडितो ने कहा कि इसमें पानी तभी भरेगा जब तुम या तो अपने बड़े बेटे या अपने बड़े पोते की बलि दोगे। तब साहूकार ने अपने बड़ी बहु को तो पीहर भेज दिया और पीछे से अपने बड़े पोते की बलि दे दी। इतने में गरजते बरसते बादल आये और तालाब पूरा भर गया।

इसके बाद बछबारस आयी और सभी ने कहा की अपना तालाब पूरा भर गया है इसकी पूजा करने चलो। साहूकार अपने परिवार के साथ तालाब की पूजा करने गया।वह दासी से बोल गया था की गेहुला को पका लेना।गेहुला से तात्पर्य गेहू के धान से है। दासी समझ नही पाई। दरअसल गेहुला गाय के बछड़े का नाम था। उसने गेहुला को ही पका लिया। बड़े बेटे की पत्नी भी पीहर से तालाब पूजने आ गयी थी। तालाब पूजने के बाद वह अपने बच्चो से प्यार करने लगी तभी उसने बड़े बेटे के बारे में पुछा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

तभी तालाब में से मिटटी में लिपटा हुआ उसका बड़ा बेटा निकला और बोला की माँ मुझे भी तो प्यार करो।तब सास बहु एक दुसरे को देखने लगी। सास ने बहु को बलि देने वाली सारी बात बता दी। फिर सास ने कहा की बछबारस माता ने हमारी लाज रख ली और हमारा बच्चा वापस दे दिया। तालाब की पूजा करने के बाद जब वह वापस घर लौटे तो उन्होंने देखा बछड़ा नही था। साहूकार ने दासी से पूछा की बछड़ा कहा है तो दासी ने कहा कि आपने ही तो उसे पकाने को कहा था।

साहूकार ने कहा की एक पाप तो अभी उतरा ही है तुमने दूसरा पाप कर दिया । साहूकार ने पका हुआ बछड़ा मिटटी में दबा दिया। शाम को गाय वापस लौटी तो वह अपने बछड़े को ढूंढने लगी और फिर मिटटी खोदने लगी। तभी मिटटी में से बछड़ा निकल गया। साहूकार को पता चला तो वह भी बछड़े को देखने गया। उसने देखा कि बछडा गाय का दूध पीने में व्यस्त था। तब साहूकार ने पुरे गाँव में यह बात फैलाई कि हर बेटे की माँ को बछबारस का व्रत करना चाहिए और तालाब पूजना चाहिए। हे बछबारस माता ! जैसा साहूकार की बहु को दिया वैसा हमे भी देना।कहानी कहते सुनते ही सभी की मनोकामना पूर्ण करना। इसके बाद गणेश जी की कहानी कहे।

बायना निकालना

एक कटोरी मोंठ ,बाजरा रखकर उसके उपर रुपया रख देवे। इनको रोली और चावल से छींटा देवे।दोनों हाथ जोडकर कटोरी को पल्ले से ढककर चार बार कटोरी के उपर हाथ फेर ले। फिर स्वयम के तिलक निकाले। यह बायना सांस को पाँव छुकर देवे। बछबारस के दिन बेटे की माँ बाजरे की ठंडी रोटी खाती है। इस दिन भैंस का दूध ,बेसन ,मोंठ आदि खा सकते है। इस दिन गाय का दूध , दही ,गेहू और चावल नही खाया जाता है।

उद्यापन

जिस साल लड़का हो या जिस साल लडके की शादी हो उस साल बछबारस का उद्यापन किया जाता है। सारी पूजा हर वर्ष की तरह करे। सिर्फ थाली में सवा सेर भीगे मोठ बाजरा की तरह कुद्दी करे। दो दो मुट्ठी मोई का (बाजरे की आटे में घी ,चीनी मिलाकर पानी में गूँथ ले) और दो दो टुकड़े खीरे के तेरह कुडी पर रखे। इसके उपर एक तीयल (दो साडीया और ब्लाउज पीस) और रुपया रखकर हाथ फेरकर सास को छुकर दे। इस तरह बछबारस का उद्यापन पूरा होता है।

महत्व

यह पर्व पुत्र की मंगल-कामना के लिए किया जाता है। इस पर्व पर गीली मिट्टी की गाय, बछड़ा, बाघ तथा बाघिन की मूर्तियां बनाकर पाट पर रखी जाती हैं तब उनकी विधिवत पूजा की जाती है। भारतीय धार्मिक पुराणों में गौमाता में समस्त तीर्थ होने की बात कहीं गई है। पूज्यनीय गौमाता हमारी ऐसी मां है, जिसकी बराबरी न कोई देवी-देवता क र सकता है और न कोई तीर्थ. गौमाता के दर्शन मात्र से ऐसा पुण्य प्राप्त होता है, जो बड़े-बड़े यज्ञ, दान आदि कर्मों से भी नहीं प्राप्त हो सकता। ऐसी मान्यता है कि सभी देवी-देवताओं एवं पितरों को एक साथ खुश करना है तो गौभक्ति-गौसेवा से बढ़कर कोई अनुष्ठान नहीं है। गौ माता को बस एक ग्रास खिला दो, तो वह सभी देवी-देवताओं तक अपने आप ही पहुंच जाता है। भविष्य पुराण के अनुसार गौमाता कि पृष्ठदेश में ब्रह्म का वास है, गले में विष्णु का, मुख में रुद्र का, मध्य में समस्त देवताओं और रोमकूपों में महर्षिगण, पूंछ में अनंत नाग, खूरों में समस्त पर्वत, गौमूत्र में गंगादि नदियां, गौमय में लक्ष्मी और नेत्रों में सूर्य-चन्द्र विराजित हैं इसीलिए बछ बारस या गोवत्स द्वादशी के दिन महिलाएं अपने बेटे की सलामती, लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली के लिए यह पर्व मनाती है। इस दिन घरों में विशेष कर बाजरे की रोटी जिसे सोगरा भी कहा जाता है और अंकुरित अनाज की सब्जी बनाई जाती है. इस दिन गाय की दूध की जगह भैंस या बकरी के दूध का उपयोग किया जाता है।

भगवान की पूजा-अर्चना करते समय इन बातों का रखें ध्यान

प्रसन्न होंगे भगवान, पूरी होगी मनोकामना

हिंदू धर्म में प्रति दिन सुबह-शाम पूजा करने का बहुत महत्व है। अधिकतर लोग नियम से हर दिन घर में पूजा करते हैं और समय समय पर मंदिर जाकर भगवान के दर्शन करते है। पूजा पाठ से भगवान की कृपा होती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। देवी-देवताओं की कृपा से संकटों से मुक्ति मिलती है और जीवन में आने वाली बाधाएं कम होती है। आपकी भक्ति और पूजा-पाठ से भगवान प्रसन्न हो रहे हैं या नहीं इसके कई तरह के संकेत बताए गए हैं। धार्मिक पुस्तकों कुछ ऐसे संकेतों, घटनाओं के बारे में बताया गया है। आइए जानते हैं किन संकेतों से पता चलता है कि प्रभु आपसे प्रसन्न हैं और उनकी कृपा हो रही है।

पूजा अर्चना स्वीकार होने के संकेत

पूजा करते समय दिया जरूर जलाया जाता है। पूजा के दौरान दीपक की लौ का एकदम ऊपर की ओर उठना और लंबे समय उस स्थिति में रहना भगवान की कृपा का संकेत होता है। वहीं बिना किसी कारण या हवा के दीपक का बुझना जाना अच्छा नहीं माना जाता है।

पूजा के समय भक्तिमय मन के कारण आंखों में आंसू आ जाना और भक्ति में भावुक हो जाना भी भगवान का आशीर्वाद का संकेत माना जाता है। यह इस बात की ओर इशारा करता है कि प्रभु जल्द आपकी मनोकामना पूरी करने वाले हैं।

पूजा के दौरान घर में किसी अतिथि का आगमन बहुत शुभ माना जाता है। धर्म शास्त्रों में इसे पूजा अर्चना का सफल् होने का संकेत बताया गया है।

पूजा के दौरान भगवान की प्रतिमा को फूल और फल चढ़ाए जाते हैं । अगर पूजा के दौरान भगवान की तस्वीर या मूर्ति से फूल या फल गिर पड़े तो इसे बेहद शुभ माना जाता है। यह बताता है कि भगवान आप पर प्रसन्न हैं।

घर से बाहर निकलते ही अक्सर नीलकंठ पक्षी दिखाई दे तो यह भगवान शिव के आप पर प्रसन्न होने का साफ संकेत है। घर के सामने सफेद गाय का आना, गाय का बछड़े को दूध पिलाना बेहद शुभ संकेत माने गए हैं। ये सभी पूजा सफल होने के संकेत हैं।

भाद्रपद माह का पहला प्रदोष व्रत 01 को

जानिए समय और नियम

प्रदोष व्रत वो दिन होता है जब शिव भक्त भोलेनाथ और माता पार्वती का सच्चे मन से पूजा-अर्चना करते हैं। खास बात ये है कि प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव का नटराज स्वरूप पूजा जाता है। इस व्रत को प्रदोष व्रत कहने की भी खास वजह है। असल में इस तिथि पर भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन शाम के समय में यानी सूर्यास्त के बाद संध्याकाल में होता है। इसलिए इसे प्रदोष का व्रत कहकर पुकारा जाता है।

कब है भाद्रपद का पहला प्रदोष व्रत?

जो शिवभक्त नियमित रूप से प्रदोष का व्रत रखते हैं वो जरूर जानना चाहते हैं कि भाद्रपद माह का पहला प्रदोष व्रत कब रखा जाएगा। ऐसे भक्तों को बता दें कि भाद्रपद माह का पहला प्रदोष व्रत 31 अगस्त को रखा जाएगा। यानी अगस्त माह की अंतिम तारीख को रखा जाएगा। किसी भी हिंदी माह की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर ही प्रदोष का व्रत आता है। इस हिसाब से भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली त्रयोदशी तिथि 31 अगस्त को है। इसलिए उपवास भी इसी दिन रखा जाएगा।

भाद्रपद माह की इस तिथि का शुभारंभ 31 अगस्त को रात 2 बजकर 25 मिनट से होगा,

जो अगले दिन 1 सितंबर की रात 3 बजकर 40 मिनट पर समाप्त होगा। इस बीच पूजा का शुभ समय क्या है वो भी जान लीजिए। पूजन के लिए भक्तों को शाम 6 बजकर 43 मिनट से लेकर रात के 08 बजकर 59 मिनट तक का समय मिलेगा।

क्या है पूजन विधि?

व्रत के पूजन के लिए भले ही समय निर्धारित है लेकिन इसकी तैयारी सुबह उठने के साथ ही शुरू हो जाती है। पूजन के लिए भक्त सुबह उठें और सबसे पहले स्नान करके खुद को शुद्ध करें। इसके बाद अपने पूजन के स्थान को अच्छे से साफ करें। यहां माता पार्वती और भगवान शिव का पूजन करें और दिनभर के व्रत का संकल्प लें।

पूजन के समय से पहले पूजन की पूरी तैयारी कर लें। जैसे जरूरी सामग्री को चुन लें। भगवान का स्थान साफ करें। नवैद्य तैयार करें। ये सारे काम करते हुए मन में भगवान का जाप करते रहें। जैसे ही पूजन का समय हो एक साफ चौकी रखें। इस चौकी पर भगवान शिव और माता पार्वत की प्रतिमा रखें। अब पंचामृत लेकर, उससे भगवान शिव का अभिषेक करें। भगवान के समक्ष, देसी घी का दीपक प्रज्वलित करना न भूलें। पंचामृत अर्पित करने के बाद भगवान को चंदन और कुमकुम से तिलक करें। साथ ही उन्हें गुड़हल, कनेर और मदार के पुष्प भी अर्पित करें। इस दिन नवैद्य में खीर, हलवा, फल, कुछ घर का बना हुआ मीठा तैयार किया जाता है। इसे भी भगवान को अर्पित करें। पूजन में पंचाक्षरी मंत्र, शिव चालीसा और प्रदोष व्रत की कथा का पाठ जरूर करें।

मां-बाप गलती से भी बच्चों के सामने न करें ये 3 काम

वरना बच्चों को बिगड़ते नहीं लगेगी देर

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अच्छे संस्कार सीखें और बड़े होकर उनका नाम रोशन करें। इसके लिए वे कड़ी मेहनत भी करते हैं, लेकिन आचार्य चाणक्य के अनुसार कई बार मां-बाप की कुछ आदतें ही बच्चों के व्यवहार को बिगाड़ने का कारण बन जाती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ आदतों के बारे में, जिन्हें आज ही बदल लेना चाहिए ताकि बच्चों पर इसका नकारात्मक असर न पड़े।

कड़वी भाषा का प्रयोग

बच्चों के सामने कभी भी कड़वी या अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। क्योंकि बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने माता-पिता को करते हुए देखते हैं। यदि मां-बाप की वाणी मधुर होगी, तो बच्चे भी मधुरभाषी बनेंगे।

झूठ बोलने की आदत

अगर माता-पिता हमेशा झूठ बोलते हैं, तो यह आदत बच्चों में भी आ सकती है। यह उनके भविष्य को खराब कर सकती है। इसलिए, चाणक्य के अनुसार, माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों के सामने सच्चाई का आदर्श प्रस्तुत करें।

सम्मान की कमी

अगर माता-पिता अपने बच्चों, परिवार या एक-दूसरे का सम्मान नहीं करते, तो बच्चे भी यही आदतें सीखते हैं। भविष्य में यह आदत उनके लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए, बच्चों को दूसरों का सम्मान करना सिखाएं और खुद भी इस आदत का पालन करें।

देवरा पार्ट 1 का काउंटडाउन शुरू

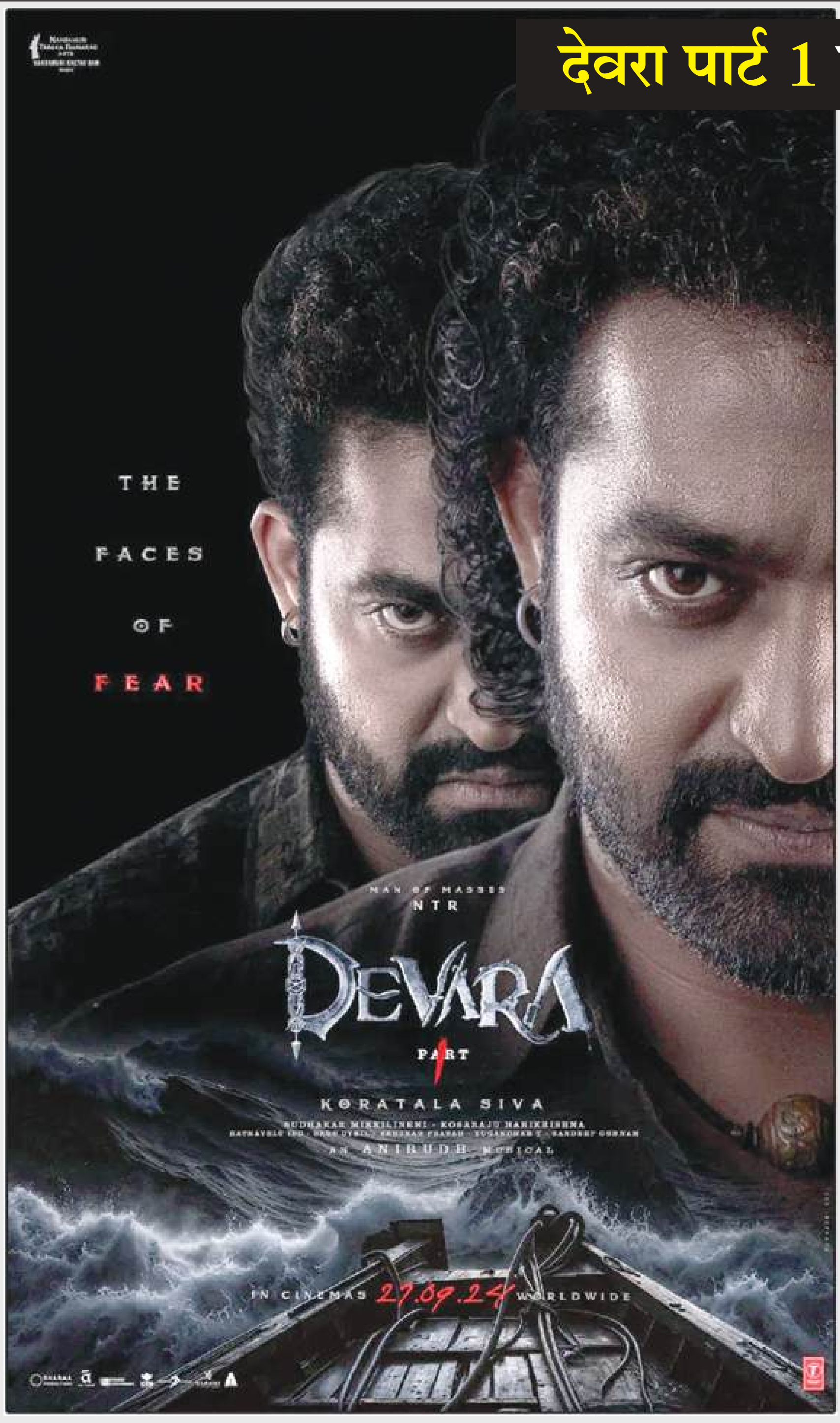

जूनियर एटीआर का डबल रोल में सामने आया इंटेंस लुक पोस्टर

जूनियर एटीआर की आगामी फिल्म देवरा: पार्टी 1 सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। मेकर्स ने रिलीज से ठीक एक महीने पहले फिल्म का काउंटडाउन पोस्टर लॉन्च किया है। पोस्टर में जूनियर एटीआर का नया अवतार दिखाया गया है।देवरा पार्ट 1 के मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है।

पोस्टर में जूनियर एनटीआर का डबल रोल देखा जा सकता है। इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, एक महीने में, उनका आगमन दुनिया को एक अविस्मरणीय बड़े पर्दे के अनुभव से झकझोर देगा। आइए 27 सितंबर को सिनेमाघरों में उनके मैजेस्टिक मैडनेस का अनुभव करें।पोस्टर में जूनियर एनटीआर के दो अवतार दिखाए गए हैं। एक में एक्टर मिस्ट्रियस लुक के साथ लंबे बालों में नजर आ रहा। जबकि दूसरे में वह एग्रेसिव लुक में दिख रहे हैं। पोस्टर में एक्टर के नए अवतार ने फैंस का एक्साइटमेंट लेवल को हाई कर दिया है। फैंस ने कमेंट सेक्शन को फायर और लाल दिल वाले इमोजीज से भर दिया है। इस पोस्टर को फिल्म की हीरोइन जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया है।सैफ अली के बर्थडे पर मेकर्स ने फिल्म से उनके किरदार का टीजर जारी किया था और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थी। फिल्म में सैफ अली खान भैरा का किरदार निभाते नजर आएंगे। देवरा में जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले महीने यानी 27 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

देव गिल स्टारर फ़िल्म अहो विक्रमार्का की टीजऱ हुआ आउट

5 भाषाओं में 30 अगस्त को होगी रिलीज़

निर्माता डॉ मीहिर कुलकर्णी की फ़िल्म अहो विक्रमार्का सिनेमा की पहली ब्लॉकबस्टर-पैन इंडिया फिल्म 30 अगस्त 2024 को 5 भाषाओं में रिलीज के लिए तैयार है। इस फ़िल्म का टीजऱ और मोशन पोस्टर जी7 मल्टीप्लेक्स बांद्रा मुम्बई में लॉन्च किया गया। एक बहादुर और दृढ़निश्चयी पुलिसकर्मी की वीरतापूर्ण कहानी को देखने के लिए आप सभी तैयार हो जाइए। यह फ़िल्म मराठी, तेलगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम और बंगाली में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फ़िल्म मीहिर कुलकर्णी, आरती गिल और अश्विनी कुमार मिश्रा द्वारा प्रोड्यूस की गई है। संगीतकार रवि बसरूर हैं।महाराष्ट्र के सुपुत्र और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार लोकप्रिय दिग्गज अभिनेता देव गिल अब महाराष्ट्र के दिलों पर राज करने आ रहे हैं। तो अपनी सांसें थाम लें और अब तैयार हो जाएं एक्शन से भरपूर यह सिनेमा देखने के लिए। अभिनेता देव गिल और एसएस राजामौली फिल्म्स के एसोसिएट निर्देशक पेटा त्रिकोटी द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म का टीजऱ जबरदस्त है।उल्लेखनीय है कि इस फ़िल्म के प्रोड्यूसर डॉ. मीहिर कुलकर्णी प्रसिद्ध समाजसेवी और पर-ोपकारी हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के बालेगांव को गोद लिया है। परोपकार और सामुदायिक विकास के लिए एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए ग्रेविटी ग्रुप के दूरदर्शी अध्यक्ष डॉ. मीहिर कुलकर्णी ने महाराष्ट्र के वैजापुर में बालेगांव के सूखा प्रभावित क्षेत्र को आधिकारिक तौर पर गोद ले लिया है। भारत के सबसे युवा उद्यमियों में से एक डॉ. मीहिर कुलकर्णी अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। मीहिर कुलकर्णी को उनके परोपकारी प्रयासों के लिए मान्यता मिली है और उन्हें राजस्थान विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त हुई है। प्राइड ऑफ महाराष्ट्र जैसे कई पुरस्कार उनके प्रभावशाली योगदान के प्रमाण हैं। अब वह फ़िल्म निर्माता के रूप में इतना बड़ा प्रोजेक्ट लेकर आ रहे हैं जिसके टीजऱ ने सभी को चौंका दिया है।

प्रिया प्रकाश ने साड़ी पहन बिखेरा जलवा

नेशनल क्रश कही जाने वाली प्रिया प्रकाश आए दिन अपने स्टनिंग अवतार से सोशल मीडिया का पारा हाई करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउट से हॉट तस्वीरें शेयर की हैं। प्रिया ने पीच कलर की साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहना है। लाइट मेकअप के साथ बालों को खास अंदाज में बांधा है और क्यूट स्माइल के साथ किलर पोज दे रही हैं। प्रिया एक एक्टर मॉडल और प्लेबैक सिंगर हैं। 2018 में उन्हें सबसे ज्यादा ख्याति उस वक्त मिली जब उनकी साउथ फिल्म ओरु अदार की एक क्लिप वायरल हो गई थी, जिसमें वे आंख मारते हुए नजर आई थीं। तभी से एक्ट्रेस को नेशनल क्रश का नाम भी मिला है।प्रिया की दिलकश अंदाओं के लाखों दीवाने हैं, लेकिन इन दिनों प्रिया के फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर हैरान हैं। प्रिया की दिलकश अंदाओं के लाखों दीवाने हैं, लेकिन इन दिनों प्रिया के फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर हैरान हैं। प्रिया प्रकाश साउथ की कई फिल्मों, वीडियो और म्यूजिक एल्बम में काम कर चुकी है। इसके अलावा उनके पास कई बड़े ब्रांड के विज्ञापन का कॉन्ट्रैक्ट है।

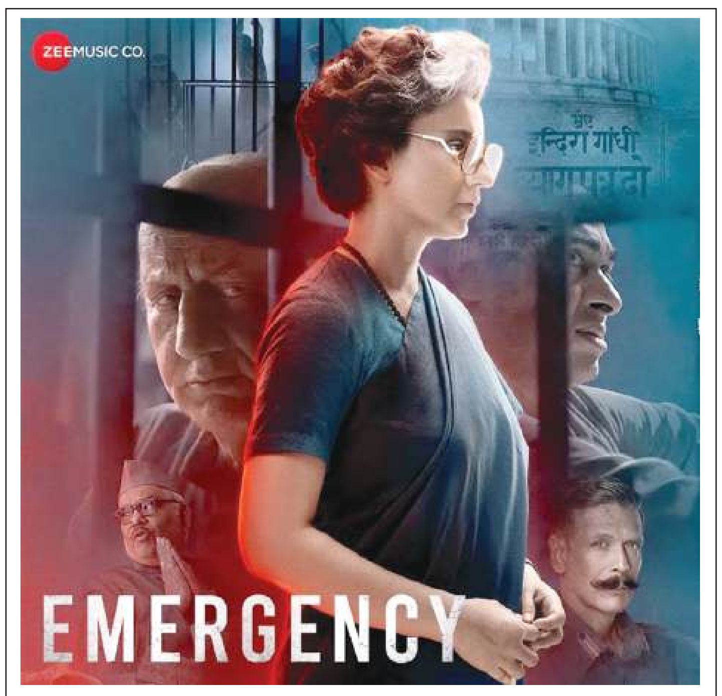

कंगना रनौत की इमरजेंसी का पहला गाना सिंहासन खाली करो जारी

कंगना रनौत स्टारर पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी का पहला गाना सिंहासन खाली करो रिलीज हो गया है। हाल ही में सॉन्ग सिंहासन खाली करो का टीजर जारी कर इसकी रिलीज डेट का एलान किया गया था। सिंहासन खाली करो में फिल्म इमरजेंसी की पूरी स्टारकास्ट नजर आ रही है। सिंहासन खाली करो सॉन्ग एक जज्बे और जोश से भरा गाना है। सिंहासन खाली करो गाना फिल्म की रिलीज से 10 दिन पहले रिलीज हुआ है।सॉन्ग सिंहासन खाली करो को उदित नायाराण, नकाश अजीज, नकुल अभयंकर ने मिलकर गाया है। सिंहासन खाली करो गाने के बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। गाने को जीवी प्रकाश कुमार ने कंपोज किया है। गाने में कंगना रनौत, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक भी नजर आ रहे हैं।

कंगना रनौत को भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी के रोल में देखा जा रहा है। गाने में इमरजेंसी लगने के बाद के सीन दिखाए जा रहे हैं, जिसमें विपक्ष और आम जनता पर पुलिस की लाठी बरस रही हैं। गाने के बीच-बीच में कंगना रनौत फिल्म के कुछ अहम डायलॉग बोलती दिख रही हैं।फिल्म इमरजेंसी में कंगना रनौत भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी का रोल प्ले करने जा रही हैं। फिल्म में दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक को जगजीवन राम, विशाक नायर को संजय गांधी, मिलिंद सोमन को सैम मानेकशॉ, महिमा चौधरी को पुपुल जयाकर, श्रेयस तलपड़ को अटल बिहारी वाजपेयी और अनुपम खेर को जेपी नारायण के रोल में देखा जाएगा। फिल्म इमरजेंसी को खुद कंगना रनौत ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने जा रही है।

थलपति विजय की द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को मिला यू/ए सर्टिफिकेट

फिल्म का रन टाइम 2 घंटा 45 मिनट है

थलपति विजय की आगामी फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। वेंकट प्रभु की निर्देशित फिल्म ने पहले ही अपने ट्रेलर से ही चर्चा बटोर ली है। फैंस और दर्शक फिल्म की रिलीज को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। वहीं, मेकर्स ने फैंस के एक्साइटमेंट को और भी बढ़ा दिया है।मेकर्स की ओर से ताजा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने फैंस को खुशखबरी देते हुए बताया है कि विजय स्टारर द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन की ओर से यू/ए सर्टिफिकेट मिला है।द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के डायरेक्टर वेंकट प्रभु ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर फिल्म के सर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को यू/ए सर्टिफिकेट मिला है। द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के रन टाइम की बात करें तो फिल्म का टाइम ड्यूरेशन 2 घंटा 45 मिनट है।वेंकट प्रभु की द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की कहानी को गुप्त रखा गया है। उम्मीद है कि यह एक ऐसी एंटरटेनिंग क फिल्म होगी जिसमें एक्शन, ड्रामा और रोमांस का तड़का देखने को मिलेगा। फिल्म में विजय डबल रोल में नजर आएंगे। वह फिल्म में पिता और बेटे दोनों का किरदार निभाएंगी। फिल्म में विजय के साथ प्रभु देवा, स्नेहा, प्रशांत, मीनाक्षी चौधरी जैसे कलकार शामिल हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में धमाल मचाने उतरेगी।

घुड़सवारी और स्कूबा डाइविंग मेरे पसंदीदा शौक : रविरा भारद्वाज

अभिनेत्री रविरा भारद्वाज ने अपने शौक के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें घुड़सवारी और स्कूबा डाइविंग बहुत पसंद है। शो औकात से ज्यादा में उर्मिला की भूमिका निभाने वाली रविरा ने कहा, अपने खाली समय में मैं कई तरह के शौक पूरा करना पसंद करती हूं, जो मुझे खुशी और सुकून देते हैं। पेंटिंग एक ऐसी चीज है जो मुझे वाकई सुकून देती है। यह खुद को व्यक्त करने और एक लंबे दिन के बाद आराम करने का एक तरीका है। डांसिंग मेरा एक और जुनून है, यह मुझे संगीत से जुडऩे का एक मौका देता है।जियूं कैसे की अभिनेत्री ने आगे कहा, मगर मुझे घुड़सवारी और स्कूबा डाइविंग बहुत पसंद है।

घुड़सवारी मुझे अविश्वसनीय रूप से रोमांच और जानवर से जुडऩे का मौका देती है। वहीं स्कूबा डाइविंग एक दूसरी दुनिया में कदम रखने जैसा है। पानी के नीचे रहना, समुद्र की सुंदरता और रहस्य से घिरा होना मुझे हमेशा शांति का एहसास कराता है।उन्होंने कहा कि अपने लिए समय निकालना मानसिक स्वास्थ्य और सेहत के लिए महत्वपूर्ण है।उन्होंने कहा, खुद के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है। यह संतुलित और केंद्रित रहने की कुंजी है। यह मुझे आराम देता है और मेरी ऊर्जा को रिचार्ज करता है जिससे मुझे काम पर लौटने की ताकत मिलती है। मुझे यात्रा करने और नई जगहों की खोज करने का बहुत शौक है, यह मेरा खाली समय बिताने का सबसे पसंदीदा तरीका है। लेकिन जब मैं नई जगहों की खोज करने नहीं जाती हूं तो आप मुझे घर में आनंद लेते हुए देख सकते है। यह तनाव दूर करने और खुद को तरोताजा करने का सबसे बढिय़ा तरीका है।औकात से ज्यादा यूट्यूब चैनल फ्रेश मिंट पर स्ट्रीम हो रहा है।इस बीच रविरा को ऐसा क्यू, लिसन 2 दिल, सांवरे और कांटाल में उनके काम के लिए जाना जाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा–बहुत तनाव भी पैदा होगा। पुरानी यादों को ज़ेहन में ज़िंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताज़ा करने का वक़्त है। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे– तो वह आपका पीछा हर निकृष्ट तरीक़े से करेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

असुरक्षा के चलते आप असमंजस में फंस सकते हैं। तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। लोग आपको आशाएं और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जीवन–साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। अपने जीवन–साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निकालें। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। नए प्रस्ताव आकर्षक होंगे, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय लेना समझदारी का काम नहीं हैं , अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 29 अगस्त 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 01:40 तक
नक्षत्र : आर्द्रा सायं 04:40 तक
योग : सिद्धि सायं 06:16 तक
करण : बव दोपहर 01:27 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53 सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अजा एकादशी व्रत

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पूंडरी में सीएम नायब सैनी ने किया रोड शो, कहा–

सरकार बनने के बाद जनता ही होगी असली थानेदार

कैथल, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को कैथल के पूंडरी में रोड शो निकाला। यह रोड शो पिहोवा चौक से शुरू होकर गिरधर चौक व किसान भवन से पूंडरी के इनडोर–आउटडोर स्टेडियम में संपन्न हुआ।

इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश के जागरूक मतदाताओं की बदौलत प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। लोकसभा चुनाव में जिस तरह हलके के लोगों ने यहां से भाजपा को जीत दिलाई थी उसी तरह विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को जिताना है। चार अक्तूबर को जब भाजपा के पक्ष में नतीजे आएंगे तो प्रदेश में एक बार फिर से विकास की रफ्तार तेज हो जाएगी। उन्होंने हलके के लोगों से अपील की कि वे प्रदेश के हित में भाजपा के पक्ष में एक अक्तूबर को मतदान करें और चार अक्तूबर को जब नतीजे आएंगे तो फिर पूंडरी हलके की जनता ही असली थानेदार होगी। हलके की जनता जिस दिशा में सरकार को चलाएगी सरकार उसी दिशा में चलेगी।

इससे पहले पूंडरी से भाजपा की टिकट के दावेदारों पूर्व विधायक तेजवीर सिंह, पूर्व विधायक दिनेश कौशिक, सतपाल जांबा व सुभाष हजवाना भी अपने–अपने कार्यकर्ताओं के साथ रोड शो करते हुए अनाज मंडी में पहुंचे। इस मौके पर हिसम सिंह साकरा, विनोद बंसल, देवीदयाल बरसाना सहित तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सीएम का काफिला जब गुरु ब्रह्मानंद चौक व शहीद गिरधरलाल चौंक पर पहुंचा तो पुष्प अर्पित किए।

मुख्यमंत्री नायब सैनी बुधवार को जींद में बलिदानी कुलदीप के घर उनके परिवार से मिलने पहुंचे। जब मुख्यमंत्री यहां से निकले तो आगे रास्ते में एक महिला बैल–बुग्गी लेकर खेत में जाती दिखाई दी। मुख्यमंत्री सड़क पर अपना काफिला रुकवाकर बुग्गी में सवार हो गए। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली भी बुग्गी में बैठ गए। मुख्यमंत्री लगभग 500 मीटर तक बुग्गी में सवार रहे और महिला से उसका हाल चाल जाना। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने महिला से पूछा कि वह खेत में पशुओं के लिए चारा लेने जा रही है। गांव निडानी निवासी राजकुमार की धर्मपत्नी संतोष मलिक ने कहा कि वह प्रतिदिन दोपहर बाद खेतों में चारा लेने जाती है। मुख्यमंत्री ने महिला से खेती–बाड़ी के बारे में पूछा कि खेत में क्या–क्या फसल उगा रखी है। मुख्यमंत्री ने इस साल बारिश कैसी हुई, इसके बारे में भी पूछा। महिला संतोष ने कहा कि इस साल बारिश पिछले सालों की अपेक्षा कम हुई है। फसलों में पिछले साल वाली बात नहीं रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई समस्या हो तो वह बता सकती है। महिला ने कहा कि कोई समस्या नहीं है। नायब सैनी ने कहा कि वह भी किसान का बेटा है। बचपन में खेतों में बहुत काम किया था। खेत में बैल–बुग्गी में जाते थे। अब भी मौका मिलता है तो खेत में जरूर जाता हूं।

सरिस्का बाघ अभयारण्य में शिकारियों से बाघों की सुरक्षा की गई मजबूत

अलवर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य में वर्षा के दौरान सक्रिय होने वाले शिकारियों से बाघ सहित वन्य जीवों को बचाने के लिये सरिस्का के सभी प्रवेश स्थलों के चारों तरफ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

सरिस्का के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) राजेंद्र हुड्डा ने बुधवार को बताया कि बड़ी–बड़ी वनस्पति होने के कारण यहां शिकारियों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं, लेकिन इस बार सरिस्का के सुरक्षा तंत्र को पूरी तरह मजबूत किया गया है। बाघों की लगातार निगरानी की जा रही है। वायरलेस सिस्टम लगे हुये हैं। हर बाघ की हलचल पर भी निगरानी रखी जा रही है। उनके साथ दो खोजी दस्ते लगाये गये हैं। सरिस्का के जितने भी संवेदनशील रास्ते हैं उन सभी पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी की गयी है।

उन्होंने बताया कि सरिस्का में वर्तमान में 43 बाघ हैं और इनमें लगातार वृद्धि हो रही है। तेंदुओं की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में उनकी सुरक्षा व्यवस्था भी बड़ी चुनौती है, लेकिन उनकी सुरक्षा में सरिस्का के सभी कर्मचारी जी जान से जुटे हैं । उनकी नियमित निगरानी की जा रही है। मवेशियों पर वन्यजीवों के हमले को लेकर श्री हुड्डा ने कहा कि सरिस्का के आसपास 29 गांव हैं में इनमें 18 गांव बाघों की परिधि में है, 11 गांव वन क्षेत्र में हैं। इनमें पांच गांवों को विस्थापित कर दिया गया है और छह अन्य गांवों के भी यहां से अन्यत्र बसाने की प्रक्रिया जारी है।

हरियाणा में विचरण कर रहा है सरिस्का से निकला बाघ

अलवर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य से 14 अगस्त को अलवर की सीमा से निकला बाघ अब तक हरियाणा के झाबुआ गांव में मौजूद है और 800 एकड़ भूमि के जंगल में विचरण कर रहा है।

सरिस्का के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) राजेंद्र सिंह हुड्डा ने बुधवार को बताया कि झाबुआ के जंगल में वह वन्य जीवों का आसानी से शिकार कर रहा है, लिहाजा वह स्थान नहीं बदल रहा। उन्होंने बताया कि करीब ढाई वर्ष का यह बाघ एस टी 2303 अलवर के बाला किला रेंज से 14 अगस्त को निकला था। उस दौरान इसने चार–पांच लोगों को इसलिये जख्मी किया था क्योंकि वे लोग लाठी पत्थर लेकर इसके पीछे भागे थे। उसने अपने बचाव में मनुष्यों पर हमला किया था। अन्यथा वह मनुष्यों पर हमला नहीं करता। उक्त घटना के बाद उसने किसी पर हमला नहीं किया।

श्री हुड्डा ने बताया कि 16 अगस्त से यह रेवाड़ी के पास झाबुआ गांव के जंगल में मौजूद है और यह वन रक्षित क्षेत्र है जो 800 एकड़ का है, जिसमें कई तरीके के वन्य जीव हैं, जहां वह आसानी से शिकार भी कर रहा है। अभी यह पूरे वन क्षेत्र में घूम रहा है। जब यह एक जगह आराम करेगा तो इसको बेहोश करके पकड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल कोशिश यही है कि यह खुद ही वापस आ जाए क्योंकि सात महीने पहले भी यह अलवर से हरियाणा पहुंच गया था और खुद ही वापस आ गया था। इस पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसके पग मार्ग देखे जा रहे हैं।

बस और ट्रैक्टर ट्रॉली की भिड़ंत में 20 लोग घायल

श्रीगंगानगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के रावतसर थाना क्षेत्र में मेगा हाईवे पर मंगलवार रात एक निजी लग्जरी बस की ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकराने से करीब 20 लोग घायल हो गये जिनमें महिलायें और बच्चे भी शामिल हैं।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीगंगानगर से जयपुर जा रही बस रात करीब 11:30 बजे धन्नासर में बत्रा होटल के नजदीक बस ट्रैक्टर ट्राली को ओवरटेक करने के प्रयास में उसके पीछे टकरा गयी। इससे दोनों वाहन पलट गए। बस में फंसे यात्रियों को वहां से गुजर रहे वाहनों में सवार लोगों ने बाहर निकाला। इसी बीच सूचना मिलने पर पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने बताया घटना में ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक का पैर कट गया जबकि घायल हुए बस यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया गया।

भीलवाड़ा में मारपीट में युवक की मौत, चार अन्य घायल

भीलवाड़ा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के आसींद थाना क्षेत्र के सालरमाला गांव में एक होटल पर खाना खाने पहुंचे कुछ कुछ लोगों में मारपीट होने से एक युवक की की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार करेड़ा थाने के गोराणा गांव के रहने वाले सुखलाल भील ने आसींद पुलिस को रिपोर्ट दी कि मंगलवार की शाम छह बजे उसका छोटा भाई भैंरू उर्फ नैनाराम भील एवं भैंरूलाल भील खाना खाने के लिए गांव के पास राज सुपर होटल चानसेन पर गये थे। होटल पर परिवादी के भाई के साथ कुछ लडकों ने झगड़ा कर मारपीट की। इसकी सूचना भाई ने फोन से दी। इसके चलते वह, दिनेश भील, पेमा भील, कैलाश भील, रणजीत उर्फ श्रवण भील एवं छोटी बहन का पति राहुल भील एवं अन्य लोग होटल पर गये तो मारपीट करने वाले युवक भाग गये। हमले में परिवादी सुखलाल, उसके भाई दिनेश भील, भैंरू उर्फ नैनाराम, भैंरू भील के हल्की चोटें आई, जबकि परिवादी की छोटी बहन के पति राहुल भील के सिर में गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान होकर बेहोश हो गया। हमले में घायल अजमेर जिले के गोला हाल भोपों का बाड़ा निवासी राहुल भील (30) को सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोशी की हालत में मौके से बााइक पर बैठाकर कटार और वहां से गाडी में बैठाकर आसींद अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टर्स ने स्वास्थ्य परीक्षण कर राहुल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया।

बुधवार को आसींद पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराने मोर्चरी पहुंची, जहां मृतक के परिजन एवं समाजजन मौजूद मिले। इन लोगों ने पुलिस के समक्ष मृतक आश्रितों को एक करोड़ का मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और आरोपितों के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि जब तक मांग नहीं मान ली जाती, वे पोस्टमार्टम नहीं करवायेंगे।

जजपा दो सितंबर को तय करेगी अधिकांश उम्मीदवारों के नाम : दुष्यंत

सिरसा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री व जननायक जनता पार्टी (जजपा) के नेता दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि जजपा पूरी तरह से चुनावी मोड में है और इसकी तैयारी युद्धस्तर पर जारी हैं। इसी कड़ी में आगामी दो सितंबर को जजपा की प्रदेश एडवाइजरी कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई जिसमें अधिकांश सीटों पर उम्मीदवारों का चयन कर लिया जाएगा।

गौरतलब है कि आजाद समाज पार्टी से गठबंधन के बाद जजपा प्रदेश में 70 सीट पर ही अपने उम्मीदवार उतारेगी। श्री चौटाला बुधवार को यहां सवांददाताओं से बातचीत में कहा कि गठबंधन ही भविष्य तय करते हैं कि किस परिस्थिति में पार्टियां चुनावी मैदान में उतरेंगी। उन्होंने कहा कि जजपा व आजाद समाज पार्टी का गठबंधन हरियाणा को प्रगति के पथ पर ले जाएगा। साथ ही प्रदेश के किसान, कमेरे की लड़ाई को भी दोनों पार्टियां लड़ेंगी।

पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि दो युवा मिलकर प्रदेश को युवा नेतृत्व देंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल व मान्यवर कांशीराम ने अपने जीवनकाल में सदैव शोषित समाज को सम्मानीय स्थान दिलाने के लिए संघर्ष किया।

उनकी सोच थी कि प्रत्येक किसान, कमेरे व अन्य समाज के दबे हुए वर्गों को अच्छी शिक्षा, मकान, स्वास्थ्य सेवाएं व रोजगार के अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन से प्रदेशभर के युवाओं में जोश है।एक सवाल के जवाब में श्री चौटाला ने कहा कि हरियाणा में 15वीं विधानसभा में त्रिकोणीय मुकाबला होगा जिसमें सबसे महत्वपूर्ण रोल उनके गठबंधन का होगा। हरियाणा में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने की सूरत में जेजेपी की भूमिका पर उन्होंने कहा कि पार्टी इस परिस्थिति में राजग या इंडिया समूह के पीछे नहीं जाएगी बल्कि उनकी विचारधारा व सिद्धांतों के आधार पर उनसे जुड़ाव रखने वाले राजनीतिक संगठन के आगे खड़ी नजर आएगी। स्वयं के विधानसभा चुनाव लडऩे के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व जहां से चाहेगा वह उसी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। इस दौरान उन्होंने अपने साढ़े चार साल बतौर उपमुख्यमंत्री रहते हुए किसानों के हितों के लिए किए गए कल्याणात्मक कार्यों को भी विस्तृत रूप से बताया।

दुकानदार के पांच हत्यारोपियों को उम्रकैद, कोर्ट ने अर्थदंड भी लगाया

सोनीपत, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष चंद्र सरोए ने दुकानदार की हत्या के मामले में सुनवाई के बाद पांच आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने पांचों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही चार दोषियों में प्रत्येक को 1.30 लाख रुपये व पांचवे दोषी पर 1.40 लाख जुर्माना किया गया है। जुर्माना अदा न करने पर अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी।

गांव लल्हेड़ी खुर्द निवासी जितेंद्र ने 16 अक्तूबर, 2016 को गन्नौर थाना पुलिस को बताया था कि वह 15 अक्टूबर, 2016 की शाम को दिल्ली से अपनी जीप लेकर गांव में आया था। गांव के अड्डे पर उनके भाई संजीत अपने दोस्त सुमित पुत्र अतर सिंह के साथ मोबाइल रिचार्ज कराने गए थे। उनके भाई गांव के अड्डे पर परचून की दुकान चलाते थे। वहां मोबाइल रिचार्ज की दुकान के बाहर खड़े गांव के संदीप उर्फ पीपा, सुमित उर्फ काला पुत्र बलबीर, विकास उर्फ बकरा, सुनील उर्फ शीला व एक अन्य युवक खड़े थे। उनसे उनके भाई परचून की दुकान के उधार दिए सामान के लिए रुपये लेने थे। उनके भाई ने उनसे रुपये की मांग की थी। जिस पर पांचों ने उनके भाई पर तेजधार हथियार, सरिया व डंडों से हमला कर दिया था। उन्होंने उनके दोस्त सुमित पर भी हमला किया था।

भाई व उनके दोस्त पर हमला होता देखकर उन्होंने शोर मचा दिया था। आसपास के लोगों के आने पर आरोपी वहां से भाग गए थे। उन्होंने अपने भाई व उनके दोस्त को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उनके भाई को पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया था। उन्होंने अपने भाई को निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। पुलिस ने हत्या की कोशिश व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था। अस्पताल में उनके भाई संजीत ने दम तोड़ दिया था। जिसके बाद मामले में हत्या की धारा तोड़ी गई थी। तत्कालीन राजलूगढ़ी चौकी प्रभारी युद्धवीर सिंह की टीम ने कार्रवाई करते हुए मामले में पांच आरोपियों संदीप उर्फ पीपा, सुमित उर्फ काला पुत्र बलबीर, विकास उर्फ बकरा, सुनील उर्फ शीला व राहुल को गिरफ्तार किया था। उनसे चाकू, सरिया, रॉड बरामद कर लिए थे। मामले की सुनवाई के बाद एएसजे सुभाष चंद्र सरोए ने पांचों आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने पांचों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

बेगूसराय पुलिस पर बड़ा आरोप, राजद नेता बोले–

मुझे और मेरे परिवार को थाने ले जाकर बेरहमी से पीटा

पटना (एजेंसियां)।

बेगूसराय पुलिस वर्दी का रौब दिखाकर आम लोगों की पिटाई करने का आरोप लगा है। यह आरोप जिला राजद के प्रधान महासचिव राम सखा महतो और उसके परिवार के लोगों ने लगाया है। आरोप यह है कि मामूली विवाद में पुलिस के द्वारा राजद नेता को पहले सड़क पर जमकर पिटाई की और उसे घसीट कर गाड़ी में बैठाया। फिर बाद में राजद नेता के पूरे परिवार (दो महिला, एक नाबालिग) को पुलिसकर्मी थाने ले गए। और, वहां उनकी बेरहमी से पिटाई की। इतना ही नहीं महिला के प्राइवेट पार्ट पर भी लाठी डंडे से वार दिया गया। महिला और नाबालिग का कसूर सिर्फ इतना था कि उन लोगों ने गलत तरीके से राजद नेता की गिरफ्तारी पर अपनी आपत्ति दर्ज़ कराया था। इतनी सी बात पर महिला को थाने ले जाकर पुलिस कर्मियों ने बेरहमी से पीटा। घटना के बाद घायलों का इलाज चल रहा है। एसपी

मनीष कुमार ने बताया है कि पुलिस मारपीट की घटना की जांच करने गई थी। कुछ लोगों द्वारा पुलिस के साथ बदतमीजी की गई थी। पुलिस पर जो आर–ोप लगाया गया है वह गलत आरोप है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

इधर, राजद नेता के साथ पुलिस की मारपीट और घसीटे जाने का वीडियो भी सामने आया है। वहीं राजद के कार्यकर्ताओं में काफी नाराजगी दिखाई जा रही है। इस घटना में पीड़ित परिवार ने सीएम नीतीश कुमार से न्याय की गुहार लगाई है। घटना चेरियाबरियारपुर थाना क्षेत्र की है। लोगों का कहना है कि सरकार और बिहार पुलिस मुख्यालय द्वारा लागातार पुलिस कर्मियो को पीपुल फ्रेंडली बनने की नसीहत दी जाती है पर बेपरवाह पुलिस कर्मी कुछ न कुछ ऐसा कर जाते हैं जिससे उनकी छवि दागदार बन जाती है। राजद कार्यकर्ताओं का कहना है कि पुलिस कर्मियों ने रामएसखा महतो की पत्नी, पुत्र और उनकी भाभी की थाने पर ले जाकर बेरहमी से पीटा। उनके साथ अभ्रदता की। यह अन्याय है। सीएम नीतीश कुमार इस मामले पर संज्ञान लें। क्या राजद का कार्यकर्ता होना अपराध है।

वहीं राजद नेता राम सखा महतो ने बताया कि वह एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। कुछ दिन पहले उनके बड़े भाई के दामाद ने चार पहिया वाहन से कहीं से आ रहे थे।

पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक लेकिन वह नहीं रुके। इसके बाद पुलिस ने दामाद समेत दो लोगों हिरासत में ले लिया और थाना लेकर आ गए। इसके बाद उन्होंने बेरहमी से पिटाई की। बात चार चक्का वाहन से कही आने जाने के दौरान पुलिस कर्मियो के रोक जानें पर नही रुकने पर पुलिस कर्मियों के द्वारा उनके दामाद सहित दो लोगों की थाना मे ले जाकर गंभीर रूप से पिटाई की गईं। बाद मे उनके दामाद को छोड़ने के बदले में पुलिस कर्मियों के द्वारा पच्चीस हजार रूपया बतौर घूस मांगी गई। जान बचाने के लिय उनके दामाद द्वारा पैसा देने की स्वीकृति दी गईं। जिसके बाद उन्हें थाना से छोड़ा गया। पर जब उनके दामाद द्वारा किसी कारण वश यह पैसा नहीं दिया जा सका। इस घटना के विरोध में राम सखा महतो द्वारा कुछ स्थानीय लोगों के साथ थाना पहुंच इस घटना पर विरोध दर्ज कराया गया और पैसे देने से इनकार किया गया।

राजद नेता राम सखा महतो ने बताया कि कुछ दिन बाद गांव के ही दो भाईयों के बीच के विवाद हुआ। इसी बीच एक पक्ष द्वारा लड़ाई झगड़े की सूचना पुलिस को दी गई। तभी थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर रामसखा महतो की खोज करने लगी। राम सखा महतो के घर पर नहीं मिलने पर पुलिस द्वारा गालीगलौज और खीचतान किए जाने पर परिवार के लोगों ने इसका विरोध चलाया तो पुलिस कर्मियों ने जबरन दो महिला और नाबालिग लड़के को थाने लेकर आ गए और बेरहमी से पिटाई की।

मुडा मामले में राज्यपाल के आदेश का विरोध करेंगे कांग्रेस विधायक

राष्ट्रपति से मुलाकात करने की योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य मुडा मामले को लेकर सीएम सिद्धरामैया को कारण बताओ नोटिस देने और मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के मामले में कांग्रेस विधायकों ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत के खिलाफ राष्ट्रपति से मिलने की तैयारी की है। कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि पार्टी ने इसे लेकर अस्थायी योजना बनाई है। 29 अगस्त को अदालत में होने वाली कार्रवाई के बाद इस बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। दरअसल, कर्नाटक में मुडा जमीन आवंटन घोटाले में सीएम सिद्धरामैया को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कारण

बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही उनके खिलाफ जांच शुरू करने और मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। राज्यपाल के आदेश को सीएम सिद्धरामैया ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट को 29 अगस्त को मामले पर सुनवाई करनी है। गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि हमने राज्यपाल के आचरण के संबंध में कुछ निर्णय लिए हैं। प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने राज्य में पार्टी की ओर से विरोध प्रदर्शन करने का एलान किया है। इसके बाद एक साथ सभी विधायक और सांसद राज्यपाल को ज्ञापन सौपेंगे। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त को राजभवन चलो की योजना बनाई गई है। हम पहले राज्यपाल से मिलेंगे और उनको ज्ञापन सौपेंगे। सिद्धरामैया के खिलाफ फैसला होने की स्थिति पर गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि इस संबंध में कोई चर्चा अभी नहीं हुई है।

सीएम नीतीश के सांसद बोले–

गोपाल बाबू की गलती नहीं, झारखंड से आ रहे बोतल के कारण वह बयानबाजी करते हैं

पटना (एजेंसियां)।

जनता दल यूनाईटेड के सांसद अजय मंडल ने अपनी ही पार्टी के विधायक गोपल मंडल पर पलटवार किया गया है। उन्होंने अपने ऊपर गोपाल मंडल द्वारा दिए गए आपत्तिजनक बयान के सवाल पर कहा कि गोपाल बाबू की इन सब चीजों में कोई गलती नहीं है। आजकल जो झारखंड से बोतल में भरकर पानी आता है। उसका ही सब नतीजा है। झारखंड से जिस पानी को मंगवाकर वह पीते हैं? उसके चक्कर में ही वह आपत्तिजनक बयान देते हैं। इसमें उनकी कोई गलती नहीं। इतनी सी ही बात है। बेचारा वह तो बहुत अच्छे आदमी हैं।

गया में सड़क हादसे में महिला की मौत

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के गया जिले में बुधवार को तेज रफ्तार बस ने एक महिला को रौंद दिया। घटना में महिला की मौके पर मौत हो गई। वहीं आक्रोशितों ने ईट पत्थर से बस पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं बस में भी आग लगा दी। साथ ही शव को सड़क पर रख कर प्रदर्शन करने लगे। आक्रोशित लोगों के सड़क जाम के कारण गया–टिकारी मुख्य सड़क मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। सड़क दुघर्टना में महिला की मौत की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क जाम कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे आक्रोशित लोगों को समझा–बुझाने में जुटी है।

यह पूरा मामला चंदौती थाना क्षेत्र के कोसमा गांव के समीप का है। मृत महिला की पहचान परैया थाना क्षेत्र के नयूआ बिगहा गांव की रहने वाली 45 वर्षीय रश्मि

देवी के रूप में हुई है। गया के चंदौती थाना क्षेत्र के गया टिकारी मुख्य सड़क मार्ग पर कोसमा गांव के समीप बुधवार को तेज रफ्तार बस ने महिला को रौंद दिया। इसमें घटनास्थल पर ही महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान रश्मि देवी(45) के रूप में की गई है। जो परैया थाना क्षेत्र के नऊआ बिगहा गांव की रहने वाली थी।

बताया जा रहा है कि मृतक महिला अपने पति के साथ सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार बस ने रौंद दिया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बस को पकड़ लिया। वहीं बस चालक फरार हो गया है। जिसके बाद ग्रामीणों ने बस पर पथराव कर सड़क जाम कर दिया। घटना की सूचना के बाद चंदौती थाना की पुलिस बल मौके पर पहुंची है। वहीं आक्रोशितों को समझाने में लगी है। शव को सड़क पर रखकर कार्रवाई की मांग कर रहे है। फिलहाल मौके पर पहुंची चंदौती थाने की पुलिस बस को अपने कब्जे में लेकर थाना भेजने की कार्रवाई कर रही है। वहीं सड़क जाम कर प्रदर्शन कर रहे आक्रोशित ग्रामीणों को पुलिस समझाने में जुटी है।

सीवरेज निर्माण के दौरान बड़ा हादसा, तीन मजदूर खड्डे में गिरे, दो ने गंवाई जान

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में स्मार्ट सिटी के निर्माण कार्य के दौरान दो लोगों की मौत हो गई है। इस घटना में एक गंभीर रूप में घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला अहियापुर थाना क्षेत्र की है, जहां आज निर्माण कार्य के दौरान घटना हुई है। मृतकों की पहचान पश्चिम बंगाल के नॉर्थ परगना निवासी मो शहाबुद्दीन मठिया के पुत्र मो इकरामुल (26) और मालदा निवासी मो अजीमूल (24) के रूप में की गई है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि सिवरेज निर्माण का कार्य चल रहा था। दो मजदूर सीवरेज में काम करने के लिए उतरे और नीचे ही रह गये। जब काफी देर तक उनकी कोई गतिविधि नहीं मिली तब तीसरा शख्स सीवरेज में उतरा और वह

भी नीचे जाकर फंस गया। जब इस बात का अंदाजा ऊपर में काम करने वालों को लगा तब अंदर से उन तीनों को निकालने के लिए जेसीवी को लगाया गया, लेकिन मामला बिगड़ता देख जेसीवी चालक भी वहां से फरार हो गया। फिर दूसरे चालक को बुलाकर खुदाई की गई और तीनों को बाहर निकाला गया।

मजदूरों को बाहर निकालते ही स्थानीय लोगों में अफरातफरी का माहौल हो गया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नगर निगम के कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए जमकर विरोध किया। स्थानीय लोगों और मजदूर का कहना है कि स्मार्ट सिटी के निर्माण कार्य के दौरान यह हादसा हुआ है। घटनास्थल पर मौजूद मजदूर और स्थानीय लोगों का कहना है कि इस घटना को देखते ही स्मार्ट सिटी के लोग वहां से फरार हो गये। मजदूरों ने आरोप लगाते हुए कहा कि जो मजदूर काम कर रहे हैं उसको सुरक्षा व्यवस्था नहीं मिलती। नियम के अनुसार लाइफ जैकेट और शू उपलब्ध कराया जाना चाहिए लेकिन सुरक्षात्मक कार्य ताक पर रख दिए जाते हैं। मजदूरों ने कहा कि जब खड्डे में या अन्य कोई भी काम को कराया जाता है तो सेफ्टी के नियम के पालन नहीं करवाया जाता है। उनका कहना है कि आज जो घटना हुई है नगर निगम के ला–परवाही के कारण हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ टाउन 2 विनिता सिन्हा ने बताया कि घटना में तीन मजदूर घायल हुए थे, जिसमें दो मजदूर की मौत हो गई है। एक अन्य को गंभीर हालत में इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। मजदूर से बयान लिया जा रहा है।आगे की कार्रवाई भी की जा रही है।

जिरायन नदी का जलस्तर बढ़ने से तटबंध टूटा

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा के अस्थावां और बिन्द प्रखंड से गुजरने वाली जिरायन नदी का जलस्तर 24 अगस्त को बढ़ गया था। उसके बाद अस्थावां प्रखंड के अंदी गांव के फतहा खंधा में तटबंध के कटाव होने की वजह से खेतों में पानी फैल गया था। इसके बाद बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा तटबंध की मरम्मत कराई गई थी। हालांकि इस बीच बुधवार की अहले सुबह फिर से जिरायन नदी का जलस्तर बढ़ा और उक्त स्थान पर फिर से कटाव शुरू हो गया, जिसके कारण फिर से अंदी गांव के खेतों में पानी फैल गया।

अंदी गांव निवासी सह पैक्स अध्यक्ष कर्मवीर कुमार ने बताया कि तटबंध मरम्मत का कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ था और अचानक फिर से नदी का जलस्तर बढ़ गया। इसके कारण करीब एक हजार बीघा में पानी का फैलाव हो गया, जिसके कारण फसलें पानी में डूब चुकी हैं। उन्होंने कहा

कि अगर जलस्तर में इसी तरह से वृद्धि होती रही तो गांव की गलियों तक भी नदी का पानी पहुंच सकता है। हालांकि जिला प्रशासन की टीम तटबंध के मरम्मत को लेकर सतर्क है। ग्रामीण भी इस कार्य में सहयोग कर रहे हैं।

वहीं, अस्थावां प्रखंड के अंचलाधिकारी रवींद्र कुमार चौपाल ने बताया कि प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। अगर गांव में पानी प्रवेश करता है तो कम्युनिटी किचन समेत अन्य सुविधाएं तत्काल शुरू कर दी जाएंगी। फिलहाल जलस्तर घटते ही तटबंध मरम्मत का कार्य फिर से शुरू कर दिया जाएगा। एक अन्य स्थान देशना में भी कटाव हुआ था। जहां पर कटाव निरोधी कार्य किया जा रहा है। तटबंध के पास अधिकारी कैंप किए हुए हैं।

नवादा में सात महीने की गर्भवती महिला से मारपीट, इलाज के वक्त मौत

नवादा (एजेंसियां)।

नवादा में ससुराल वालों ने एक गर्भवती विवाहिता को मारपीट कर जख्मी कर दिया। उसके बाद इलाज के दौरान ही पीड़ित महिला की मौत हो गई। यह आरोप मृतका की मां रंजना देवी ने सस–ुराल वालों पर लगाया है। बहरहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि मौत का कारण जांच का विषय है।

मृतका की मां ने स्थानीय थाली थाने में लिखित आवेदन देकर बताया कि उनकी बेटी स्नेहा कुमारी (36) का विवाह थाली थानाक्षेत्र के महुंगाई ग्राम के ललन पांडे के बेटे सत्यम कुमार से डेढ़ वर्ष पहले धूमधाम से की थी। शादी के कुछ दिन बाद मेरी बेटी स्नेहा कुमारी को ससुराल वाले प्रताड़ित और उससे मारपीट करने लगे। इसकी शिकायत मेरी

बेटी हमें कई बार पहले भी कर चुकी है। उन्होंने कहा कि उसके पति सत्यम पांडेय, ननद खुशबू देवी, ससुर ललन पांडेय और सास टुन्नी देवी ये सभी मिलकर प्रताड़ित करते थे। हमेशा ताने देते थे और गाली–गलौज करते थे। रंजना देवी ने आरोप लगाया कि दहेज को लेकर हमेशा ससुराल वाले उससे मारपीट तथा मानसिक और शारीरिक रूप से भी प्रताड़ित करते थे। दहेज लाकर देने से मना करने पर जान से मारने की धमकी देते थे। मेरी बेटी स्नेहा कुमारी का हमसे सभी प्रकार का संपर्क भी छुड़वा दिया और हम लोगों से बातचीत भी नहीं करने देते थे। मेरी बेटी स्नेहा कई महीने से शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रही थी।

उन्होंने कहा कि उनकी बेटी स्नेहा सात महीने की गर्भवती भी थी। इसके बावजूद उसके साथ मारपीट और उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। 27 अगस्त को तीन बजे मैंने जब मेरी बेटी के पास फोन किया तो पता चला कि वह बहुत बीमार है। उसे इलाज के लिए पावापुरी अस्पताल भर्ती कराने के लिए ले जा रहे हैं। हम सभी पावापुरी पहुंचे तो देखा कि वह काफी गंभीर स्थिति में थी और रोते हुए कुछ बताना चाह रही थी। लेकिन उसके ससुर ने उसे डांट कर चुप करा दिया। पावापुरी से गंभीर स्थिति के कारण उसे पटना रेफर किया गया। पटना झचउक के जाने के दौरान स्थिति काफी नाजुक होने के कारण हमने बिहार शरीफ में ही दिखाने की कोशिश की। तब डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्नेहा की मौत होने के बाद से उसके परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। परिजन न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

सहरसा में दो बहन और भाई को मारी गोली, हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

सहरसा में अपराधियों ने दो लड़कियों समेत तीन लोगों को गोली मार दी। तीनों को सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना बनमा इटहरी थाना क्षेत्र के मकदमपुर की है। मंगलवार मध्य रात्रि को तीनों चेहल्लुम का मेला देखकर लोट रहे थे, इसी दौरान अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई।

जानकारी के अनुसार पुराने विवाद को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले मो. साहेब ने अपने भाई के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित मो. अफसर ने बताया कि वह कुछ दिन पूर्व साहेब से विवाद हुआ था। उसने न्यायालय में केस किया था। वह अक्सर केस उठाने

की धमकी देता था और केस नहीं उठाने पर जान से मारने की धमकी देता था। जान की डर से मैं बाहर रहने लगा।

पीड़ित ने आरोप लगाया कि साहेब मेरी बच्ची को पहचानता था। मुझे नहीं मार पाया तो मेरे बच्चों पर ही गोली चला दी। जख्मियों की पहचान 15 वर्षीय मुस्कान खातून, 12 वर्षीय सुबेदा खातून, 10 वर्षीय तैयब के रूप में हुई। मामले में बनमा इटहरी थानाध्यक्ष ज्योतिष कुमार ने बताया कि जानकारी मिलते ही दोनों बच्ची और एक बच्चे को इलाज के लिए सिमरी बख्तियारपुर अस्पताल भेजा गया था। जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। मामले की तहकीकात की जा रही है। आरोपी की तलाश में छापेमारी चल रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com